डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 21.04.2025 से 27.04.2025 ▶ वर्ष-42 ▶ अंक-17 ▶ मूल्य ₹ 10.00

// संक्षिप्त खबर //

मुख्यमंत्री की पहल पर प्रदेश को मिला 25वां अभयारण्य

सागर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जैव विविधता संरक्षण के लिए की गई पहल पर मध्यप्रदेश को एक और नया अभयारण्य मिल गया है। सागर जिले में 258.64 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र में नया अभयारण्य बनाया जा रहा है। इस नये अभयारण्य को 'डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभयारण्य' के नाम से जाना जायेगा। राज्य सरकार ने इस नये अभयारण्य की अधिसूचना भी जारी कर दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिये यह जानकारी देते हुए कहा कि यह अभयारण्य न केवल वन्य जीवों को एक सुरक्षित आश्रय प्रदान करेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक संतुलन और स्थानीय रोज़गार सृजन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब के नाम समर्पित यह अभयारण्य संविधान निर्माता के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह निर्णय समावेशी विकास एवं हमारे संकल्प की दिशा में एक नया कदम और बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभयारण्य, सागर जिले के उत्तर सागर वन मंडल अंतर्गत बंडा और शाहगढ़ तहसीलों के आरक्षित वन क्षेत्र में स्थापित किया गया है।

कृषक कल्याण मिशन किसानों के समग्र विकास की पहल

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत @2047 के विजन के अनुरूप हमारी सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी कल्याण के लिए मिशन शुरू कर दिए हैं। मध्यप्रदेश में कृषक कल्याण के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आय, कृषि उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन में वृद्धि के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण और कृषि से उत्पादित कच्चे माल पर आधारित औद्योगिक इकाई स्थापित करने जैसे हर संभव प्रयास जारी हैं। किसानों और गौ-पालकों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कुपोषण दूर करने की दिशा में सरकार योजनाबद्ध तरीके से पूरी ऊर्जा के साथ कार्य कर रही है।

प्रकृति के संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम है चीतों का पुनर्वास

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर चीता प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। भारत और लगभग सम्पूर्ण एशिया महाद्वीप से विलुप्त हो चुके चीतों का पुनर्वास कर राज्य सरकार प्रकृति से प्रगति और प्रगति से प्रकृति के संरक्षण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंडला जिले में 232 करोड़ रुपये की लागत वाले 66 विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

लाड़ली बहनों के खातों में 1552.38 करोड़ और सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपये का अंतरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंडला में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के राशि वितरण समारोह को संबोधित करते हुए

- 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को मिला लाभ।
- 56.68 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को मिला लाभ।
- 25 लाख बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 57 करोड़ रुपये अंतरित हुए।
- राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास में आधी आबादी की पूरी भूमिका हो।
- बंजर नदी पर निर्मित पुल शहीद शंकर शाह-रघुनाथ शाह के नाम पर होगा।

मंडला, माताओं, बहनों और बेटियों के हित में हमारी सरकार हमेशा उनके साथ है। इनके लिए सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। बहनों को हमारी सरकार उनका हक दिलायेगी। राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास में आधी आबादी की पूरी भूमिका हो, इसे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंडला जिले के टिकरवारा गांव में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़े, इसके लिए आगामी वर्षों में लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश सरकार पहले ही निकाय चुनावों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू कर चुकी है।

मंडला को मिली 232 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 1.27 करोड़ बहनों को 1552.38 करोड़ रुपये, 56.68 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना में पात्र 25 लाख बहनों को 450 रुपये में सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 57 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने मंडला में 232 करोड़ रुपये की लागत वाले 66 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया।

परिणय सूत्र में बंधे 1100 जोड़े

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह में परिणय-सूत्र में बंधे 1100 से अधिक नवविवाहित दंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयार किया एजुकेशन पोर्टल 3.0

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग ने एक अप्रैल, 2025 से एजुकेशन पोर्टल 3.0 तैयार किया है। इस पोर्टल में विभाग से जुड़ी मानव संसाधन की व्यापक जानकारी का समावेश किया गया है। इस पोर्टल से विभाग के कर्मचारियों का डाटाबेस तैयार किया गया है। पोर्टल में मानव संसाधन से संबंधित जानकारी को कर्मचारी और विकासखण्ड स्तर पर वेरीफाई किया गया है। इसमें विभाग के करीब 2 लाख 75 हजार कर्मचारियों की समस्त जानकारी पारदर्शी रूप से पोर्टल पर प्रदर्शित की गयी है। विभाग के पौने तीन लाख कर्मचारियों के स्थानांतरण के लिये पारदर्शी माध्यम से स्थानांतरण नीति-2022 के आधार पर ऑनलाइन ट्रांसफर मॉड्यूल तैयार किया गया है।

मंदसौर में होगा किसान मेले का आयोजन - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी संभागों में इस वर्ष किसान मेले आयोजित होंगे। इसमें किसानों को कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, उद्यानिकी और पशुपालन से संबंधित विभिन्न कार्य पद्धतियों और नए अनुसंधान की जानकारी दी जाएगी। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से संबंधित मार्गदर्शन दिया जाएगा। कृषि कार्यों से जुड़े आधुनिक उपकरणों को प्रदर्शित भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 3 मई को मंदसौर जिले में किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है। संभाग स्तरीय किसान

मेलों के बाद अक्टूबर में एक वृहद राज्य स्तरीय किसान मेला भी आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में एक वर्ष में दस लाख सौर ऊर्जा पम्प प्रदान करने का लक्ष्य है। यह कार्य अभियान के रूप में चलेगा। एक हॉर्स पॉवर से दस हॉर्स पॉवर तक सोलर पम्प स्थापना के लिए किसान को राशि जमा करवाकर निर्धारित अवधि में कनेक्शन दिए जाएंगे। प्रदेश में किसान खुद बिजली बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने मजरों टोलों के निवासी जनजातीय वर्ग के लोगों को इस कार्य में प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषक प्रतिनिधियों के सुझावों पर राज्य सरकार अमल करेगी। बैठक में बड़ी परियोजनाओं के लिए किसानों की भूमि लेने पर बदले में भूमि देने के प्रावधान, किसान को हिस्सेदार और मालिक बनाकर उनका हित सुनिश्चित करने, दूध पर बोनस, कम पानी से सिंचाई से मक्का उत्पादन को प्रोत्साहित करने, गौशालाओं के अंतर्गत आधुनिक तकनीक से संचालन, उच्च शिक्षा में कृषि विषय के अध्ययन और जिलों में पर्याप्त पशु चिकित्सकों की व्यवस्था के संबंध में चर्चा हुई।

मध्यप्रदेश, प्राथमिक साख सहकारी समितियों के कम्प्यूटराइजेशन में देश में प्रथम – श्री अमित शाह

भोपाल, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भोपाल के रवीन्द्र भवन में राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्यों में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के कंप्यूटराइजेशन का कार्य चल रहा है। इसमें मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। केंद्रीय मंत्री ने मध्यप्रदेश में शत-प्रतिशत उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में साढ़े 5 करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है जो देश के कुल उत्पादन का 9 प्रतिशत है। प्रदेश में सुशासन का दौर चल रहा है, यह सहकारिता को जीवंत करने का स्वर्णिम अवसर है। प्रदेश के किसानों के साथ केन्द्र सरकार चट्टान की तरह खड़ी है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ मिलकर कम से कम 50 प्रतिशत गांवों

तक सहकारिता और डेयरी गतिविधियों का विस्तार करना आवश्यक है। केन्द्र सरकार की ओर से वित्तीय सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के मध्य अनुबंधों का आदान प्रदान हुआ।

दुग्ध उत्पादन में प्रदेश को देश में नंबर वन बनाया जाएगा

मंदसौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंदसौर में आयोजित सोमयज्ञ में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया सनातन संस्कृति को बेहतर तरीके से समझ रही है। उन्होंने कहा कि हर ब्लॉक में एक वृंदावन गांव बनाया जाएगा और दुग्ध उत्पादन में प्रदेश को देश में नंबर वन बनाया जाएगा। आज हम सब सोमयज्ञ का हिस्सा बने हैं, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस यज्ञ का विशेष महत्व है। पूरी दुनिया सनातन संस्कृति को समझ रही है। सनातन संस्कृति की अपनी अलग विशेषता रही है। दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में वर्तमान में 9 प्रतिशत दूध उत्पादन होता है जिसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया जाएगा। दूध उत्पादन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश में प्रथम स्थान पर लाया जाएगा।

12 अप्रैल

एम्स भुवनेश्वर में केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला का उद्घाटन

● केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने एम्स भुवनेश्वर में केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर मल्टीयूटिलिटी (गैस्ट्रोनॉमी) ब्लॉक की आधारशिला भी रखी। अत्याधुनिक केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सुविधा एक परिवर्तनकारी पहल है, जिसका मकसद अत्याधुनिक चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाना और नवाचार को बढ़ावा देना है। यह सुविधा डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और विद्वानों को प्रभावशाली स्वास्थ्य सेवाएं विकसित करने और एम्स भुवनेश्वर को देश के प्रमुख चिकित्सा अनुसंधान केंद्रों की श्रेणी में लाने के लिए तैयार है। मल्टीयूटिलिटी (गैस्ट्रोनॉमी) ब्लॉक एक आधुनिक बुनियादी ढांचा परियोजना है, जिसे छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और आम जनता की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटल परिवर्तन में योगदान देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने एम्स भुवनेश्वर की संशोधित वेबसाइट को भी लॉन्च किया।

● अमेरिकी सरकार दुनियाभर में अपने राजनयिक मिशनों में बड़ी कटौती की योजना बना रही है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, 10 अमेरिकी दूतावास और 17 वाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट) बंद करने की तैयारी है। इसके साथ ही, कई विदेशी मिशनों में कार्यरत कर्मचारियों की भी छंटनी की जाएगी। ऐसा करके मंत्रालय अपने खर्च में कटौती करना चाहता है। इसके तहत अफ्रीका में छह दूतावास, इरिट्रिया, गाम्बिया, लेसोथो, कांगो गणराज्य और दक्षिण सूडान बंद होंगे। इसी के साथ यूरोप में लक्जमबर्ग और माल्टा के दूतावास बंद होंगे। ग्रेनेडा और मालदीव के मिशन बंद करने का भी प्रस्ताव है। वाणिज्य दूतावासों में सबसे ज्यादा कटौती यूरोप में होगी, जहां फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली और पुर्तगाल में कई कॉन्सुलेट बंद होंगे। दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया में भी अमेरिकी कॉन्सुलेट की संख्या घटाई जाएगी।

13 अप्रैल

ईयू की सात 'सुरक्षित' देशों की सूची में भारत भी शामिल

● यूरोपीय संघ (ईयू) ने भारत और बांग्लादेश समेत सात देशों को 'सुरक्षित

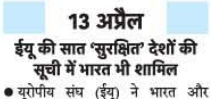

देश' घोषित किया है। अब इन देशों के शरणार्थियों की याचिकाओं का तेजी से निपटारा हो सकेगा। इससे उनकी जल्दी वापसी (डिपोर्टेशन) सुनिश्चित की जा सकेगी। ईयू द्वारा घोषित सुरक्षित देशों के नागरिकों को आम तौर पर अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता नहीं मानी जाती। यूरोपीय संसद की स्वीकृति के बाद यह प्रस्ताव लागू होगा।

● फोम, लेटेक्स से बने बच्चों के गद्दों और बिस्तरों से कई जहरीले केमिकल निकलते हैं। यह केमिकल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को नुकसान पहुंचा सकते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि शोध के दौरान कमरों की हवा में खतरनाक केमिकल की मौजूदगी मिली, जो बिस्तरों के पास ज्यादा थी। विशेषज्ञों ने कहा कि कॉटन के मैट्रेस बेहतर हो सकते हैं। इनमें यूवी फिल्टर कम होते हैं। साथ ही, कमरे की हवा को ताजगी देने के लिए एयर वेंटिलेशन जरूरी है।

14 अप्रैल

आरबीआई ने लगाई गोल्ड ईटीएफ, फंड के बदले लोन देने पर पाबंदी

● भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गोल्ड ईटीएफ या गोल्ड म्यूचुअल फंड गिरवी

रखकर लोन देने पर पाबंदी लगाने जा रहा है। गोल्ड लोन से जुड़े अन्य नियम भी सख्त किए जा रहे हैं। आरबीआई ने इनसे जुड़े निर्देशों का एक मसौदा जारी किया है। इसके मुताबिक, लोन देने के लिए गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स) या गोल्ड म्यूचुअल फंड की यूनिट गिरवी रखने पर पाबंदी होगी। दरअसल, सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बीच गोल्ड से जुड़ी एसेट्स गिरवी रखकर लोन लेने का चलन बढ़ रहा है। इसके चलते इस सेगमेंट में गैर-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (एनबीएफसी), कोऑपरेटिव बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के लिए खतरा बढ़ गया है। इसका कारण ये है कि सोने के दाम घटने पर गिरवी रखी संपत्ति की वैल्यू लोन राशि से भी कम हो सकती है। ऐसी आशंकाओं के चलते रिजर्व बैंक नियमों को सख्त कर रहा है।

15 अप्रैल

एसपीए में पीएच.डी. की आवेदन प्रक्रिया हुई शुरू

● योजना तथा वास्तुकला विद्यालय (एसपीए) ने सत्र 2025 के लिए पीएच.

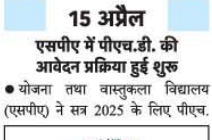

डी. एडमिशन का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस बार आर्किटेक्चर, अर्बन एंड रीजनल प्लानिंग, एनवायर्नमेंटल प्लानिंग, अर्बन डिजाइन, ट्रांसपोर्ट प्लानिंग, बिल्डिंग इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, लैंडस्केप, कंजर्वेशन और डिजाइन डिपार्टमेंट में पीएच.डी. के आवेदन किया जा सकेंगे। एसपीए ने पीएचडी के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आवेदन की अंतिम तारीख 30 अप्रैल है। पीएच.डी. प्रोग्राम में एडमिशन एंट्रेंस एग्जाम के आधार पर होंगे। इसके साथ ही इंटरव्यू भी आयोजित किया जाएगा। मेरिट के आधार पर लिस्ट तैयार होगी और एडमिशन होंगे। एसपीए में फुल टाइम और पार्ट टाइम पीएच.डी. दोनों के विकल्प हैं।

● अमेरिका के साथ बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच चीन ने सात कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मैटेरियल) और चुम्बकों के निर्यात पर रोक लगा दी है। कीमती धातुओं में समेरियम, गैडोलीनियम, टरबियम, डिसप्रोसियम, ल्यूटेटियम, स्कैंडियम और इट्रियम शामिल हैं। इसके साथ ही चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी चुंबकों की शिपमेंट पर भी रोक लगा दी है। ये सामग्रियां ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, और एयरोस्पेस उद्योगों के लिए बेहद अहम हैं। चीन के इस फैसले से दुनियाभर में मोटरवाहन, एयरक्राफ्ट, सेमीकंडक्टर और हथियार बनाने वाली कंपनियों पर असर पड़ेगा।

16 अप्रैल

सीपेट में मई तक होंगे आवेदन

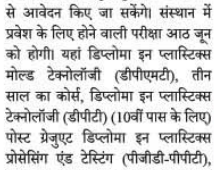

● केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सीपेट) में प्रवेश के लिए

प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए सीपेट में डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। इसके आवेदन 29 मई तक होंगे। प्रवेश के लिए आयोजित होने वाले सीपेट एडमिशन टेस्ट (सीएटी) के लिए आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। सीपेट की आधिकारिक वेबसाइट www.cipet.gov.in के माध्यम से आवेदन किए जा सकेंगे। संस्थान में प्रवेश के लिए होने वाली परीक्षा आठ जून को होगी। यहां डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डीपीएमटी), तीन साल का कोर्स, डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डीपीटी) (10वीं पास के लिए) पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पीजीडी-पीपीटी), दो साल का कोर्स (विज्ञान स्नातकों के लिए) पोस्ट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड डिजाइन विथ कैड/कैम, 1.5 साल का कोर्स (इंजीनियरिंग डिप्लोमा धारकों के लिए) किए जा सकते हैं। सीपेट प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होती है, जिसमें गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषयों से सवाल पूछे जाते हैं।

● अमेरिका में डॉक्टर लिवर से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए प्रयोग कर रहे हैं। इसके लिए वे इस पर शोध करेंगे कि जीन में बदलाव किए गए सूअर के लिवर से उन लोगों का इलाज किया जा सकता है क्या, जिनके लिवर ने अचानक काम करना बंद कर दिया हो। अंग ट्रांसप्लांट में अनुसंधान कर रही कंपनी 'ईजेनेसिस' के अनुसार, पहले क्लीनिकल ट्रायल खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मंजूरी दे दी है। ईजेनेसिस साझेदार कंपनी 'ऑर्गनऑक्स' के साथ इस पर काम कर रही है। ईजेनेसिस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी माइक कर्टिस ने कहा कि चार शर्तों के साथ किए गए प्रयोगों में यह पता चला कि सूअर का लिवर दो या तीन दिनों तक मानव लिवर के कुछ कामकाज में मदद कर सकता है।

17 अप्रैल

लेजर हथियार प्रणाली से ड्रोन-मिसाइल मार गिराने वाला चौथा देश बना भारत

● भारत ने हाई-पावर लेजर हथियार से फिक्स्ड-विंग, मिसाइल और स्वार्म ड्रोन को गिराने की क्षमता का प्रदर्शन किया। यह क्रांतिकारी तकनीक है, जिसमें 30 किलोवॉट के एमके-II (ए) हथियार को आर्मी ट्रक पर लगाकर उड़ते ड्रोन पर लेजर बीम के जरिए निशाना लगाया गया। चंद सेकंड में लेजर बीम ने ड्रोन के सर्विलांस सेंसर और एंटिना को नष्ट कर गिरा दिया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) चेयरमैन श्री समीर वी. कामत ने बताया कि ड्रोन युद्ध में यह अत्याधुनिक सिस्टम हमारे सशस्त्र बलों के लिए क्रांतिकारी साबित होगा। यह एमके-11(ए) का जमीन से हवा में निशाना लगाने वाला संस्करण है। अभी अमेरिका, रूस, चीन के पास ही ऐसी लेजर डायरेक्टेड एनर्जी वेपन प्रणाली है। इजरायल इसे विकसित कर रहा है। इस प्रणाली वाले हम चौथे देश हैं।

● चांद का एक हिस्सा उसके सामने वाले हिस्से से एकदम अलग है। यह जानकारी कई एक शोध में सामने आई। एक हिस्से में बहुत ज्यादा गड्ढे हैं और मैदानी इलाका कम है। वैज्ञानिकों ने दोनों सतहों के बीच बहुत अंतर होने की जानकारी दी है। प्राप्त नमूनों की जांच के बाद शोधकर्ताओं का कहना है कि चांद की दूर वाली सतह धरती के नजदीक दिखने वाले हिस्से की तुलना में बहुत अधिक सूखी है। नेचर पत्रिका प्रकाशित रिसर्च में यह जानकारी दी गई है। चीन चंद्रमा के दूसरे हिस्से से नमूने लेने वाला पहला देश है। चीनी अंतरिक्ष यान चांग ई-6 ने चांद के दक्षिणी ध्रुव से लगभग दो किलो मिट्टी निकाली थी। वर्ष 1990 तक चंद्रमा को बेहद शुष्क माना जाता था। इसके बाद भारत सहित कई देशों के अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि चांद की सतह के ज्यादातर हिस्से पर बर्फ है। चीनी शोधकर्ताओं को दूसरे हिस्से से मिले नमूनों में लावा के कड़े टुकड़े मिले हैं। कुछ चट्टानें 2.8 अरब वर्ष पुरानी बताई गई हैं।

18 अप्रैल

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती सिमरी गांव में पहली बार बिजली पहुंची

● जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के दुर्गम कर्नाह घाटी के सिमरी गांव के सभी 53 घरों में पहली बार बिजली पहुंची है। पाकिस्तान की सीमा से लगे और देश के चुनावी प्रक्रिया में पोलिंग बूथ क्रमांक एक वाले इस गांव में 347 लोग रहते हैं। शहीद कर्नल संतोष महादिक के नाम पर सेना और असीम फाउंडेशन ने यहां सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट पूरा किया। इसके लिए सोलर माइक्रो ग्रिड बनाए गए हैं। इसके साथ ही गांव को चार हिस्सों में बांटकर हाई एफिशिएंसी सोलर पैनल, इन्वर्टर और बैटरी बैंक लगाए गए हैं।

● भीषण गर्मी की मार झेल रही गरीब कामकाजी महिलाओं को हीट वेव इंश्योरेंस (तापमान बीमा) योजना से अब बड़े स्तर पर मदद मिलेगी। 'क्लाइमेट रेजिलिएंस फॉर ऑल (सीआरए)' और 'सेल्फ-एम्प्लॉइड विमेन एसोसिएशन' (सेवा) ने मिलकर यह योजना शुरू की है। यह बीमा वर्ष 2025 में राजस्थान, गुजरात, उत्तरप्रदेश, असम, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और बिहार की 2.5 लाख महिलाओं को मिलेगा। सीआरए के वुमंस क्लाइमेट शॉक इंश्योरेंस एंड लाइवलीहुड इनिशिएटिव के तहत यह मदद दी जाएगी। जो महिलाएं सेल्फ एम्प्लॉइड वुमंस एसोसिएशन (सेवा) की सदस्य हैं और जो अत्यधिक गर्मी में किए जाने वाले काम जैसे सड़क पर सब्जी-फल बेचना, खेती या मजदूरी करती हैं, उन्हें इसका लाभ मिलेगा। इसके लिए महिलाओं का बैंक खाता होना जरूरी है। जिलों का मौसम अलग-अलग होने के कारण भुगतान राशि भी अलग-अलग होगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला
साप्ताहिक समाचार पत्र

प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें
0755-2760006

प्रमुख आकर्षण
- कॅरियर की खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 17 21.04.2025 से 27.04.2025

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

प्रदेश के किसानों की समृद्धि में सहायक बनेगा कृषक कल्याण मिशन

मध्यप्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों को खुशहाल और समृद्ध बनाने के लिये निरंतर समग्र प्रयास के साथ आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार, प्रदेश की समृद्धि के लिये किसानों को समृद्ध करने के लिए निरन्तर प्रयासरत है, क्योंकि जब किसान समृद्ध होगा, तभी गांव समृद्ध होगा और गांव समृद्ध होगा, तो प्रदेश समृद्ध होगा। प्रदेश की समृद्धि में ही देश की समृद्धि निहित है। प्रदेश में किसान पुत्रों को किसानी के साथ उद्योगपति बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए उन्हें सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों को उपज की ग्रेडिंग, सार्टिंग और मॉर्केटिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। ताकि किसान अपनी कृषि उपज से संबंधित उद्योग लगायें तथा अन्य उत्पाद तैयार कर और अधिक दाम प्राप्त कर सकें। किसानों को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन की शुरुआत करने जा रही है। इसके लिये रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में मिशन को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह मिशन किसानों और उनके परिवार के सदस्यों को सशक्त बनाएगा। इससे पहले राज्य सरकार युवा, नारी शक्ति और गरीब कल्याण मिशन आरंभ कर चुकी है। मिशन की साधारण सभा के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। मिशन क्रियान्वयन की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव रहेंगे। मिशन के क्रियान्वयन जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में किया जायेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकास के लिए गरीब, युवा, नारी और किसानों के कल्याण पर जोर दिया है। विकास के इसी मंत्र के आधार पर प्रदेश के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश में इन वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन में किसानों के कल्याण के लिए किए जाने वाले सभी कार्यों को एक प्लेटफॉर्म दिया जाएगा। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना है। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना है। इसमें धारणीय कृषि पद्धतियों को अपनाकर जैव विविधता और परंपरागत कृषि ज्ञान संरक्षण का कार्य किया जाएगा। पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इससे किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। किसान कल्याण तथा कृषि विकास, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता और खाद्य नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभाग कृषक कल्याण मिशन में अहम भूमिका सुनिश्चित करेंगे। इस मिशन के अपेक्षित परिणाम पर बात करें तो मिशन में दीर्घकालिक लक्ष्य रखे गये हैं। इसमें उद्यानिकी फसलों का सकल मूल्य कृषि आधारित फसलों से अधिक किया जाना, उद्यानिकी फसलों का क्षेत्रफल राष्ट्रीय औसत के बराबर लाना, कृषि यंत्रीकरण को डेढ़ गुना करना, कृषि क्षेत्र में पूंजी निवेश को 75 प्रतिशत बढ़ाना, प्रदेश को नरवाई जलाने से मुक्त करना, जैविक, प्राकृतिक, जीएपी कृषि के अंतर्गत संपूर्ण बोये गये क्षेत्र का 10 प्रतिशत हिस्सा पहुंचाना, सूक्ष्म सिंचाई को 20 प्रतिशत क्षेत्रफल तक पहुंचाना, फसल बीमा का कवरेज 50 प्रतिशत तक करना है।

मिशन में संकर तथा उन्नत बीजों का विस्तार आधे क्षेत्रफल तक करना, प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाना तथा सौर ऊर्जा पम्प अनुदान पर उपलब्ध कराना, किसानों द्वारा अतिरिक्त बिजली को विद्युत वितरण कंपनी को देने पर राशि का भुगतान किया जाना, समस्त अस्थाई कनेक्शनधारी किसानों को सौर ऊर्जा पंप सेट उपलब्ध कराये जाना, नये प्रसंस्करण क्षेत्रों की स्थापना करना, विपणन नेटवर्क का विस्तार, प्रदेश से बाहर की मंडियों तक पहुंच बढ़ाना तथा किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से 100 मंडियों का आधुनिकीकरण किये जाने के साथ मत्स्य बीज के मामले में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना सहित अन्य विषय शामिल किये गये हैं।

पृथ्वी पर जीवन के विकास में प्लेट टेक्टोनिक्स का है बड़ा महत्व

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों ने पृथ्वी से जुड़ा हाल ही में एक नया शोध कार्य पूरा किया। प्रकाशित शोध के अनुसार पृथ्वी से जुड़े एक प्राचीन रहस्य की परतों को खोलने का प्रयास किया गया है, जिससे पृथ्वी के 4.5 अरब साल पुराने इतिहास से जुड़ी जानकारी सामने आई है। इस खोज ने पृथ्वी के प्रारंभिक इतिहास के बारे में हमारी समझ को बदल दिया है। अब, वैज्ञानिकों को पृथ्वी की प्रारंभिक सतह की भूगतिकी का अध्ययन करना होगा ताकि यह पता चल सके कि यह कब स्थिर हुई इसके अलावा, पृथ्वी के विकास और जीवन के विकास पर इसके प्रभावों का भी पुनर्मूल्यांकन करना होगा। पृथ्वी की प्रारंभिक अवस्था में वैज्ञानिकों के बीच एक बड़ा सवाल था कि क्या इस ग्रह पर प्लेट टेक्टोनिक्स थी या नहीं, कुछ का मानना है कि उस समय पृथ्वी की सतह स्थिर थी, जैसे कि मंगल ग्रह की, जबकि अन्य का कहना है कि यह प्रक्रिया रुक-रुक कर चलती थी। प्लेट टेक्टोनिक्स जो महासागरों और वायुमंडल से गहराई से जुड़ी है, पृथ्वी के आंतरिक भाग से गर्मी के निकलने और कार्बन के चक्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी कारण इसे पृथ्वी पर जीवन के विकास के लिए भी आवश्यक माना जाता है। टेक्टोनिक प्लेटों की गति से ज्वालामुखी गतिविधि होती है और द्वीप चापों पर जैसे कि 'रिंग ऑफ फायर', इस ज्वालामुखी का एक विशेष रासायनिक फिंगरप्रिंट होता है। वैज्ञानिक लंबे समय से यह मानते रहे हैं कि इस फिंगरप्रिंट की उपस्थिति से प्लेट टेक्टोनिक्स की शुरुआत का पता लगाया जा सकता है। लेकिन प्राचीन चट्टानों की कमी और प्लेट टेक्टोनिक्स की जटिल प्रक्रियाओं ने इस कार्य को कठिन बना दिया है। वर्ष 2024 की शुरुआत में वैज्ञानिकों की एक टीम ने नया दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने गणितीय मॉडल का उपयोग करके पृथ्वी के प्रारंभिक मेंटल के पिघलने की डिग्री और रासायनिक तत्वों के व्यवहार का अध्ययन किया और उनके निष्कर्षों के आधार पर कार्य को आगे बढ़ाया।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

विश्व अर्थ दिवस

वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पहचानने का समय

हम अक्सर दो शब्द काफी सुनते-पढ़ते हैं- ग्लोबल वॉर्मिंग और सस्टेनेबिलिटी। इनका तात्पर्य होता है भू-मंडलीय ऊष्मीकरण एवं अस्तित्व बनाये रखना या सतत विकासा खासतौर से जब भी ग्रीष्मकाल आता है, ये शब्द हमारे कानों में पड़ने लगते हैं। टीवी, अखबार देखो तो लगता है कि दुनिया सूर्य की प्रचंड गर्मी से झुलसने वाली है, चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है। कई बार तो ऐसा लगता है जैसे अचानक कोई ऐसा विशालकाय ज्वालामुखी फटेगा और उसमें से ऐसा लावा निकलेगा, जो पूरी दुनिया को राख कर देगा। हो सकता है, वैसा न हो और यह भी हो सकता है कि किसी दिन सचमुच ऐसा भी हो जाये। यह कोई डराने वाली बात नहीं है, बल्कि सचेत करने वाली है कि इससे पहले कि प्रलय से धरती डूबे और उसका अस्तित्व समाप्त हो या समूची धरती दावानल बनकर भस्म हो जाये, हमें वास्तविक रूप में इस पुण्य-पावन धरती को बचाने, उसे प्राकृतिक ताप से न्यूनतम प्रभावित रखने के लिये युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे अभी से। इसी क्षण से। या यूं कहें कि जितनी हमारी सांसें हैं, उतने ही प्रयास हम अपनी धरती को बचाने के लिये करें तो मां शब्द से सुशोभित यह धरती हमारे अस्तित्व को भी बचा ले।

हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस विषय पर चिंता व्यक्त की और उसके समाधान की तरफ संकेत भी किया। 9 अप्रैल को दिल्ली में नवकार महामंत्र दिवस के समारोह में वे शामिल हुए तो उन्होंने सगर्व कहा कि जैनवाद में सस्टेनेबल लाइफ स्टाइल का उपयोग लंबे समय से किया जा रहा है, जो ग्लोबल वॉर्मिंग से बचाने में सहायक है। जैन समुदाय में आज भी ज्यादातर लोग रात्रि पूर्व भोजन कर लेते हैं। जीव दया उनकी प्राथमिकता में रहता है। जैन-मुनि-साध्वी, संत सादा जीवन, उच्च विचार के पर्याय हैं। वे पैदल यात्रा करते हैं। काष्ठ पात्र में जल-भोजन ग्रहण करते हैं। निरामिष भोजन करते हैं। यात्रा के लिये वाहनों का उपयोग नहीं करते हैं।

मोदी जी के कहने का सीधा-सा आशय यह था कि भले ही आम जैन व्यक्ति सौ प्रतिशत वैसा जीवन न जीता हो, उसकी अपनी व्यावहारिक दिक्कत हो, लेकिन उनका बड़ा वर्ग उन आदर्शों को, दिनचर्या को अपनाता है। यही है सस्टेनेबल लाइफ स्टाइल। यदि देश, दुनिया के लोग धीरे-धीरे ही सही, इस तरह के जीवन को अंगीकार कर सकते हैं तो हम ग्लोबल वॉर्मिंग से निपट सकते हैं। इसके खतरे को कम कर सकते हैं। मनुष्य ही नहीं प्राणीमात्र को पृथ्वी पर युगों तक अक्षुण्ण रख सकते हैं।

यह समस्या कोई अचानक मुंह बायें आकर खड़ी नहीं हो गई। इस पर सबसे पहले चिंता प्रकट की गई विस्कॉसिन (अमेरिकी) के सीनेटर गेलार्ड नेल्सन ने। उन्होंने 1969 में सुझाव दिया था कि पृथ्वी को बचाने के लिये वैश्विक स्तर पर प्रयास प्रारंभ करने चाहिये। उनके सुझाव को मानते हुए 1970 से विश्व पृथ्वी दिवस मनाने की शुरुआत हुई। तब के माने हुए विज्ञापन मुद्रण लेखक जुलियन केनिग ने इसे वर्ल्ड अर्थ डे नाम दिया तो तय हुआ कि उनके जन्म दिन 22 अप्रैल को विश्वभर में इसे मनाया जाये। तब से ही इस दिशा में दुनिया ने सोचना शुरू किया। प्रमुख चिंता यह भी कि पृथ्वी के तापमान को कम कैसे किया जाये या बढ़ने से कैसे रोका जाये। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसे रातोरात नहीं किया जा सकता। न ही किसी एक व्यक्ति या एक राष्ट्र के करने से कुछ होगा। समग्र दुनिया को एकसाथ अपनी-अपनी जगह पर वे तमाम उपाय करने होंगे, जिससे ग्लोबल वॉर्मिंग रुके।

इतना तो हम जानते ही हैं कि विश्व के तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। इसका मुख्य कारण है ग्रीन हाउस गैसों का तीव्रता से उत्सर्जन, जिसके कारण सूर्य की गर्मी पृथ्वी के वातावरण में फंस जाती है और धरती उबलने लगती है। याने सूर्य की गर्मी को रोकना है या कम करना है तो ग्रीन हाउस गैसों को नियंत्रित करना ही होगा। ग्रीन हाउस गैस यानी कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइडा ये गैस बनती हैं जीवाश्म ईंधन के प्रयोग से, औद्योगिक गतिविधियों से, वाहनों के अत्यधिक प्रयोग से, बिजली की तीव्र खपत से। बिजली से चलने वाले जितने उपकरण हैं, वे ग्रीन गैस के जनक हैं। आप समझ सकते हैं कि फ्रिज, माइक्रोवेव, एअर कंडीशनर, इस्तरी, पंखे आदि इन्हीं श्रेणियों में हैं।

हमें लग सकता है कि इन संसाधनों के बिना तो जीवन ही नहीं है। यह तात्कालिक रूप से तो सही ठहराया जा सकता है, लेकिन यह अंतिम सत्य नहीं हो सकता मतलब यह भी नहीं कि हम आदिम युग की भांति जीवन यापन करें। यहां प्रमुख मुद्दा यह है कि हम पूरी तरह से कृत्रिम जीवन पर निर्भर हो जायें या अधिकतम प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करते हुए जीवन को आनंद के साथ व्यतीत करें और पृथ्वी का जीवन लंबा करें। भौतिक जीवन की चाह एक सीमा तक उचित तो मानी जा सकती है, लेकिन जब पृथ्वी से मानव जीवन ही समाप्त हो जायेगा, तब इन भौतिक संसाधनों का क्या मतलब रह जायेगा। बस, तब यह जरूर होगा कि आप कुछ भी जानने के लिये नहीं बचेंगे। सौर ऊर्जा और बैटरी चलित वाहनों का बढ़ता उपयोग थोड़ी आशा पैदा कर रहा है, लेकिन अन्य कारगर उपायों पर भी विशद अध्ययन करना होगा।

अनेक ऐसे अध्ययन सामने आये हैं कि पृथ्वी का औसत तापमान जब 60 डिग्री को पार करेगा, तब मानव जीवन बचाना असंभव-सा हो जायेगा। पृथ्वी के तापमान बढ़ने से केवल मनुष्य या प्राणी जगत में ही हाहाकार नहीं मचेगा, बल्कि ग्लेशियर्स पिघलना तो प्रारंभ हो ही चुके हैं। इससे समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, जो प्रलय की चेतावनी समान है। याने आप एक हाथ से ताली बजायेंगे तो प्रकृति दूसरे हाथ से तमाचे जड़ेगी, हिसाब बराबर। इस ग्लोबल वॉर्मिंग को रोकने का सबसे प्रभावी और तात्कालिक उपाय तो यह है कि हम अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगायें। इससे एकतरफा गर्मी कम नहीं होगी, लेकिन उसका ताप नियंत्रित अवश्य हो सकेगा। ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कम से कम 7 तथा आदर्श रूप से 27 पौधे अवश्य लगाने चाहिये। चूंकि इस समय समूची दुनिया में हम प्रतिवर्ष 15 अरब पेड़ काट रहे हैं तो उसका संतुलन बनाये रखने के लिये न्यूनतम प्रयास तो करने ही होंगे। ऐसा कहा जाता है कि पृथ्वी के एक-तिहाई हिस्से पर यदि पेड़-पौधे हैं तो वह धरती का तापमान औसत रखने में सहायक हो सकता है।

हम भारत की बात करें तो आंकड़ों में हमारे क्षेत्रफल की तुलना में 25.17 प्रतिशत पेड़ हैं। हमारा वन एवं वृक्ष आवरण 8 लाख 27 हजार 357 वर्ग किलोमीटर है। भारत में प्रति व्यक्ति 28 पेड़ हैं, जो वैश्विक स्तर से मीलों पीछे हैं। अमेरिका में यह औसत प्रति व्यक्ति 716, कनाडा में 8953, चीन में 102 पेड़ हैं। मोदी जी ने नवकार महामंत्र दिवस पर सस्टेनेबेल लाइफ स्टाइल की व्याख्या कुछ इस तरह से की थी-सतत विकास याने वर्तमान जरूरतों को पूरा करना और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता बनाये रखना। पृथ्वी को गर्म करने में प्लास्टिक के उपयोग का भी बड़ा योगदान है। हालांकि विश्व स्तर पर इससे बचने के प्रयास शुरू हुए हैं, लेकिन वे सागर में बूंद समान ही हैं। इसके लिये फोर आर का फॉर्मूला भी दिया गया है- रिफ्यूज, रिड्यूस, रियूज और रिसाइकिल। अनेक देशों में इस पर काफी काम हो रहा है। भारत में इंदौर नगर निगम ने इस दिशा में सबसे पहले पहल की, जिसे देश और दुनिया में सराहा गया। अब तो देशभर के नगरीय निकाय इस फोर आर को समझने आते हैं और लौटकर इसे अपने शहर में अपना रहे हैं। इंदौर ही ऐसा शहर भी है, जो लगातार सात वर्ष से स्वच्छता में पहला स्थान पा रहा है और आठवीं बार भी इसे पाने के नजदीक है। वह छह तरीके के कचरे को अलग करता है, फिर उसे खाद सहित अन्य उपयोग में ले रहा है, जिसमें से प्लास्टिक वेस्ट से सफलतापूर्वक सड़क निर्माण भी कर चुका है। एक शोध के मुताबिक प्लास्टिक सामान्यत: 450 वर्ष में नष्ट हो पाता है याने तब तक वह पृथ्वी की उर्वरकता को तो प्रभावित करता ही है ग्लोबल वॉर्मिंग को बढ़ाने में भी योगदान देता है।

कहने का तात्पर्य यह कि यदि मनुष्य ठान ले तो असंभव कुछ नहीं है। पूरी दुनिया एक और जबरदस्त गलतफहमी की शिकार है। उसे पृथ्वी के चारों तरफ पानी नजर आता है, लेकिन वे नहीं जानते कि पृथ्वी पर उपलब्ध केवल एक प्रतिशत पानी ही पीने योग्य है। याने खारा पानी किसी काम का नहीं। धरती पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिससे खारा पानी बढ़ रहा है।

ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में भारत में भी अनेक महानुभाव भरपूर योगदान दे रहे हैं। आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर चेतनसिंह सोलंकी के प्रयास अनुकरणीय हैं। वे देशभर में भ्रमण कर इस बारे में चेतना जगा रहे हैं। उनके घर पर फ्रिज, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव, इस्तरी, एअर कंडीशनर आदि नहीं हैं। वे घर में रात के समय कम रोशनी का उपयोग करने की सलाह भी देते हैं। निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन के साधन अपनाना भी कॉर्बन उत्सर्जन रोकने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। भविष्य के इस भयानक खतरे को भापते हुए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चिंतायें, चर्चायें हो रही हैं। इसके समाधान खोजे जा रहे हैं। इन सबका सार एक ही है कि जीवन पद्धति सुधारें, प्रकृति से नजदीकी बढ़ायें। भौतिक साधनों से परहेज करें और विश्व कल्याण की भावना वाला आचरण रखें।

- रमण रावल

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।)

भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

स्कोप कॉम्पलेक्स, कोर-8, छठा तल, 7 लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, सार्वजनिक क्षेत्र का मिनीरत्न उपक्रम है, जो भारत को एक पर्यटन गंतव्य अवसंरचना विकास–कार्य और संबर्धन में सहायता करने में कार्यरत है। भारत पर्यटन विकास निगम के मुख्य कार्यकलापों में होटलों का प्रबंधन एवं प्रचालन, परिवहन सुविधाएं, मनोरंजन, समारोह प्रबंधन एवं शुल्क मुक्त खरीदारी सुविधाएं शामिल है। इसके अलावा आईटीडीसी पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण और शिक्षा भी प्रदान करता है :–

आईटीडीसी सीधी भर्ती के आधार पर निम्नलिखित नियमित पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है :–

पद कोड	पदनाम और ग्रेड	वेतनमान (आईडीए)	01.04.2025 को अधिकतम आयु सीमा	रिक्तियों की संख्या
डीजीएम (एटीटी) / 01 / 25	उप प्रधान प्रबंधक (अशोक ट्रैवल एंड टुअर्स), ई–4	70,000– 2,00,000 / – रुपए	45 वर्ष	02 (01–यूआर और 01–एससी)
प्रबंधक (एफएंडए) / 02 / 25	प्रबंधक (एफएंडए), ई–2	50,000– 1,60,000 / – रुपए	35 वर्ष	01 (01–यूआर)
एएम (एचओ) / 03 / 25	सहायक प्रबंधक (होटल प्रचालन), ई–1	40,000– 1,40,000रु– रुपए	30 वर्ष	05 (02–ओबीसी, 02–एससी और 01–एसटी)
शेफ / 04 / 25	शेफ, ई–1	40,000– 1,40,000 / – रुपए	30 वर्ष	04 (02–ओबीसी, 01–एसटी और 01–यूआर)
एएम (एआईटीडी) / 05 / 25	सहायक प्रबंधक (एआईटीडी), ई–1	40,000– 1,40,000 / – रुपए	30 वर्ष	02 (02–यूआर)
[illegible] (समारोह) / 06 / 25	सहायक प्रबंधक (समारोह), ई–1	40,000– 1,40,000 / – रुपए	30 वर्ष	03 (02–ओबीसी और 01–एसटी)
एएम (एमएमएंडडी) / 07 / 25	सहायक प्रबंधक (एमएमएंडडी), ई–1	40,000– 1,40,000 / – रुपए	30 वर्ष	02 (01–अनारक्षित एवं 01–ओबीसी)
एएम (एचआर) / 08 / 25	सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन), ई–1	40,000– 1,40,000 / – रुपए	30 वर्ष	03 (01–अनारक्षित, 01–ओबीसी और 01–एससी)
एएम (एटीटी) / 09 / 25	सहायक प्रबंधक (अशोक ट्रैवल एंड टुअर्स), ई–1	40,000– 1,40,000 / – रुपए	30 वर्ष	01 (01–ओबीसी)
एएम (विधि) / 10 / 25	सहायक प्रबंधक (विधि), ई–1	40,000– 1,40,000 / – रुपए	30 वर्ष	01 (01–यूआर)
एसीएस / 11 / 2025	सहायक कंपनी सचिव, ई–1	40,000– 1,40,000 / – रुपए	30 वर्ष	02 (02–यूआर)

*एससी / एसटी / ओबीसी / दिव्यांग / भूतपूर्व सैनिकों के लिए आयु में छूट भारत सरकार के निर्देशानुसार होगी।

यूआर – अनारक्षित, ओबीसी – अन्य पिछड़ा वर्ग, एससी – अनुसूचित जाति, एसटी– अनुसूचित जनजाति, पीडब्ल्यूडी – दिव्यांग व्यक्ति

पात्रता मानदंडः नीचे दिए गए पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं।

डीजीएम (एटीटी) / 01 / 25	**पात्रता मापदंड** (क) सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से न्यूनतम 55% अंकों के साथ किसी भी विषय में स्नातक। **या** (ख) भारत में किसी सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से न्यूनतम 55% अंकों के साथ पर्यटन / यात्रा में 02 वर्षीय एमबीए या मास्टर्स / पीजी डिप्लोमा के साथ स्नातक। (इस मानदंड के अंर्तगत अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी) । **अनुभव** टुअर्स एवं ट्रैवल्स / पर्यटन क्षेत्र में कार्यकारी क्षमता में न्यूनतम 13 वर्ष का योग्यता–पश्चात कार्य अनुभव। (i) अधिकारी जो सरकारी / सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि में कार्य कर रहे हैं / कर चुके हैं, उनके पास एक स्केल नीचे अर्थात् 60000–180000 / – रुपए आईडीए संशोधित ई–3 स्तर / 67,700–2,08,700 / – रुपए सीडीए नियमित आधार के संशोधन में एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए। **या** (ii) अधिकारी जो निजी क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं / कर चुके हैं या उपर्युक्त (i) के अंतर्गत नहीं आते, उन्हें पिछले एक वर्ष में न्यूनतम 18 लाख रुपए (पीआरपी राशि को छोड़कर) प्रति वर्ष का सीटीसी प्राप्त होना चाहिए। **वांछनीय :** लॉजिस्टिक्स एवं कार्गो में अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को अतिरिक्त वरीयता दी जाएगी।
प्रबंधक (एफएंडए) / 02 / 25	**पात्रता मापदंड** किसी भी सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से 55% अंकों के साथ सीए / आईसीडब्ल्यूए या प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (वित्त में विशेषज्ञता के साथ) / एमबीए (वित्त)। **अनुभव** प्रासंगिक क्षेत्र में न्यूनतम 07 वर्ष का योग्यता–पश्चात अनुभव। (i) जो अधिकारी सरकारी / सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि में काम कर रहे हैं / कर चुके हैं, उनके पास एक स्केल नीचे अर्थात् 40000–140000 / – रुपए, आईडीए या 56,100–1,77,500 / – रुपए संशोधित सीडीए में नियमित आधार पर एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए। **या** (ii) ऐसे कार्यपालक जो निजी क्षेत्र / बैंकिंग / बीमा / वित्तीय क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं / कर चुके हैं, उनके पास एनएसई या बीएसई (समूह क या ख में) में सूचीबद्ध कंपनियों में निर्धारित कुल न्यूनतम 07 वर्ष के योग्यता–पश्चात अनुभव में से कम से कम 02 वर्ष का अनुभव होना चाहिए और उन्हें पिछले एक वर्ष के लिए न्यूनतम 9 लाख रुपए प्रति वर्ष का वार्षिक सीटीसी होना चाहिए। **वांछनीय** 1. कंपनी सचिव 2. अभ्यर्थी को एमएस ऑफिस जैसे कंप्यूटर एप्लीकेशन का कार्यसाधक ज्ञान / जानकारी होनी चाहिए।
एएम (एचओ) / 03 / 25	**पात्रता मापदंड** भारत में किसी सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से न्यूनतम 55% अंकों के साथ आतिथ्य प्रबंधन एवं होटल प्रशासन में पूर्णकालिक डिग्री या न्यूनतम 55% अंकों के साथ भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विदेश से समकक्ष डिग्री। **अनुभव** होटल प्रचालन / आतिथ्य व्यवसाय में न्यूनतम 02 वर्ष का योग्यता–पश्चात अनुभव। वर्तमान / अंतिम आहरित वार्षिक सीटीसी 5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। **वांछनीय :** जिन अभ्यर्थियों ने एनएचटीईटी उत्तीर्ण कर ली है और एनसीएचएमसीटी से मान्यता प्राप्त संस्थान में न्यूनतम 01 वर्ष का शिक्षण अनुभव है, उन्हें अतिरिक्त वरीयता दी जाएगी।
शेफ / 04 / 25	**पात्रता मापदंड** भारत में किसी सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से न्यूनतम 55% अंकों के साथ आतिथ्य प्रबंधन एवं होटल प्रशासन में पूर्णकालिक डिग्री या न्यूनतम 55% अंकों के साथ भारत सरकार द्वारा स्वीकृत विदेश से समकक्ष डिग्री।

	अनुभव प्रासंगिक क्षेत्र में न्यूनतम 02 वर्ष का योग्यता–पश्चात अनुभव। वर्तमान/अंतिम आहरित वार्षिक सीटीसी 5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। व्यापार परीक्षण (ट्रेड टेस्ट) चयन प्रक्रिया का एक अंग होगा। **वांछनीय :** जिन अभ्यर्थियों ने एनएचटीईटी उत्तीर्ण की है और एनसीएचएमसीटी से मान्यता प्राप्त संस्थान में न्यूनतम 01 वर्ष का शिक्षण अनुभव रखते हो, उन्हें अतिरिक्त वरीयता दी जाएगी।
एएम (एआईटीडी)/ 05/25	**पात्रता मापदंड** किसी सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 55% अंकों के साथ बिक्री/विपणन/विदेश व्यापार/खुदरा प्रबंधन/पर्यटन में 02 वर्ष की समकक्ष अवधि का पूर्णकालिक एमबीए या पीजीडीबीए/पीजीडीबीएम/पीजीडीएम। **अनुभव** प्रासंगिक क्षेत्र में न्यूनतम 02 वर्ष का योग्यता–पश्चात अनुभव। वर्तमान/अंतिम आहरित वार्षिक सीटीसी 5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। **वांछनीय :** भारतीय सीमा शुल्क विनियमों और आयात–निर्यात प्रक्रियाओं का अच्छा ज्ञान रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।
एएम(समारोह) /06/25	**पात्रता मापदंड** (क) सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 55% अंकों के साथ होटल प्रबंधन/आतिथ्य प्रबंधन/होटल प्रशासन में पूर्णकालिक डिग्री। **या** (ख) पूर्णकालिक एमबीए या पीजीडीबीए/पीजीडीबीएम/पीजीडीएम समकक्ष अवधि अर्थात समारोह प्रबंधन में न्यूनतम 55% अंकों के साथ 02 वर्ष का अनुभव। **अनुभव** बैंक्विट/होटल प्रचालन/समारोह प्रबंधन/आतिथ्य में न्यूनतम 02 वर्ष का योग्यता–पश्चात अनुभव। वर्तमान/अंतिम आहरित वार्षिक सीटीसी 5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए।
एएम (एमएमएंडडी) /07/25	**पात्रता मापदंड** (क) न्यूनतम 55% अंकों के साथ सामग्री प्रबंधन में पूर्णकालिक एमबीए। **या** (ख) न्यूनतम 55% अंकों के साथ सामग्री प्रबंधन में 02 वर्षीय पीजी डिप्लोमा के साथ स्नातक। उपर्युक्त डिग्री सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से प्राप्त की जानी चाहिए। **अनुभव** प्रासंगिक क्षेत्र में न्यूनतम 02 वर्ष का योग्यता–पश्चात अनुभव। वर्तमान/अंतिम आहरित वार्षिक सीटीसी 5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए।
एएम (एचआर) /08/25	**पात्रता मापदंड** किसी सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 55% अंकों के साथ मानव संसाधन/कार्मिक प्रबंधन/आईआर/श्रम कल्याण में विशेषज्ञता (प्रमुख विषय) के साथ न्यूनतम 02 वर्ष की अवधि का प्रबंधन में पूर्णकालिक एमबीए या पीजी डिग्री/डिप्लोमा। **अनुभव** प्रासंगिक क्षेत्र में न्यूनतम 02 वर्ष का योग्यता–पश्चात अनुभव। वर्तमान/अंतिम आहरित वार्षिक सीटीसी 5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। **वांछनीय :** विधि (लॉ) में स्नातक
एएम (एटीटी) /09/25	**पात्रता मापदंड** (क) भारत में किसी भी सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 55% अंकों के साथ किसी भी विषय में पूर्णकालिक स्नातक और टूर/ट्रैवल/एयर टिकटिंग में न्यूनतम 04 वर्ष का योग्यता–पश्चात कार्य अनुभव। **या** (ख) भारत में किसी सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 55% अंकों के साथ टुअर्स/ट्रैवल/टूरिज्म में 02 वर्षीय एमबीए/मास्टर्स/पीजी डिग्री/पीजी डिप्लोमा के साथ पूर्णकालिक स्नातक तथा टुअर्स/ट्रैवल/एयर टिकटिंग में न्यूनतम दो वर्ष का अनुभव। वर्तमान/अंतिम आहरित वार्षिक सीटीसी 5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। **वांछनीय :** आईएटीए (IATA) की योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों को अतिरिक्त वरीयता दी जाएगी।
एएम (विधि) /10/25	**पात्रता मापदंड** प्रथम श्रेणी विधि स्नातक के साथ बार में 02 वर्ष का अनुभव, जिसमें से 01 वर्ष न्यायालयों में स्वतंत्र रूप से मुकदमों का प्रचालन करने का तथा किसी प्रतिष्ठित फर्म में सिविल, कराधान, कंपनी कानून/श्रम कानून, संपदा मामलों आदि से निपटने का पूर्ण अनुभव या किसी पीएसयू या प्रतिष्ठित निजी संगठन में सहायक विधि अधिकारी के रूप में 02 वर्ष का प्रासंगिक अनुभव। वर्तमान/अंतिम आहरित वार्षिक सीटीसी 5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए।
एसीएस/11/2025	**पात्रता मापदंड** भारतीय कंपनी सचिव संस्थान से संबंधित सदस्य। **अनुभव** किसी सूचीबद्ध संस्था में सचिवीय कार्य का न्यूनतम 02 वर्ष का योग्यता–पश्चात अनुभव। वर्तमान/अंतिम आहरित वार्षिक सीटीसी 5 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। **वांछनीय :** विधि (लॉ) में स्नातक

विस्तृत विज्ञापन हेतु, हमारी वेबसाइट **www.itdc.co.in=>Careers** देखें। शुद्धि–पत्र/परिशिष्ट, यदि कोई होगा, तो केवल आईटीडीसी की वेबसाइट पर ही जारी किया जाएगा। उपर्युक्त विज्ञापन से संबंधित, किसी भी जानकारी के लिए **recruitment@itdc.co.in** को विशेष रूप से संबोधित करें।

नोट : ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30.04.2025 है।

(सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग)
शा. राजकीय प्रौढ़ मूक बधिर प्रशिक्षण संस्थान
दिव्यांग आवासीय विद्यालय संकुल, संस्कृति रायल सिटी, राऊ, इन्दौर

श्रवण बाधितों के लिये DCA (Diploma in Computer Application)

म.प्र. शासन, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, विभाग द्वारा संचालित शासकीय संस्था राजकीय प्रौढ़ मूक बधिर प्रशिक्षण संस्थान, दिव्यांग आवासीय विद्यालय संकुल, राऊ, इन्दौर में श्रवण बाधित (मूक बधिर) के लिए म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त DCA (Diploma in Computer Application) का पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। प्रवेश के लिए आवेदन पत्र **दिनांक 30 अगस्त 2025 तक** आमंत्रित किये जाते हैं। संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अर्हतांएं निम्नानुसार हैं :-

1. शैक्षणिक योग्यता - 12वीं एवं 10वीं उत्तीर्ण की अंकसूची छायाप्रति
2. श्रवण बाधित होने संबंधी चिकित्सक का प्रमाण-पत्र
3. 6 फोटो
4. आय प्रमाण-पत्र
5. म.प्र. के मूल निवासी का प्रमाण पत्र
6. जाति प्रमाण-पत्र
7. आधार कार्ड
8. बैंक खाते का विवरण
9. यू.डी.आई.डी. कार्ड एवं समग्र आई.डी. नम्बर

प्रवेश पश्चात् निर्धारित मापदंड अनुसार छात्रावास एवं भोजन सुविधा निःशुल्क उपलब्ध करायी जावेगी।

सम्पर्क पता -
अधीक्षक, राजकीय प्रौढ़ मूक बधिर प्रशिक्षण संस्थान,
दिव्यांग आवासीय विद्यालय संकुल,
संस्कृति रायल सिटी, तालाब के सामने, राऊ, इन्दौर - 453331
दूरभाष नं. 0731-2574610, मो. 98262-71477

जी-11518/50819/2025

कार्यालय संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग इंदौर, संभाग इंदौर

विज्ञापन

भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा जिला इन्दौर मध्यप्रदेश जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र के संचालन हेतु विभिन्न पद स्वीकृत किये गए हैं इन पदों पर आयुक्त सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा क्रमांक/दि.सश-2/एफ 173/2024-25 दिनांक 30.8.2024 के क्रम में पदपूर्ति की जाना है। अतः निम्न पदों की पूर्ति हेतु योग्य तकनीकी उम्मीदवार से बायोडाटा आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र.	पद का नाम	पद की योग्यता	पोस्ट	मासिक मानदेय
1.	ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच थेरेपिस्ट Audiologist & Speech Therapist	ऑडियोलॉजी एवं स्पीच एंड लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) में स्नातक या बी.एससी. स्पीच एंड हियरिंग	01	20500/-
2.	प्रोस्थेटिस्ट/ऑर्थोटिस्ट तकनीशियन Prosthetist/Orthotist Technician	पी एण्ड ओ में डिप्लोमा या 3 साल के अनुभव के साथ पी एण्ड ओ में प्रमाण-पत्र	01	14500/-
3.	व्यावसायिक परामर्शदाता सह कंप्यूटर सहायक Vocational Counsellor cum Computer Assistant	व्यावसयिक पुनर्वास में डिप्लोमा (डीवीआर)/ बाल मार्गदर्शन और परामर्श में एडवांस्ड डिप्लोमा (एडीसीजीसी)/पुनर्वास विज्ञान में स्नातक (बीआरएससी)	01	14500/-
4.	गतिशीलता प्रशिक्षक Mobility Instructor/Mobility Trainer	दसवीं पास एवं गतिशीलता में सर्टिफिकेट/ डिप्लोमा अधिमानता गतिशीलता विज्ञान में स्नातक (बी.एम.एससी.) या दृष्टि बाधित में डी.एड. विशेष शिक्षा/बी.एड. विशेष शिक्षा	01	14500/-
5.	प्रारंभिक उपचार थेरेपिस्ट Early Aid Therapist	पीजीडीडीटी/पीजीडीईआई/बीएमआर/ बीआरएससी/बीआरटी/एमआरएससी	01	14500/-
6.	ट्रांस डिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक श्रवणबाधित श्रेणी में। Trans Disciplinary Special Teacher for Hearing Impaired Category	श्रवण बाधिता में डीईडीएसई/बीईडीएसई	01	14500/-
7.	केयर गिवर Care Giver	सीसीसीजी/आरसीआई-सीसीसीजी/राष्ट्रीय न्यास या कक्षा आठवीं उत्तीण जिसमें दिव्यांगजनों की देखभाल में 3 साल का अनुभव	01	6250/-

नियम व शर्तें :-

1. सभी पदों हेतु आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में समस्त सत्यापित प्रमाण पत्रों सहित बंद लिफाफे में अध्यक्ष जिला प्रबंधन समिति जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र समाज कल्याण परिसर परदेशीपुरा इन्दौर-452003 के नाम से प्रस्तुत करेंगे। आवेदन **समाचार प्रकाशित होने की दिनांक से आगामी 15 दिवस के अंदर प्राप्त किये जायेंगे।** आवेदन प्राप्त करने का समय (शासकीय अवकाश छोड़कर) 10:00 बजे से 06:00 बजे तक स्वीकार किये जायेंगे। लिफाफे पर किस पद के लिए आवेदन किया जा रहा है उस पद का नाम अवश्य लिखें।
2. उपरोक्त सभी पद अस्थाई एंव पूर्णतः निश्चित मानदेय के होकर एक माह की सूचना पर समाप्त किये जा सकते हैं, तथा पुनः नियुक्ति का कोई प्रावधान नहीं है। सभी प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रति संलग्न करना आवश्यक होगा। योग्यता के साथ आर. सी. आई. (भारतीय पुनर्वास परिषद) में पंजीकृत उम्मीदवार को प्राथमिकता।
3. निःशक्त उम्मीदवार को शासकीय चिकित्सालय से मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति संलग्न की जाना अनिवार्य होगा।
4. समिति के समक्ष उपस्थित होने पर किसी भी वर्ग के उम्मीदवार को आने जाने का किसी प्रकार का व्यय नहीं दिया जावेगा।
5. आवेदन पत्र अध्यक्ष, जिला प्रबंधन समिति, जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र इन्दौर के नाम से उपरोक्त पते पर लिये जावेंगे। आवेदन पत्र **विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस में** उपरोक्त कार्यालय में ही जमा करावें। विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्र मान्य नहीं किये जावेंगे।
6. सभी पदों हेतु आवेदनकर्ता निर्धारित योग्यतानुसार आवेदन पत्र पृथक-पृथक आवेदन करेंगे। यदि एक आवेदन पत्र में उससे दो या अधिक आवेदन पत्र भरेंगे तो निरस्त कर दिया जावेगा।
7. सभी पद पूर्ण रूप से अस्थाई हैं, तथा शासकीय सेवा के अन्तर्गत नहीं हैं।
8. चयन प्रक्रिया में चयन समिति का अंतिम निर्णय होगा तथा किसी भी प्रकार का प्रतिवाद स्वीकार नहीं होगा।
9. शासकीय अर्द्धशासकीय संस्था में कार्यरत कर्मचारी अपने नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ संलग्न करें।
10. योग्य द्विव्यांगों को प्राथमिकता।
11. संविदा कर्मचारी की संविदा की अधिकतम कालावधि दो वर्ष की होगी कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर संविदा बढ़ाई जावेगी।
12. कार्य संतोषप्रद नहीं पाये जाने पर केन्द्र के समन्वयक/अध्यक्ष/कलेक्टर जिला प्रबंधन समिति द्वारा किसी भी समय एक माह के नोटिस पर सेवाएं समाप्त की जावेंगी।
13. उम्मीदवार का चयन, गठित चयन समिति द्वारा मेरिट लिस्ट के आधार पर निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप किया जावेगा।

संयुक्त संचालक
जी-11492/50816/2025 **सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग इंदौर, संभाग इंदौर**

कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश

क्रमांक /निर्माण/2024-25/ 8130 **भोपाल, दिनांक : 9.04.25**

विज्ञप्ति

म.प्र. शासन के आदेश क्रमांक 1542/947/2022/25-1 दिनांक 06/10/2023 द्वारा जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत नवीन स्वीकृत तकनीकी संरचना अनुसार निम्नलिखित पदों पर म.प्र. शासन के विभिन्न विभागों में कार्यरत तकनीकी अधिकारियों से पद पूर्ति हेतु प्रतिनियुक्ति पर 02 वर्ष की पदस्थापना हेतु निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.	पदनाम	पद पूर्ति का माध्यम	पदों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता	अनिवार्य अर्हता एवं अनुभव
1.	अधीक्षण यंत्री (सिविल)	प्रतिनियुक्ति	01	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक	1. शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में कार्यरत तथा भवन/ सड़क निर्माण कार्य में 15 वर्ष का अनुभव। 2. म.प्र. शासन के किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में अधीक्षण यंत्री (सिविल) के नियमित पद पर कार्यरत। 3. प्रार्थी की आयु दिनांक 30.04.2025 की स्थिति में 60 वर्ष से अधिक न हो।
2.	कार्यपालन यंत्री (सिविल)	प्रतिनियुक्ति	03	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक	1. शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में कार्यरत तथा भवन/ सड़क निर्माण कार्य में 10 वर्ष का अनुभव। 2. म.प्र. शासन के किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में कार्यपालन यंत्री (सिविल) के नियमित पद पर कार्यरत। 3. प्रार्थी की आयु दिनांक 30.04./2025 की स्थिति में 60 वर्ष से अधिक न हो।
3.	सहायक यंत्री (सिविल)	प्रतिनियुक्ति	14	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक	1. शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में कार्यरत तथा भवन/ सड़क निर्माण कार्य में 5 वर्ष का अनुभव। 2. म.प्र. शासन के किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में सहायक यंत्री (सिविल) के नियमित पद पर कार्यरत। 3. प्रार्थी की आयु दिनांक 30.04.2025 की स्थिति में 60 वर्ष से अधिक न हो।
4.	सहायक यंत्री (विद्युत)	प्रतिनियुक्ति	03	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से (विद्युत) अभियांत्रिकी में स्नातक	1. शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में कार्यरत तथा भवन निर्माण कार्य में 5 वर्ष का अनुभव। 2. म.प्र. शासन के किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में सहायक यंत्री (विद्युत) के नियमित पद पर कार्यरत। 3. प्रार्थी की आयु दिनांक 30.04.2025 की स्थिति में 60 वर्ष से अधिक न हो।

नोट - विज्ञापन की शर्तें, आवेदन पत्र, घोषणा, सत्यापन इत्यादि की जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की वेबसाइट **www.tribal.mp.gov.in** के महत्वपूर्ण लिंक तथा परिपत्र में देखी जा सकती हैं।

आयुक्त
जी-11461/50822/2025 **जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश**

कार्यालय प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनु.जा.)
35, श्यामला हिल्स, भोपाल

EMAIL ID : petcsc.bpl@gmail.com, दूरभाष क्रमांक : 0755-2666615

पत्र क्र.-/प्रशि/36/2025-26/827 **भोपाल, दिनांक : 09.04.25**

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

एस.एस.सी./रेलवे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र 35 श्यामला हिल्स भोपाल में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अभ्यर्थियों से निम्नलिखित शर्तों के साथ आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:-

1. आवेदक म.प्र. राज्य का अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य हो।
2. आवेदक के परिवार की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय रुपये 6.00 लाख से अधिक न हो।
3. आवेदक ने स्नातक परीक्षा न्यूनतम 55% या अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण हो।
4. केन्द्र में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष व अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष है।
5. प्रशिक्षण प्रारंभ की संभावित तिथि **01 मई 2025** है।
6. प्रशिक्षण पूर्णकालिक है अतः प्रशिक्षणार्थी को किसी भी महाविद्यालय/पाठ्यक्रम में नियमित अध्ययनरत नहीं होना चाहिए। प्रवेश के समय टी.सी. जमा करना अनिवार्य होगा।
7. प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षणार्थियों को नियमानुसार शिष्यवृत्ति/छात्रवृत्ति व आवास सहायता प्रदान की जाती है।
8. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा।
9. प्रशिक्षण की कुल अवधि 06 माह होगी।
10. आवेदक ने अनुसूचित जाति विकास के अंतर्गत संचालित किसी भी परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त न किया हो।

उपरोक्तानुसार पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक अभिलेखों की छायाप्रतियां के साथ **दिनांक 25 अप्रैल 2025 तक** संस्थान के **E-mail:petcsc.bpl@gmail.com** अथवा डाक से या व्यक्तिगत रूप से परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में सम्पर्क कर सकते हैं, अधिक जानकारी के लिये परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल के दूरभाष क्रमांक 0755-2666615 पर सम्पर्क कर सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्राचार्य
जी-11488/50815/2025 **परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र श्यामला हिल्स, भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र. 1 जबलपुर

निविदा सूचना क्र. 03 वर्ष 2025-26 टेन्डर लिपिक **जबलपुर, दिनांक : 09.04.2025**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई टेन्डरिंग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों की निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. पड़रिया से पड़वार मार्ग चैनेज 7100 से 10600 तक कुल लंबाई 3.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।

ई-टेण्डर क्रमांक		ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ईएम डी. टेण्डर फीस एवं निविदा से संबंधित अन्य अभिलेख जमा करने हेतु
2025_PWDRB_415820_pack1	द्वितीय	376.79	376790	15000	12 माह वर्षाऋतु सहित	केवल ऑनलाइन
	कुल योग	376.79				

टीप:- (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 01.05.2025 17.30 बजे** तक है। अन्य तिथियाँ एवं विस्तृत विवरण व संशोधन ऑनलाइन वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा। संशोधन सूचना कार्यालय के सूचना पटन पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री

जी-11509/50817/2025 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.1 जबलपुर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग शाजापुर (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 01/2025-26 **शाजापुर, दिनांक : 08.04.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
1.	415802	शाजापुर	सड़क निर्माण	लसुडिल्या मलक से कोठड़ी मार्ग लम्बाई 6.70 कि.मी. में मजबूतीकरण का कार्य मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	485.39	दस्तावेज ऑनलाइन ही मान्य किये जावेंगे
2.	415803	शाजापुर	सड़क निर्माण	लड़ावद पहुंच मार्ग लम्बाई 3.50 कि.मी. में मजबूतीकरण का कार्य	प्रथम	412.39	
3.	415804	शाजापुर	सड़क निर्माण	केथलाय, लाहोरी, देवलाबिहार पहुंच मार्ग लम्बाई 1.90 कि.मी. एवं दुपाड़ा पहुंच मार्ग गिरवर - करेड़ी मार्ग लम्बाई 2.00 कि.मी. में मजबूतीकरण का कार्य	प्रथम	346.70	
4.	415805	शाजापुर	सड़क निर्माण	आगर - सारंगपुर मार्ग से मण्डोदा - करजू मार्ग लम्बाई 3.00 कि.मी. में मजबूतीकरण का कार्य	प्रथम	229.12	
5.	415806	शाजापुर	सड़क निर्माण	भनाबावड़ी से लोरास पहाड़ी (बावड़ीखेड़ा) मार्ग लम्बाई 3.29 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	258.17	
6.	415807	शाजापुर	सड़क निर्माण	सेमला जोड़ से निपानिया हिसामुद्दीन मार्ग लम्बाई 3.04 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	272.91	
7.	415809	शाजापुर	सड़क निर्माण	सादनखेड़ी से चारखेड़ी मार्ग लम्बाई 3.08 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	246.32	
8.	415810	शाजापुर	सड़क निर्माण	फरड़ से हायर सेकेण्डरी स्कूल फरड़ मार्ग लम्बाई 3.08 कि.मी. का निर्माण कार्य एवं सुकल्या से देहरीघाटा मार्ग लम्बाई 2.59 कि.मी. मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	407.29	
9.	415811	शाजापुर	सड़क निर्माण	लसुडिल्या गौरी से धौलपुर मार्ग, मार्ग लम्बाई 3.67 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	303.67	
10.	415812	शाजापुर	सड़क निर्माण	जोगखेड़ी से गोंदी जोड़ मार्ग लम्बाई 3.25 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	287.35	
11.	415813	शाजापुर	सड़क निर्माण	अरनियाखुर्द से बेगमखेड़ी मार्ग लम्बाई 4.07 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	409.74	
12.	415814	शाजापुर	सड़क निर्माण	देवली से खाटसुर मार्ग लम्बाई 4.86 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	405.40	
13.	415815	शाजापुर	सड़क निर्माण	नेवलखेड़ी से खामखेड़ा मार्ग लम्बाई 2.835 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल निर्माण शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	298.74	
14.	415816	शाजापुर	सड़क निर्माण	धुबोटी से ढाबला हुसेनपुर मार्ग लम्बाई 1.69 कि.मी. मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	248.62	दस्तावेज ऑनलाइन ही मान्य किये जावेंगे
15.	415817	शाजापुर	सड़क निर्माण	अरनियाकलां से शिवपुरी मार्ग लम्बाई 3.15 कि.मी. मय पोल शिफ्टिंग कार्य	प्रथम	288.86	
					कुल योग	4900.67	

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 24.04.2025 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-11468/50823/2025 **लोक निर्माण विभाग, संभाग देवास**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग देवास (म.प्र.)

Website : www.mppwd.gov.in, E-mail : eepwddewas@nic.in, eepwddewas@gmail.com
Phone No. : 07272-220397, 07272-220585

निविदा सूचना क्र. 01/2025-26/एस.एस.सी/1214 **देवास, दिनांक : 08.04.2025**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि
1.	देवास	2025_PWDRB_415590_1	पटलावदा से सीलाखेड़ी मार्ग लम्बाई 3.70 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग एवं विद्युतीकरण कार्य	342.96	10 माह वर्षाकाल सहित
2.	देवास	2025_PWDRB_415594_1	तहसील खातेगांव में ग्राम पटरानी से रिछिखो मार्ग लम्बाई 5.20 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग एंव विद्युतीकरण कार्य	404.50	12 माह वर्षाकाल सहित
3.	देवास	2025_PWDRB_415596_1	हाटपीपल्या टप्पा मार्ग के कि.मी. 7/10, 14/2, 18/4, 19/6, 22/8 में स्लेब कल्वर्ट का निर्माण एवं बागली जटाशंकर मार्ग के कि.मी. 1/8 में स्लेब कल्वर्ट का निर्माण कार्य	419.39	12 माह वर्षाकाल सहित
4.	देवास	2025_PWDRB_415597_1	ग्राम शिवपुर से चारिया मार्ग लम्बाई 5.00 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग एवं विद्युतीकरण कार्य	415.34	12 माह वर्षाकाल सहित
5.	देवास	2025_PWDRB_415598_1	ग्राम सेमली से ग्राम खल तक मार्ग लम्बाई 3.20 कि.मी. का निर्माण कार्य मय पोल शिफ्टिंग एवं विद्युतीकरण कार्य	322.86	10 माह वर्षाकाल सहित
6.	देवास	2025_PWDRB_415599_1	चौबाराधीरा से इकलेरा मार्ग के कि.मी. 2/2, 2/6 में स्लेब कल्वर्ट का निर्माण एवं पाडल्या पहुंच मार्ग के कि.मी. 2/4 पर बॉक्स कल्वर्ट का निर्माण कार्य	303.42	12 माह वर्षाकाल सहित
7.	देवास	2025_PWDRB_415600_1	टोंकखुर्द अमोना सेकली देवली मार्ग लम्बाई 3.00 कि.मी. में मजबूतीकरण का कार्य	367.15	12 माह वर्षाकाल सहित
8.	देवास	2025_PWDRB_415601_1	बरदू से मेरखेड़ी मार्ग लम्बाई 3.00 कि.मी. में मजबूतीकरण का कार्य	230.74	06 माह वर्षाकाल सहित
			योग	2806.36	

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र(टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 29.04.2025 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा मे होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-11475/50814/2025 **लोक निर्माण विभाग, भोपाल परिक्षेत्र भोपाल**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल : eepwdcapital@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक : 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 06/सा/01/विविध/2019 (वर्ष 2025) **भोपाल, दिनांक : 9.04.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. तमचरू खरगावली मुढ़ियाखेड़ा मार्ग का चौड़ीकरण।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
2025_PWDRB_410489_1	नर्मदापुरम	मार्ग	प्रथम	572.06	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाना हैं।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. समोन बगलाखेड़ी मार्ग का चौड़ीकरण।					
2025_PWDRB_410491_1	नर्मदापुरम	मार्ग	प्रथम	741.57	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाना हैं।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. इमलाचौकी से हर्राखेड़ा धमर्रा मार्ग लं. 8.500 कि.मी. का निर्माण।					
2025_PWDRB_410493_1	भोपाल (संधारण स.क्र.-2 भोपाल)	मार्ग	प्रथम	1622.81	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाना हैं।
			योग	2936.44	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र(टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 29.04.2025 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा मे होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-11475/50814/2025 **लोक निर्माण विभाग, भोपाल परिक्षेत्र भोपाल**

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 25.04.2025, 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-11510/50818/2025 **लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) संभाग शाजापुर (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1, नर्मदापुरम (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 06/2025/e-Tender/N.Puram **दिनांक : 09.04.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. सेमरी खुर्द से इटारसी डोलरिया मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 4.25 कि.मी.।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (लाख में)	अमानती राशि
2025_PWDRB_415891	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	479.55	479550/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. एस.एच. 22 हनुमान मंदिर से कुम्हाबड़ मार्ग का निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_415892	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	417.55	417550/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. नर्मदापुरम हरदा मार्ग (एस.एच. 15) से औबेदुल्लागंज नागपुर (पुराना एन.एच. 69) से भोपाल तिराहा तक मार्ग का निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_415893	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	457.88	457880/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. डापका से अनहोनी मार्ग का निर्माण कार्य, लंबाई 3.30 कि.मी.।

2025_PWDRB_415894	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	359.07	359070/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. पचमढ़ी से महादेस से डी.पी. चौराहा मार्ग का उन्नतिकरण कार्य, लंबाई 1.50 कि.मी.।

2025_PWDRB_415895	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	154.98	154980/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. पचमढ़ी से राजेंद्रगिरी मार्ग का निर्माण कार्य, लंबाई 2.50 कि.मी.।

2025_PWDRB_415896	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	354.73	354730/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. पलिया पिपरिया से मछेराकला मार्ग का निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_415897	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	308.56	308560/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. चॉदौन से करपा मार्ग का निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_415898	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	365.20	365200/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. सोहागपुर, गुंदरई, करनपुर, आमदेही, नकटुआ, चारगांव, सांगई मार्ग का निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_415899	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	254.28	254280/-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. खारीगांव पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, लं. 1.00 कि.मी.।

2025_PWDRB_415900	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	प्रथम	153.48	153480/-
			योग (लाख में)	3305.28	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 29.04.2025 सायं 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही प्राप्त किए जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-11625/50826/2025 **लो.नि.वि. संभाग नर्मदापुरम**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग बैतूल (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 01 - डी.एल./2025-26 **बैतूल, दिनांक : 11.04.2025**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. बामला से सुनारदेही व्हाया हरन्या टान्डी मार्ग का निर्माण। लम्बाई 3.85 कि.मी.

टेण्डर नम्बर	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि	समयावधि	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
2025_PWDRB_416538_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	329.75	3,29,750/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. जाजबोड़ी से दुलारा मार्ग। लम्बाई 2.00 कि.मी.

2025_PWDRB_416539_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	257.71	2,57,714/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. खोखरा से मलाजपुर मार्ग। लम्बाई 2.10 कि.मी.

2025_PWDRB_416540_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	242.46	2,42,459/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. केसिया से डोलियाढाना पाढर मेन रोड। लम्बाई 2.30 कि.मी.

2025_PWDRB_416541_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	270.23	2,70,233/-	05 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. छुरी से मयावानी मार्ग। लम्बाई 2.40 कि.मी.

2025_PWDRB_416542_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	230.10	2,30,103/-	05 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. चिखलदा खुर्द से कुण्डी ग्राम कुसमारी तवा पहुँच मार्ग। लम्बाई 5.00 कि.मी.

2025_PWDRB_416543_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	377.08	3,77,077/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. चांदना चान्दबेहड़ा से जरीढाना मलजापुर मार्ग। लम्बाई 4.75 कि.मी.

2025_PWDRB_416544_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	488.05	4,88,049/-	05 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. डोंगापुर से रोढ़ा मार्गीलम्बाई 3.00 कि.मी.

2025_PWDRB_416545_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	325.41	3,25,409/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 726/81/2024/चयन **इन्दौर, दिनांक : 15.04.2025**

सहायक प्राध्यापक (संगीत वाद्य) परीक्षा - 2022
चयन-सूची (मुख्य भाग 87 प्रतिशत)
पदनाम - सहायक प्राध्यापक, संगीत वाद्य

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 36/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद - **सहायक प्राध्यापक, संगीत वाद्य** के कुल 02 पद (अनारक्षित-02) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-01) विज्ञापित किए गए है। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **सहायक प्राध्यापक (संगीत वाद्य) परीक्षा - 2022** दिनांक 17.11.2024 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 26.12.2024 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के **साक्षात्कार 12.03.2025 को** आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/36/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 36/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या निरंक होने के कारण विभाग के पत्रानुसार इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या निरंक होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (संगीत वाद्य)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	2	0	0	0	0	2
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	0	0	0	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	390054	JAYANT KOSHTI	M	UNR	UNR
2.	390020	AMIT KUMAR MISHRA	M	UNR	UNR

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी

निरंक

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

सचिव
जी-11652/50830/2025 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर**

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. केरिया से भोपाली अम्बामाई मार्ग। लम्बाई 2.00 कि.मी.

2025_PWDRB_416546_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	339.69	3,39,688/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. कोवलारी से वीरगुरवाड़ी मार्ग। लम्बाई 3.30 कि.मी.

2025_PWDRB_416547_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	276.74	2,76,741/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 11. पीपलबर्रा से चिरोटिया बरोजपुर मार्ग। लम्बाई 3.50 कि.मी.

2025_PWDRB_416548_1	बैतूल	सड़क कार्य	प्रथम आमंत्रण	481.78	4,81,778/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अन्तिम दिनांक 29.04.2025 सायं 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-11629/50827/2025 **लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग बैतूल (म.प्र.)**

बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवा

भोपाल, भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती की पूर्व संध्या पर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में भव्य 'जयभीम पदयात्रा' का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा भोपाल के शौर्य स्मारक से प्रारंभ होकर अम्बेडकर चौराहे से होते हुए पुनः शौर्य स्मारक पर पहुंचकर समाप्त हुई। श्री सारंग ने शौर्य स्मारक से जय भीम पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पदयात्रा मार्ग में बोर्ड ऑफिस चौराहे पर स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवा

श्री सारंग ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जय भीम पदयात्रा केवल एक मार्च नहीं, बल्कि बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के विचारों को आत्मसात कर, उन्हें अपने जीवन में उतारने का एक संकल्प है। यह युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो उन्हें सामाजिक न्याय, समानता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि जय भीम पदयात्रा के माध्यम से हम बाबा साहेब के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं, जिन्होंने हमें एक ऐसा संविधान दिया, जो सामाजिक समता, न्याय और स्वतंत्रता का प्रतीक है। युवा यदि उनके विचारों को आत्मसात करता है, तो वह निश्चित ही एक सशक्त राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सकता है।

जागरूकता का दिया संदेश

पदयात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी रही। सभी युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे जोश और उत्साह के साथ 'जय भीम' और 'जय भारत' के नारों से वातावरण को गुंजायमान किया। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती की पूर्व संध्या पर जय भीम पदयात्रा के आयोजन का उद्देश्य युवाओं को सामाजिक समानता, न्याय और संविधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना था। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर पूरे देश में जय भीम पदयात्रा का आयोजन किया गया।

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य अतीत के स्वर्णिम पृष्ठ का प्रकटीकरण - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दिल्ली में आयोजित महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य समारोह को संबोधित करते हुए

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में तीन दिवसीय महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के मंचन के समापन समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की राजधानी में लाल किले की प्राचीर पर ऐतिहासिक महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन उस युग को जीवंत करने का प्रयास है। यह विश्व में भारत द्वारा सुशासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थापित करने की दिशा में कारगर रहेगा। फिल्मों के निर्माण और डिजिटल युग के बावजूद प्राचीन नाट्य परम्परा से परिचित करवाने वाले इस महानाट्य के अंश अविस्मरणीय रहेंगे।

- **सम्राट विक्रमादित्य ने सुशासन, न्याय, वीरता और दानशीलता का स्थापित किया महत्व।**
- **विक्रमादित्य के शासनकाल को जनमानस की स्मृति में ताजा करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव बधाई के पात्र।**
- **सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश देता है।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विरासत के संरक्षण के साथ विकास का मंत्र दिया है। वास्तव में वर्तमान काल अद्भुत है। प्रधानमंत्री स्वयं को प्रधान सेवक मानते हैं। आज भारत की गरिमा विश्व में निरंतर बढ़ रही है। एक समय था जब सम्राट विक्रमादित्य ने न्याय, वीरता और सुशासन के महत्व को स्थापित किया। सम्राट विक्रमादित्य के युग को पुनः महानाट्य के माध्यम से जीवंत किया गया है। सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न पक्षों को महानाट्य के माध्यम से आमजन के सामने लाने का अभूतपूर्व कार्य हुआ है।

नाट्य विधा प्राचीन है इसका आज भी है महत्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि नाट्य विधा एक प्राचीन विधा है। आज के डिजिटल युग में भी इस विधा का महत्व बरकरार है। फिल्मों के निर्माण के साथ अनेक माध्यमों से कला और संस्कृति के दर्शन होते हैं लेकिन महानाट्य से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और शासन काल को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह महानाट्य हमारे इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ और गौरवशाली अतीत से परिचय करवाता है। मुख्यमंत्री ने सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के मंचन के लिए आवश्यक समन्वय एवं सहयोग प्रदान करने के लिये दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत के इतिहास के महान योद्धा और कुशल शासक सम्राट विक्रमादित्य की स्मृति में आयोजित महानाट्य के माध्यम से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने इनकी गौरवगाथा को राष्ट्रीय पटल पर लाने का श्रेष्ठ काम किया है। भविष्य में इसे विश्व पटल पर भी पहुंचाया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संचालित की जा रही जनकल्याणकारी योजनाएं भी सम्राट विक्रमादित्य के शासन की याद दिलाती हैं।

नलकूप खनन के वेंडर बढ़ाये जाएंगे

बालाघाट, स्कूल शिक्षा, परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने बालाघाट जिले के मलाजखंड में पेयजल व्यवस्था संबंधित बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए, ऐसी व्यवस्था करें कि जिले में कहीं पर भी पानी का संकट न हो। उन्होंने कहा कि जिले में नलकूप खनन के साथ ही मोटर पम्प और राइजिंग पाइप सहित सभी व्यवस्थाएं तैयार रखें साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में 15वें वित्त से भी पेयजल के संबंध में व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नलकूप खनन के वेंडर की वर्तमान संख्या पर्याप्त नहीं है इसे बढ़ाया जाये।

श्री सिंह ने कहा कि पेयजल, बिजली और जल संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आने वाले 2 माह तक इन कार्यों पर लगकर कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बिजली की 30 वर्षों की मांग को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार की जाये। पीएम आवास सहित आम नागरिकों के लिए रेत की व्यवस्था सुगमता से होनी चाहिए।

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रधानमंत्री ने की सराहना

दिल्ली, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला परिसर के माधव दास पार्क में चल रहे तीन दिवसीय 'सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन' और इससे जुड़ी प्रदर्शनियों की सराहना कर बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया के जरिए प्रधानमंत्री का आत्मीय आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली के लाल किला परिसर में आयोजित तीन दिवसीय 'सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य' के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश सरकार और कलाकारों को दी गई शुभकामनाएं अमूल्य हैं।

न्यूनतम शुल्क में उपचार सुविधाएं देना ही सच्ची सेवा

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय से एक निजी अस्पताल के शुभारंभ कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर की सेवा से ही नारायण मिलते हैं। गरीबों की सेवा ही ईश्वर की आराधना है। न्यूनतम शुल्क में अधिकतम उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने की मंशा से हॉस्पिटल का निर्माण मानवता की सच्ची सेवा की ओर बढ़ाया गया एक सराहनीय कदम है। हॉस्पिटल संचालक बधाई और साधुवाद के पात्र हैं कि उन्होंने यह पुनीत कार्य प्रारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने लांबाखेड़ा स्थित जीवन मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर का वर्चुअली लोकार्पण कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल संचालक डॉ. अनिल मीणा ने अपने पिताजी स्व. श्री जीवन सिंह मीणा की स्मृति में 100 बिस्तरीय अस्पताल का निर्माण कर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य उपचार की निकटतम सुविधा प्रदान की है। यह अस्पताल लांबाखेड़ा और आसपास के 100 गावों के लिए एक महत्वपूर्ण चिकित्सा केंद्र होगा, जहां एक ही छत के नीचे मरीजों को सभी प्रकार की इमरजेंसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण और गरीब जनता को न्यूनतम शुल्क में इलाज की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हॉस्पिटल संचालक और उनके पूरे परिवार को बधाई देते हुए कहा कि डॉ. मीणा ने अपने स्व. पिता के सपने को साकार कर दिया। इस हॉस्पिटल में सभी प्रकार के बड़े ऑपरेशन की सुविधा, पेट से संबंधित रोग, प्लास्टिक सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, सभी प्रकार के कैंसर रोगों का इलाज, पथरी, हड्डी रोग का इलाज किया जाएगा। जले हुए मरीज के इलाज के लिए विशेष सुविधा भी यहां उपलब्ध है। गरीबी रेखा में आने वाले मरीजों को यहां इलाज में विशेष छूट दी जाएगी। इस अस्पताल में 24 घंटे इमरजेंसी एम्बुलेंस की सुविधा सहित यहां मेडिकल एवं सर्जीकल आईसीयू भी उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हॉस्पिटल, मंदिर होते हैं। यहां गंभीर मरीजों को पुनः जीवन पाने की उम्मीद प्रबल हो जाती है।

मुख्यमंत्री ने भारतीय संविधान में आस्था रखने की शपथ दिलायी

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती एवं भारतीय संविधान सभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर के रवीन्द्र नाट्यगृह में आम नागरिक शपथ विधि समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन भारतीय संविधान सभा के फाइनल प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती है, जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत को आजादी एक दिन में नहीं मिली। इसके लिये हमें वर्षों संघर्ष करना पड़ा। पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी से लेकर कई क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर वर्षों की गुलामी की बेड़ियों से देश को आजाद कराया। भारत का संघर्ष काल एक हजार वर्ष से भी अधिक पुराना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान की लोकतांत्रिक परम्पराएं, राष्ट्र की एकता और अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलायी। छात्रों ने 'मेरा संविधान-मेरा भारत' के उद्घोष लगाये। मुख्यमंत्री ने छात्रों और प्रोफेसर्स के साथ संविधान विषय पर संवाद किया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

गौ-शालाओं से मध्यप्रदेश में गौ-सेवा की लिखेंगे नई इबारत

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर जिले के महू-मण्डलेश्वर मार्ग पर स्थित आशापुरा में प्रदेश में हाइटेक कामधेनु गौ-शाला के भूमिपूजन समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में गौ-संरक्षण और संवर्धन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा तेजी से संकल्पबद्ध होकर कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए गौ-शालाओं के विस्तार के लिए योजनाबद्ध रूप से प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौ-शालाओं के माध्यम से गौ-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और प्रदेश में नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। इससे दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ ही दुग्ध उत्पादकों की आमदनी में भी वृद्धि की जाएगी। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिलें। इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

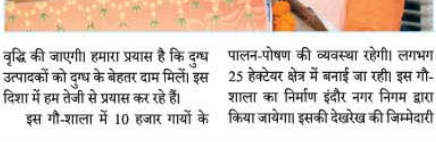

इस गौ-शाला में 10 हजार गायों के पालन-पोषण की व्यवस्था रहेगी। लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाई जा रही इस गौ-शाला का निर्माण इंदौर नगर निगम द्वारा किया जायेगा। इसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी नगर निगम ही संभालेंगी। गौ-शाला के संचालन में संत समाज का सहयोग भी लिया जायेगा। गौ-शाला के संचालन में समाजसेवी निःस्वार्थ भाव से गौ-सेवा के कार्यों में जुड़ सकेंगे। गायों के पालन और संरक्षण के लिये सभी जरूरी सुविधाएं गौ-शाला में रहेंगी।

दुग्ध उत्पादकों को मिलें बेहतर दाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी वर्ग की बेहतरी के लिए राज्य सरकार द्वारा संकल्पबद्ध होकर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। कृषि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए राज्य शासन द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए डॉ. अम्बेडकर के कार्य भूतो न भविष्यति

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महू स्थित डॉ. अम्बेडकर नगर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 20वीं शताब्दी में ऐसे अनेक उल्लेखनीय कार्य किए, जिनसे 1000 वर्ष की गुलामी की विसंगतियां दूर हुईं। इन्हीं के आधार पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बना है। डॉ. अम्बेडकर के जीवन के योगदान बहुआयामी हैं, उन्हें भारत में भविष्य की चुनौतियों का आभास हो चुका था, यद्यपि उनका जीवन बहुत कठिनाई के साथ बीता, लेकिन वे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने स्वयं के संघर्ष से सीख ली और अपने जैसे दूसरे लोगों की मदद की। बाबा साहेब ने स्वयं की शिक्षा में कोई कसर नहीं रहने दी, इससे यह प्रेरणा मिलती है कि व्यक्ति के जीवन में शिक्षा में कभी कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर द्वारा समाज के बंधुत्व और उत्थान के लिए किए गए कार्य भूतो न भविष्यति हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भीम जन्मस्थली (महू) डॉ. अम्बेडकर नगर में कार्यक्रम को संबोधित किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने समूचे समाज को आरक्षण जैसी व्यवस्था प्रदान की। आज अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित हर वर्ग को साक्षरता का लाभ मिल रहा है। अनुसूचित जाति वर्ग की साक्षरता जो कभी मात्र 1.5 प्रतिशत थी, वह अब 59 प्रतिशत तक पहुंच गई है। भविष्य में जब-जब कठिनाई आएगी, हम सर्वहारा वर्ग के सशक्तिकरण का ध्यान रखेंगे। डॉ. अम्बेडकर ने सामाजिक सशक्तिकरण के लिए मजबूत संविधान बनाया और देश को लोकतंत्र दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. अम्बेडकर से जुड़े सभी स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में मान्यता प्रदान की है।

राज्य सरकार द्वारा भीम जन्मस्थली महू में धर्मशाला निर्माण के लिए तीन एकड़ जमीन दी जा रही है। इससे यहां आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, सभी आगंतुकों की संपूर्ण सुविधा का प्रबंध राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा। राज्य सरकार ने डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना शुरू की है। अगर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग का कोई व्यक्ति दूध डेयरी खोलेगा, तो उसे हमारी सरकार द्वारा 30 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

वनवासी मजदूर भाई-बहनों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन के शुभारंभ सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए भोपाल में विभागों से समन्वय कर काम किया जाएगा। वनवासी भाई-बहनों तथा सभी वर्गों की बेहतरी के लिए कार्य करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार ने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 मजदूर भाई-बहनों के 224 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान करवा दिया है। रतलाम की सज्जन मिल के मजदूरों का बकाया भुगतान भी शीघ्र करवा दिया जाएगा। सरकार की ओर से औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देकर रोज़गार के अवसर तलाशने के लिए औद्योगिक निवेश के लिए संभागीय स्तर पर रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर उद्योगपतियों के साथ अनुबंध किए गये हैं। भोपाल में 9वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गयी। इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने और रोज़गार के अवसर तलाशने के कार्य किए गए हैं। प्रदेश में रोज़गारमूलक उद्यम स्थापित करने वाले उद्योगपतियों को जमीन आवंटन, विद्युत बिल में छूट देते हुए 70 प्रतिशत तक सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के हित में करेंगे काम और काम के लेंगे पूरे दाम, यह भारतीय मजदूर संघ का नारा है। सरकार की ओर से देशहित में काम करने वाले मजदूरों को उनका पूरा हक दिया जाएगा। वस्त्र उद्योग में कार्य करने वाले श्रमिकों को प्रति मजदूर 5 हजार रुपये प्रतिमाह अनुग्रह राशि देने की योजना पर कार्य किया जा रहा है।

प्रदेश में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के लिए सरकार प्रतिबद्ध

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में ग्वालियर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण योजना की गहन समीक्षा की और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जल संसाधन मंत्री एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जय आरोग्य अस्पताल, ग्वालियर में सीटीवीएस (कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी) विभाग के आवश्यक पदों की स्वीकृति का प्रस्ताव तैयार करने और अस्पताल भवन के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों को शीघ्रता एवं प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में ग्वालियर क्षेत्र के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के अधोसंरचना विकास, मैन पॉवर, उपकरण उपलब्धता की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्थाओं के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार समस्त अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बाहर न जाना पड़े। इसके लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और चिकित्सकीय स्टॉफ की पर्याप्त नियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत सांवेर विधानसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद के निर्णय

मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन प्रारंभ करने की सैद्धांतिक स्वीकृति

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। बैठक में मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश के किसानों के समन्वित विकास के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग में प्रचलित योजनाओं को एक मंच पर लाकर मध्यप्रदेश किसान कल्याण मिशन को प्रारंभ करने की सैद्धांतिक अनुमति दी गयी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई

मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृषि उत्पादकता (किलोग्राम प्रति हेक्टेयर) वर्ष 2002-2003 में 1195 था जो वर्ष 2024 में 2393 हो गया। यह वृद्धि 200 प्रतिशत हो गयी है। फसल उत्पादन क्षमता (लाख मीट्रिक टन) वर्ष 2002-2003 में 224 थी, जो वर्ष 2024 में बढ़कर 723 हो गयी है। कृषि विकास दर 2002-2003 में 3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2024 में 9.8 प्रतिशत हो गयी। इसमें 327 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कृषि क्षेत्र का बजट वर्ष 2002-2003 में 600 करोड़ रुपये एवं वर्ष 2024 में 27050 करोड़ रुपये होकर वृद्धि दर 4508 प्रतिशत हुई। मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र का योगदान प्रदेश की जीडीपी में 39 प्रतिशत है।

मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को जलवायु-अनुकूल बनाना, धारणीय कृषि पद्धतियों को अपनाना, जैवविविधता और परम्परागत कृषि ज्ञान संरक्षण, पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना है।

किसानों की आय में वृद्धि - कृषि तथा उद्यानिकी के अंतर्गत फसलों की उत्पादकता में वृद्धि, उच्च मूल्य फसलों की खेती, गुणवत्तापूर्ण अनाजों की उपलब्धता, बीज, रोपण सामग्री, उर्वरक, कीटनाशक, और कृषि विस्तार एवं क्षमता विकास, सस्ती ब्याज दरों पर ऋण की आसान उपलब्धता, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योग, वैल्यू-चैन विकास और मौजूदा वैल्यू-चैन का सुदृढ़ीकरण, मध्यप्रदेश की विशिष्ट समस्याओं के लिए अनुसंधान एवं विकास है।

कृषि तथा उद्यानिकी सस्टेनेबल कृषि पद्धतियों के अंतर्गत गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस (जीएपी) को अपनाना, जैविक, प्राकृतिक खेती क्षेत्र में बढ़ोतरी, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों के लिए मार्केट लिंकेज का निर्माण तथा सुदृढ़ीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद के लिए प्रमाण पत्र जारी करने तथा ट्रैसेबिलिटी सिस्टम को विकसित, किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करना, मण्डियों का आधुनिकीकरण एवं उन्नयन, मण्डी कार्यों के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, मण्डी में पारदर्शी तथा निष्पक्ष नीलामी की प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं मण्डी के बाहर उपज बेचने की सुविधा को विकसित करना, जिन फसलों में वायदा अनुबंधों की अनुमति है, उनकी कार्ययोजना तैयार करना है।

किसानों की आय में वृद्धि के लिए सहकारिता एवं मत्स्य पालन के अंतर्गत सहकारिता के माध्यम से दूध संकलन के कवरेज को 26000 ग्रामों तक ले जाया जायेगा। दूध संकलन तथा प्रसंस्करण की वर्तमान क्षमता को बढ़ाकर 50 लाख लीटर प्रति दिवस किया जायेगा। पशुओं में स्टॉल फीडिंग तथा मिनरल मिक्चर का घरेलू विकल्प के उपयोग से निराश्रित गौवंश की संख्या में कमी लाना। मत्स्य पालन क्षेत्र में आय वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों का प्रयोग - Cage Farming तथा Biofloc, मछुआ, किसान क्रेडिट कार्ड योजनान्तर्गत शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाकर स्व-रोजगार को बढ़ावा दिया जायेगा।

फसल बीमा का कवरेज 50 प्रतिशत तक करना, संकर तथा उन्नत बीजों का विस्तार आधे क्षेत्रफल तक करना, प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता सौर ऊर्जा पम्प अनुदान पर उपलब्ध कराया जाना, नये प्रसंस्करण क्षेत्रों की स्थापना, विपणन नेटवर्क का विस्तार और प्रदेश के बाहर की मण्डियों तक पहुंच बढ़ाना, मत्स्य बीज के मामलें में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना, कोल्ड चेन और नेटवर्क विकास के जरिये किसानों को मत्स्य संपदा के लिए मिलने वाले मूल्य को डेढ़ गुना करना, उच्च उत्पादकता मछली का पालन 10288 मीट्रिक टन किया जाना, मत्स्य पालन के लिए 1.47 लाख किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराये जायेंगे। संगठित क्षेत्र में दुग्ध संकलन को 50 लाख लीटर प्रतिदिन किया जायेगा। पशुधन उत्पादकता में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी। बेसहारा गौ-वंश की देखभाल के लिए प्रदेशव्यापी नेटवर्क तैयार करना, जिससे सड़कों पर उनकी उपस्थिति शून्य हो सकेगी।

इसके साथ ही बैठक में चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए राशि 383 करोड़ 22 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी एवं नियोनेटोलॉजी विभाग में नियमित स्थापना के कुल 12 नवीन पदों का सृजन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

- चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए 383 करोड़ 22 लाख रुपये की राशि स्वीकृत।
- गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में नवीन पदों की स्वीकृति।
- मत्स्य पालन के लिए 1.47 लाख किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराये जायेंगे।
- पशुधन उत्पादकता में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

फैक्ट फाइल

मध्यप्रदेश में लोक निर्माण से लोक कल्याण के लिए बढ़ते कदम

किसी भी देश अथवा प्रदेश का अधोसंरचना विकास उसकी प्रगति का आधार होता है। विशेषकर पथ निर्माण से विकास की रफ्तार कई गुना बढ़ जाती है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्माण कार्यों के लिए लोक निर्माण से लोक कल्याण का मंत्र दिया है। इससे निर्माण कार्य को व्यापकता मिली है। इसे समग्र सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी परिवर्तन का स्वरूप प्रदान किया गया है। यह प्रदेश सरकार का बुनियादी निर्माण को सुदृढ़, पारदर्शी और लोक कल्याणकारी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक प्रयास है। प्रदेश की सड़कें अब आवागमन के साथ सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक समृद्धि का आधार बन गयी हैं। अधोसंरचना विकास से प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ रहा है।

मध्यप्रदेश में सड़क नेटवर्क

वर्तमान में प्रदेश में लोक निर्माण विभाग के अधीन 80,775 किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क क्रियाशील है, जिसमें 9,315 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग, 11,389 किमी राज्य राजमार्ग, 25,639 किमी मुख्य जिला मार्ग तथा 34,432 किमी अन्य जिला मार्ग शामिल हैं। यह नेटवर्क प्रदेश के ग्रामों, नगरों, कृषि क्षेत्रों और औद्योगिक केंद्रों को एकसूत्र में पिरोने का कार्य कर रहा है।

पथ निर्माण की प्रगति

विगत 14 महीनों के दौरान 6,400 करोड़ रुपये की लागत से 5,500 किमी सड़कों का निर्माण एवं मजबूतीकरण, 345 करोड़ रुपये से 1,500 किमी का डामरीकरण तथा 2,000 करोड़ रुपये से 110 पुलों और एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। वर्तमान में 22,500 करोड़ रुपये लागत की 10,000 किमी सड़कों एवं 10,463 करोड़ रुपये से 474 पुलों और फ्लाईओवरों पर कार्य प्रगति पर है।

प्रमुख निर्माण और परियोजनाएं

प्रदेश में ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों में एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही नर्मदा प्रगतिपथ, विंध्य एक्सप्रेस-वे, मालवा-निमाड़ कॉरिडोर, अटल प्रगतिपथ, बुंदेलखंड और मध्य भारत विकास पथ जैसी छह प्रमुख परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं, जो प्रदेश के पिछड़े अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ेंगी।

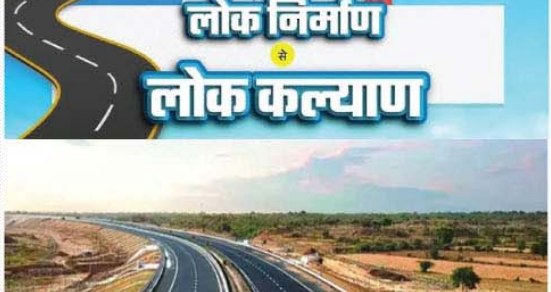

- प्रदेश में 1750 इंजीनियरों को कौशल प्रशिक्षण तथा रोड नेटवर्क मास्टर प्लान और रोड सेक्टर पॉलिसी का निर्माण प्रगतिरत।
- पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षों को काटने के स्थान पर स्थानांतरित करने, ग्राउंड वॉटर रिचार्ज बोट और लोक कल्याण सरोवर निर्माण की पहल।
- गुणता तथा पारदर्शिता के लिए फुल डेप्थ रिक्लेमेशन, व्हाइट टॉपिंग, माइक्रो सर्फेसिंग तकनीकें, सॉफ्टवेयर आधारित प्रणाली, गोपनीय कोडिंग और सैंपलिंग प्रक्रिया लागू।

फोर लेन उन्नयन

प्रदेश के लगभग सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को फोर लेन में परिवर्तित करने की योजना के अंतर्गत अब तक 4,740 किमी मार्गों का फोर लेन में उन्नयन किया जा चुका है, तथा शेष 3,050 किमी पर कार्य जारी है। मध्यप्रदेश शासन और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के मध्य हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से 4,010 किमी लंबाई की 22 नई सड़क परियोजनाओं हेतु ऐतिहासिक समझौता संपन्न हुआ है। इसमें इंदौर-भोपाल व भोपाल-जबलपुर हाईस्पीड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, लखनऊ-रायपुर एक्सप्रेस-वे, आगरा-ग्वालियर, उज्जैन-झालावाड़, सतना-चित्रकूट और रीवा-सीधी जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं।

मुख्य बिन्दु

- प्रदेश में अधोसंरचना विकास सामाजिक आर्थिक और तकनीकी का बना केन्द्र।
- प्रदेश में 80,775 किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क क्रियाशील।
- प्रदेश में हो रहा एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण।
- इंदौर-उज्जैन मार्ग का सिक्स लेन चौड़ीकरण तथा उज्जैन-जावरा प्रदेश का पहला पूर्ण ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे प्रगतिरत।
- तकनीकी उन्नयन के लिए लोकपथ मोबाइल एप, इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम और पीएम गति शक्ति पोर्टल को लागू किया गया।

- शशांक मणि पांडे
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

स्लोवाकिया में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को 'कॉन्स्टेंटाइन द फिलॉसफर' विवि द्वारा सार्वजनिक सेवा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति स्लोवाकिया और पुर्तगाल की अपनी चार दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन सम्मान प्राप्त करने के लिए विवि परिसर पहुंचीं। विवि ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को सार्वजनिक सेवा और शासन में उनके विशिष्ट योगदान, सामाजिक न्याय एवं समावेश की वकालत के लिए सम्मानित किया जा रहा है। बयान में कहा गया कि श्रीमती मुर्मु ने शिक्षा, महिलाओं के सशक्तीकरण और सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधता के संरक्षण और संवर्धन में योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि वह भारत के 1.4 अरब लोगों की ओर से सम्मान स्वीकार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दार्शनिक सेंट कॉन्स्टेंटाइन सिरिल के नाम वाले संस्थान से मानद उपाधि प्राप्त करना विशेष रूप से मायने रखता है क्योंकि भाषा, शिक्षा और दर्शन में उनका विशिष्ट योगदान था।

डायर वुल्फ

बारह हजार साल पहले खत्म हो चुके भेड़िए फिर जन्में

डायर वुल्फ बारह हजार वर्ष पहले विलुप्त हो गए थे। अब जेनेटिक एडिटिंग करके इन्हें वापस लाया गया है। अमेरिका की कोलोसैल बायोसाइंसेज संस्था के वैज्ञानिकों ने जेनेटिक एडिट्स का उपयोग किया। 11500 और 72000 वर्ष पुराने जीवाश्मों में से मिले डीएनए से इन्हें पुनर्निर्मित किया गया। इन प्राचीन डीएनए से सावधानीपूर्वक वुल्फों को जन्म दिलाया गया। इनकी संख्या दो है। इन बर्फ जैसे सफेद 6 महीने के बच्चों के बारे में कुछ बहुत ही अनोखा है। उनका व्यवहार जंगली भेड़ियों जैसा है। वे लोगों से दूरी बनाए रखते हैं।

लूना रीसायकल चैलेंज

अंतरिक्ष में इंसानी अपशिष्ट का हल देने पर मिलेंगे 25 करोड़ रुपए

नासा ने लूना रीसायकल चैलेंज के तहत एक अनोखी चुनौती के लिए करीब 25 करोड़ रुपए (3 मिलियन डॉलर) का इनाम रखा है। यह प्रतियोगिता ऐसे समाधान की मांग करती है जो चंद्रमा या लंबी अंतरिक्ष यात्राओं के दौरान इंसानी मल, मूत्र और उल्टी को रीसायकल कर सके। अपोलो मिशनों के दौरान चंद्रमा पर छोड़े गए 96 मानव अपशिष्ट बैग अभी भी वहां हैं। नासा का उद्देश्य अंतरिक्ष में गंदगी बढ़ाए बिना स्थायी समाधान खोजना है। यह तकनीक भविष्य के दीर्घकालिक चंद्र अभियानों में उपयोग की जाएगी। पहले दौर की प्रविष्टियों की समीक्षा की जा रही है।

लेफ्टिनेंट जन. डैन केन

ज्वॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ बनेंगे

अमेरिकी सीनेट ने ज्वॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के पद पर लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन के नाम को मंजूरी दे दी है। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा नामित लेफ्टिनेंट जनरल डैन केन अमेरिका के अगले जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ होंगे। यह पद बीते दो महीने से खाली था क्योंकि पूर्व ज्वॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ को राष्ट्रपति ट्रंप ने बर्खास्त कर दिया था। नए ज्वॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ अमेरिकी वायुसेना के प्रतिष्ठित एफ-16 फाइटर प्लेन के पायलट रहे हैं।

डॉ. दिव्या सिस्टला

अमेरिका में एसीपी फेलोशिप से सम्मानित

अमेरिका निवासी और मूल रूप से तेलंगाना की एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. दिव्या सिस्टला को फेलो ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ फिजिशियन (एफएसीपी) की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया गया है, जो इंटरनल मेडिसिन के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। यह सम्मान एंडोक्राइनोलॉजी, मेडिकल रिसर्च और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अद्भुत कार्य के लिए दिया गया है।

डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी

लीजेंड्स ऑफ एंडोस्कोपी पुरस्कार से सम्मानित

एआईजी हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ डी. नागेश्वर रेड्डी को जापानी गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट समुदाय द्वारा लीजेंड्स ऑफ एंडोस्कोपी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) एंडोस्कोपी की उन्नति में उनके योगदान के लिए दिया गया है। यह पुरस्कार टोक्यो में शोवा मेडिकल यूनिवर्सिटी कोटो तोयोसु अस्पताल में आयोजित टोक्यो लाइव ग्लोबल एंडोस्कोपी 2025 कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया, जहां डॉ. रेड्डी ने जटिल एंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं का लाइव प्रदर्शन भी किया। डॉ. रेड्डी विश्व एंडोस्कोपी संगठन के महासचिव और बाद में विश्व एंडोस्कोपी संगठन के अध्यक्ष बने। उन्हें वर्ष 2016 में भारत सरकार से पद्मभूषण पुरस्कार मिला। वर्ष 2020 में अमेरिका गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिकल एसोसिएशन के फेलो से भी सम्मानित किया गया।

फिलाडेल्फिया चिड़ियाघर में

150 वर्षों में पहली बार गैलापागोस कछुए के बच्चे पैदा हुए

फिलाडेल्फिया चिड़ियाघर के लिए एक ऐतिहासिक घटना में लगभग 100 वर्षीय गैलापागोस कछुए मॉमी और अब्राजो ने चार बच्चे पैदा किए हैं। चिड़ियाघर ने उनके आगमन पर अपनी खुशी व्यक्त की। 70-80 ग्राम के बच्चे वर्तमान में सरीसृप और उभयचर घर में हैं, अच्छी तरह से बढ़ रहे हैं। 150 से अधिक वर्षों में चिड़ियाघर में पहली बार गैलापागोस कछुआ जन्मा है। अध्यक्ष और सीईओ जो-एले मोगरमैन ने एक बयान में कहा, ''यह फिलाडेल्फिया चिड़ियाघर के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और हम इस खबर को अपने शहर, क्षेत्र और दुनिया के साथ साझा करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।'' मोगरमैन ने कहा, मॉमी 1932 में चिड़ियाघर में आई थी, जिसका मतलब है कि पिछले 92 सालों में चिड़ियाघर में आने वाले हर व्यक्ति ने उसे देखा होगा। फिलाडेल्फिया चिड़ियाघर का कहना है कि ये बच्चे 100 साल बाद हमारे स्वस्थ ग्रह पर गैलापागोस कछुओं की समृद्ध आबादी का हिस्सा बनेंगे।

माइन-डिटेक्टर रोनिन चूहा

कंबोडिया में 100 से अधिक बारूदी सुरंगों को सूंघकर पहचाना

कंबोडिया में एक माइन-डिटेक्टिंग चूहे ने 100 से ज्यादा बारूदी सुरंगों और युद्ध के विस्फोटक अवशेषों का पता लगाने वाला पहला जीव बनकर इतिहास रच दिया है। इन जानवरों को प्रशिक्षित करने वाले गैर लाभकारी संगठन अपोपो के अनुसार रोनिन एक अफ्रीकी विशालकाय थैलीदार चूहे ने 2021 से 109 बारूदी सुरंगों और 15 बिना फटे आयुध वस्तुओं की खोज की है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने घोषणा की है कि अब रोनिन के नाम एक चूहे द्वारा सबसे अधिक बारूदी सुरंगों का पता लगाने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है, जिससे यह उजागर होता है कि उसका महत्वपूर्ण कार्य कंबोडिया में लोगों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। ज्ञात रहे कि अपोपो लगभग 30 वर्षों से चूहों को बारूदी सुरंगों का पता लगाने का प्रशिक्षण दे रहा है। रोनिन और अन्य प्रशिक्षित चूहे खोज के दौरान ग्रिड पैटर्न का अनुसरण करते हैं और जमीन को खरोंच कर बारूदी सुरंगों की मौजूदगी का संकेत देते हैं। वे आमतौर पर दिन में लगभग 30 मिनट काम करते हैं और एक निश्चित उम्र तक पहुंचने के बाद सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

पी. शिवकामी

वर्चोल दलित साहित्य पुरस्कार 2025 से सम्मानित

चेन्नई के नीलम सांस्कृतिक केंद्र ने प्रसिद्ध लेखिका, पूर्व आईएएस अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता पी. शिवकामी को साहित्यिक और सामाजिक योगदान के लिए वर्चोल दलित साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया। चेन्नई में हुए समारोह में एक लाख का नगद पुरस्कार भी दिया गया। यह कार्यक्रम न केवल साहित्यिक उत्कृष्टता का उत्सव था, बल्कि दलित साहित्य के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के लिए एक सशक्त समारोह माना जाता रहा है। पी. शिवकामी ने पुरस्कार ग्रहण करने के बाद सभी का धन्यवाद दिया।

डॉ. मोहन राजन

अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी के उपाध्यक्ष बने

राजन आई केयर हॉस्पिटल के अध्यक्ष और चिकित्सा निदेशक मोहन राजन को 29,000 से अधिक नेत्र रोग विशेषज्ञों वाली अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी (एआईओएस) का उपाध्यक्ष चुना गया। डॉ. मोहन राजन के चुनाव की घोषणा 5 अप्रैल को नई दिल्ली में एशिया पैसिफिक अकादमी कांग्रेस के दौरान सोसायटी की आम सभा की बैठक में की गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वे AIOS के 84 वर्षों में तमिलनाडु से पांचवें अध्यक्ष हैं। डॉ. मोहन राजन 2027 में एआईओएस के अध्यक्ष का पदभार संभाल सकते हैं।

गोलकोंडा ब्लू हीरा

जिनेवा में पहली बार नीलाम होगा

भारत की शाही विरासत से जुड़ा 23.24 कैरेट का ऐतिहासिक गोलकोंडा ब्लू हीरा 14 मई को जिनेवा में पहली बार नीलामी में रखा जाएगा, जिसकी अनुमानित कीमत 300 से 430 करोड़ रुपये आंकी गई है। भारत की शाही विरासत का ऐतिहासिक हीरा गोलकोंडा ब्लू जिनेवा के फोर सीजन्स होटल डेस बर्गेस में नीलामी के लिए रखा जाएगा। पेरिस के मशहूर डिजाइनर जेएआर ने 23.24 कैरेट के इस चमकीले ऐतिहासिक नीले हीरे को एक आकर्षक आधुनिक अंगूठी में जड़ा है। गोलकोंडा खदानों से खोजे गए इस हीरे पर कभी इंदौर व बड़ौदा के महाराजाओं का स्वामित्व रहा है। क्रिस्टी के अंतर्राष्ट्रीय आभूषण प्रमुख ने बताया, शाही विरासत संजोए हुए द गोलकोंडा ब्लू असाधारण रंग और आकार की वजह से दुनिया के दुर्लभ नीले हीरों में से एक है। यह नीलामी इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका संबंध भारतीय राजघराने से है।

पूर्व जज दिनेश माहेश्वरी

विधि आयोग के अध्यक्ष नियुक्त

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश दिनेश माहेश्वरी को 23वें विधि आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कानून मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विधि मामलों के विभाग के प्रस्ताव के अनुसार 23वें विधि आयोग में न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी, हितेश जैन और प्रो. डीपी वर्मा की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कार्यभार संभाल लिया। तेईसवें विधि आयोग का गठन पिछले साल तीन सितम्बर को तीन साल की अवधि के लिए किया गया था। अधिवक्ता हितेश जैन और प्रोफेसर डीपी वर्मा को इसका पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति माहेश्वरी मई 2023 में शीर्ष अदालत से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने सितम्बर 2004 में राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी और जुलाई 2014 में उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्थानांतरित किया गया। वह फरवरी 2016 में मेघालय हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश बने और फिर फरवरी 2018 में कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे।

स्मृति शेष

कथक गुरू कुमुदिनी लाखिया का निधन

प्रसिद्ध कथक गुरू कुमुदिनी लाखिया का 12 अप्रैल 2025 की सुबह 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। कुमुदिनी लाखिया को इस वर्ष भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। इससे पहले 2010 में उन्हें पद्मभूषण और 1987 में पद्मश्री से भी नवाजा गया था।

'ट्री मैन' रामैया का निधन

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित दरिपल्ली रामैया का तेलंगाना के खम्मम में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। वह 'ट्री मैन' के नाम से प्रसिद्ध थे। रामैया ने पांच दशकों से अधिक समय तक मिशन को आगे बढ़ाया और जीवनकाल में एक करोड़ से अधिक पौधे लगाए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सहित कई अन्य नेताओं ने रामैया के निधन पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दरिपल्ली रामैया गारू के अथक प्रयासों में प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम और भावी पीढ़ियों के प्रति चिंता झलकती है।

हॉलीवुड अभिनेता निकी कैट का निधन

बोस्टन पब्लिक में हैरी सीनेट की भूमिका निभाने वाले हॉलीवुड अभिनेता निकी कैट का निधन हो गया। वह 54 वर्ष के थे। वैराइटी के रिपोर्ट के अनुसार, उनके दोस्तों ने उनकी मृत्यु की सूचना दी। हॉलीवुड स्टार 2000 के दशक की फॉक्स ड्रामा 'बोस्टन पब्लिक' में हैरी सीनेट व 2003 की 'स्कूल ऑफ रॉक' में रेजर के किरदार के लिए प्रसिद्ध थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना, म.प्र.-485334

Ph. 07670-265411, E-mail : purchase@gramodayachitrakoot.ac.in

पत्राक: Pur 25-26 153(D-6) दिनांक : 02.04.2025

निविदा सूचना

शासन में पंजीकृत/निर्माता कंपनियों/अधिकृत विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ता/मुद्रकों/निविदाकार फर्मों से निम्नलिखित सामग्रियों की आपूर्ति हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। सामग्रियों की विस्तृत मात्रा विशिष्टियां, निविदा के नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में अंकित हैं।

निविदा क्र.	सामग्री/कार्य का विवरण	निविदा का मूल्य (रु. लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)
122/Pur/etend	सी.एम.सी.एल.डी.पी. संधान हेतु उत्तर पुस्तिकाओं आदि के मुद्रण कार्य की ई-निविदा	29.00	3000/-
123/Pur/etend	आयुर्वेद विभाग के लिए उपकरणों के क्रय हेतु ई-निविदा	14.50	1500/-
124/Pur/etend	विभिन्न विभागों के लिए कम्प्यूटर प्रिंटर आदि के क्रय हेतु ई-निविदा	4.20	500/-

1. इच्छुक निविदाकार वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर NIT एवं विस्तृत निविदा देख सकते हैं।
2. निविदा प्रपत्र पोर्टल पर ऑनलाइन 05.04.2025 को 5.00 PM से उपलब्ध रहेगा एवं 26.04.25 को 5.00 PM तक भरा जा सकेगा। अन्य महत्वपूर्ण तिथियों के लिये पोर्टल पर NIT ई-निविदा प्रपत्र देखें।
3. NIT एवं निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन की सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जायेगी, संशोधन सूचना केवल **http://mptenders.gov.in** पर प्रदर्शित की जायेगी।

आर-50831/2025 कुलसचिव

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना (म.प्र.)

वाक इन इंटरव्यू

प्रस्तावित ग्रामोदय आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज अंतर्गत संचालित बी.ए.एम.एस. कोर्स हेतु विभिन्न विशेषज्ञताओं में कन्सल्टेन्ट (Consultant)/सहायक प्रोफेसर की आवश्यकता है जिसका विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। दिनांक 22 अप्रैल 2025 को अपने प्रमाण-पत्रों सहित रजत जयंती भवन में 10.00 बजे उपस्थित हों।

www.gramodayachitrakoot.ac.in

आर-50832/2025 कुलसचिव

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग, संभाग रायसेन (म. प्र.)

ईमेल : eepwdraisen@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक : 07482-222051

निविदा सूचना क्र. 01/व.ले.लि./रायसेन/2025-26 रायसेन, दिनांक : 09.04.2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. कुटनासिर से शिवतला पलका श्री मार्ग पर मजबूतीकरण कार्य लम्बाई 7.50 कि.मी.

टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
2025_PWDRB_416120	रायसेन	मजबूतीकरण कार्य	प्रथम	498.43	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. झामर से जुझारपुर मार्ग का निर्माण कार्य। लम्बाई 4.50 कि.मी.

2025_PWDRB_416121	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	410.94	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. ग्राम कठोतिया से देवरी वाया गायखुरी तक मार्ग निर्माण कार्य। लम्बाई 4.00 कि.मी.

2025_PWDRB_416122	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	438.94	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. सर्रा सर्राखेड़ा फूलसिंह टपरा मार्ग का निर्माण कार्य। लम्बाई 3.30 कि.मी.

2025_PWDRB_416123	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	403.51	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. परवालिया से महुआखेड़ा चंदना रोड का मजबूतीकरण कार्य लम्बाई 5.40 कि.मी.

2025_PWDRB_416124	रायसेन	मजबूतीकरण कार्य	प्रथम	400.71	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. एन.एच. 86 राजीवनगर से भैंसाया (पीपलखिरिया) मार्ग का निर्माण कार्य। लम्बाई 3.70 कि.मी.

2025_PWDRB_416125	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	305.20	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. बबालिया से खरबई व्हाया खरहोद मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.30 कि.मी.

2025_PWDRB_416126	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	300.18	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. उडदमउ से पावर हाउस से ग्राम आफतगंज अजीतनगर मार्ग का निर्माण कार्य। लम्बाई 3.50 कि.मी.

2025_PWDRB_416127	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	295.19	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. उमरावगंज मुख्य सड़क (चुन्नीलाल के खेत) चिकलोद खुर्द तरफ मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.80 कि.मी.

2025_PWDRB_416128	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	290.84	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. निनोद से जमुनिया मार्ग का मजबूतीकरण कार्य लम्बाई 3.70 कि.मी.

2025_PWDRB_416129	रायसेन	मजबूतीकरण कार्य	प्रथम	283.05	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 11. अंजली होटल सांची कुआ नागोरी मांची रोड का निर्माण कार्य लम्बाई 2.50 कि.मी.

2025_PWDRB_416130	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	268.10	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 12. मुछैल से पी.एम.जी.एस.वाय. चांदपुरा मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 2.30 कि. मी.

2025_PWDRB_416131	रायसेन	निर्माण कार्य	प्रथम	265.42	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 13. रायसेन से परवरिया व्हाया मोनियाखेड़ी कोटरा मुगांवली मार्ग बी.टी. नवीनीकरण कि.मी. 1 से 10/4 कि.मी. तक लम्बाई 9.40 कि.मी.

2025_PWDRB_416142	रायसेन	बी.टी. नवीनीकरण	प्रथम	57.28	
			योग	4217.79	

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की 29.04.2025 (17.30) बजे अंतिम तिथि निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-11636/50829/2025 लोक निर्माण विभाग, रायसेन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 1 ग्वालियर

फोन नं. : 0751-2371231, ईमेल : eepwd1gwl@nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 01/टी.सी./डी-1ग्वा./2025-26 दिनांक : 09.04.2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन निविदा प्रपत्र 2.10 पर आमंत्रण की सूचना क्र.01 ग्वालियर दिनांक 09.04.2025 द्वारा प्रचलित भवन/पथ कार्यों की दर अनुसूची दिनांक 01.01.2024/25.03.2022 पर निविदायें लो.नि.वि. में केन्द्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार श्रेणी हेतु आमंत्रित की जाती हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। विभाग तकनीकी समस्याओं के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। एवं किन्हीं कारणों से की जाने वाली परिवर्तन की सूचना वेबसाइट पर ही देखें पृथक से प्रकाशित नहीं की जावेगी।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. संभाग अंतर्गत ग्वालियर-झांसी (ए.जी.ओ.बी. से विक्की फैक्ट्री) मार्ग के कि.मी. 5/6 (100)-8-10, 6 से 9 कुल लंबाई 4.50 कि.मी. में व्हाइट टॉपिंग निर्माण कार्य।

टेण्डर आई.डी.	(1) ठेके की अनु. लागत राशि रु. (2) अमानत राशि	टेण्डर फार्म की राशि (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	1. पंजीयन राशि
2025_PWDRB_416046_1	1. 1398.26 लाख 2. 1000000/-	30000/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. संभाग अंतर्गत न्यू कलेक्ट्रेट तिराहा से अलापुर तिराहा वाया सिरोल तिराहा (नोलखा सौंसा) मार्ग लंबाई 2.70 कि.मी. में व्हाइट टॉपिंग निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_416047_1	1. 801.70 लाख 2. 801700/-	20000/- + (पोर्टल चार्ज)	12 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. निर्माण कार्य डांडाखिरक भंवरपुरा मार्ग के कि.मी. 5 से मद्दाखों आश्रम मार्ग लंबाई 1.32 कि.मी.।

2025_PWDRB_416048_1	1. 86.16 लाख 2. 86160/-	10000/- + (पोर्टल चार्ज)	10 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. नगर निगम ग्वालियर के वार्ड-34 में काजल टॉकीज के नीचे की तरफ चर्च के सामने रोड के दोनों तरफ स्वणरेखा नाले के पहले साम्राहिक हाट बाजार स्थल पर पैवर ब्लॉक एवं नाली निर्माण कार्य (डिपॉजिट कार्य)

2025_PWDRB_416049_1	1. 14.61 लाख 2. 29500/-	2000/- + (पोर्टल चार्ज)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

कुल कार्य संख्या - 04 (चार)

ऑनलाइन निविदा जारी व डाउनलोड करने की आरंभ तिथि - 11.04.2025 प्रातः 10.30

ऑनलाइन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - **29.04.2025 प्रातः 17.30**

ऑनलाइन निविदा दर खुलने की तिथि - 01.05.2025 प्रातः 11.00

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाइट पर (Online System) ऑनलाइन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। तथा सम्पूर्ण जानकारी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.1 ग्वालियर (म.प्र.)

जी-11634/50828/2025 फोन - 07512371231

संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मध्यप्रदेश भोपाल

प.क. शाखा जय प्रकाश चिकित्सालय परिसर, भोपाल – 462003

ई-मेल : fw.dhs@mp.gov.in, website : health.mp.gov.in

क्रमांक/3/प.क./ सेल-1/2025/330 भोपाल, दिनांक :12.4.2025

संशोधित केबियेट हेतु जाहिर सूचना

माननीय उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर में दायर रिट पीटिशन याचिका क्रमांक 5133/2024 SEEMA PAL AND OTHERS VS THE STATE OF MADHYA PRADESH AND OTHERS एवं माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर में दायर रिट पीटिशन याचिका क्रमांक 5747/2023 TABASSUM QURAISHI AND OTHERS Vs THE STATE OF MADHYA PRADESH AND OTHERS समूह-5 अंतर्गत महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (ए.एन.एम.) की सीधी भर्ती के संबंध में डब्ल्यू.पी. संख्या 5133 और संबंधित मामलों में माननीय मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर बेंच ने दिनांक 05.04.2024 एक अंतरिम उपाय के रूप में राज्य को निर्देश दिया था कि वह माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष कार्यवाही की लंबितता के दौरान बैकलॉग पदों पर नियुक्ति प्रदान करे, जो रिट के अंतिम परिणाम के अधीन है। उक्त आदेशों के परिपालन में लगभग 123 महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (ए.एन.एम.) को नियुक्ति प्रदान की गई थी। नियुक्ति डब्ल्यू.पी. संख्या 5133 के आदेश दिनांक 05.04.2024 और डब्ल्यू.पी. संख्या 5747/2024 दिनांक 05.11.2024 के आदेशों के अनुपालन में दी गई थी। माननीय उच्च न्यायालय के उपरोक्त आदेशों को बाद में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 16.12.2024 को एसएलपी (सी) डायरी संख्या 54013/2024 और एसएलपी (सी) संख्या 29885/2024 के आदेश के माध्यम से रद्द कर दिया गया है

शासन द्वारा लिये गये निर्णयानुसार उक्त आदेशों के माध्यम से दी गई नियुक्ति तत्काल प्रभाव से निरस्त की गई है। इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर एवं खण्डपीठ इन्दौर एवं ग्वालियर में याचिकायें लगाये जाने की संभावना है, जिस हेतु शासन पक्ष की ओर से माननीय न्यायालय में केवियट दायर की जा रही है ताकि शासकीय प्रक्रिया निर्विघ्न संपन्न हो।

अपर संचालक प.के.

जी-11662/50838/2025 लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग

म.प्र. वाणिज्यिक कर अपील बोर्ड

59, अरेरा हिल्स, भोपाल - दूरभाष 0755-2570008

क्रमांक वाकअबो/स्था/2025/ भोपाल, दिनांक .....

राजपत्रित अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति हेतु विज्ञप्ति

अपील बोर्ड के भोपाल तथा इन्दौर मुख्यालय में निम्न लिखित पद की पूर्ति प्रतिनियुक्ति से किये जाने हेतु म.प्र. शासन के विभिन्न विभागों के राजपत्रित अधिकारियों के आवेदन आमंत्रित हैं:-

क्र.	पद का नाम	पद का वेतनबैंड में वेतनमान
1.	सहायक रजिस्ट्रार	15600-39100+5400 (पे मेट्रिक्स लेवल - 12)

शर्तें :– प्रतिनियुक्ति अवधि में म.प्र. शासन के प्रतिनियुक्ति नियम एवं शर्तें लागू होंगी। उपरोक्त वेतनमान से कम वेतनमान वाले **राजपत्रित अधिकारी** भी आवेदन कर सकते हैं। किन्तु अंतिम वेतन प्रमाण पत्र के आधार पर मूल विभाग में देय वेतन भत्ते ही प्राप्त होंगे। वेतन में कोई वृद्धि नहीं होगी।

आवेदन उचित माध्यम से प्रेषित करें। आवेदन की एडवांस कॉपी (शैक्षणिक योग्यता, विशेष योग्यता, पैतृक विभाग, पदनाम, वेतनमान तथा वर्तमान पदस्थापना का पूर्ण विवरण एवं पत्र व्यवहार का पूर्ण पता, पासपोर्ट साइज का फोटोग्राफ, दूरभाष क्रमांक सहित) सीधे रजिस्ट्रार को **दिनांक 28.04.2025 तक** प्राप्त हो जाना चाहिए। आवेदन में वांछित मुख्यालय भोपाल अथवा इन्दौर का स्पष्ट उल्लेख करें। यदि दोनों मुख्यालयों में से किसी में भी पदस्थापना के इच्छुक हैं तो प्राथमिकता क्रम अवश्य दें।

जी-11460/50821/2025 रजिस्ट्रार

कार्यालय जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र जिला आगर मालवा (म.प्र.)
(सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग)

क्रमांक/सा.न्या/डी.डी.आर.सी./2024-25/100 आगर मालवा, दिनांक: 08.04.2025

विज्ञापन

मध्यप्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मंत्रालय भोपाल के पत्र क. 2475/1306216/23/26-2 दिनांक 23.08.2023 के परिपालन में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र पुराना अस्पताल परिसर आगर, जिला आगर मालवा (म.प्र.) के अंतर्गत निम्न पदों की संविदा आधार पर पूर्ति किये जाने हेतु निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। पद, स्तर, वेतनमान, संविदा पारिश्रमिक, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य विवरण निम्नानुसार है। इच्छुक उम्मीदवार नीचे दिये गये निर्धारित प्रारूप में टाइप किया हुआ अपना आवेदन सम्पूर्ण जानकारी एवं मांगे गये प्रमाण पत्रों कि सत्यापित प्रतिलिपि के साथ व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा कार्यालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग कक्ष क्रमांक 05 संयुक्त कलेक्टर कार्यालय सारंगपुर रोड आगर जिला मालवा (म.प्र.) में अन्तिम तिथि **(विज्ञापन प्रकाशन से 15 दिवस)** तक जमा कर सकते हैं।

क्र.	पद का नाम	पदों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता/अनुभव	मानदेय
1.	क्लीनिकल मनोचिकित्सक/ पुनर्वास मनोचिकित्सक (कोई एक पद)	01	क्लीनिकल मनोचिकित्सक क. क्लीनिकल मनोचिकित्सा में एम.फिल. ख. क्लीनिकल मनोचिकित्सा में व्यावसायिक डिप्लोमा पुनर्वास मनोचिकित्सक क. पुनर्वास मनोचिकित्सा में एम.फिल. ख. पुनर्वास मनोचिकित्सा में ग्रेजुएट पोस्ट डिप्लोमा (पीजीडीआरपी)	20500
2.	सीनियर प्रोस्थेटिस्ट/ऑर्थोटिस्ट (ओएच श्रेणी) (कोई एक पद)	01	आरसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान से प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिस्ट (बीपीओ) में स्नातक	20500
3.	ऑडियोलॉजिस्ट और सीनीयर स्पीच थेरेपिस्ट (कोई एक पद)	01	ऑडियोलॉजी और स्पीच एंड लैग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) में स्नातक या बी.एससी स्पीच एवं हियरिंग	20500
4.	प्रोस्थेटिस्ट ऑर्थोटिस्ट तकनीशियन	01	पी एंड ओ में डिप्लोमा या 3 साल के अनुभव के साथ पी एंड ओ में प्रमाण पत्र	16000
5.	श्रवण सहायक/जूनियर स्पीच थेरेपिस्ट (ईयर मोल्ड टेक्निशियन) (कोई एक पद)	01	श्रवण यंत्रों की जानकारी मरम्मत/कर्ण मोल्ड बनाने के साथ वाक एवं श्रवण में डिप्लोमा या स्पीच एवं हियरिंग तकनिशियन पात्रता हियरिंग लैंग्वेज और स्पीच में डिप्लोमा (डीएचएलएस) ईयर मोल्ड तकनीशियन हियरिंग एण्ड रिपेयर और ईयर मोल्ड प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डीएचएआरईएमटी)	16000
6.	प्रारंभिक उपचार थेरेपिस्ट	01	पीजीडीडीटी/पीजीडीईआई/बीएमआर/बीआरएससी/ बीआरटी/एमआरएसी/एमएससीई-आई	14500
7.	केयर गिवर	01	सीसीसीजी/आरसीआई-सीसीसीजी/राष्ट्रीय न्यास या कक्षा 8वीं उत्तीर्ण जिसमें दिव्यांगजनों की देखभाल में 3 साल का अनुभव हो।	6250

Collector
Disst. Agar- Malwa

जी-11553/50824/2025

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल

क्र. 814/2025 शहडोल, दिनांक : 16.04.2025

विज्ञापन सूचना

वाहन क्रय किये जाने संबंधी निविदा MP E-tender पोर्टल पर निविदा क्रमांक 2025_PSNSU_416454-1 प्रकाशित की गई है।

आर-50825/2025 **कुलसचिव**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग भिण्ड (म.प्र.)

Website : www.mp.gov.in/pwd.mp, Email : eepwdbhind@mp.nic.in
Phone : 07534-234714, Fax : 233301

क्रमांक 1224/व.ले.लि./2025-26 भिण्ड/दिनांक : 09.04.2025

निविदा विज्ञप्ति सूचना क्रमांक 02/2025-26

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु सड़क अनुसूची दर 25.03.2022 पर निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा ऑनलाइन निविदा में अपेन्डिक्स 2.10 में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

स.क्र. कार्य का नाम :– 1. निर्माण कार्य अचलपुरा से बीहड़ वाले हनुमान जी मंदिर मार्ग लं. 2.00 कि.मी.।

टेण्डर आई.डी. क्र.	अनुमानित लागत (लाखों में)	अग्रिम धरोहर राशि (रुपयों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य(रु.)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	आमंत्रण क्रमांक	भौतिक दस्तावेज जमा करने का स्थान
2025_PWDRB_ 416595_1	158.07	158070.00	12500.00	05 माह वर्षाकाल सहित।	प्रथम	ऑनलाइन

स.क्र. कार्य का नाम :– 2. निर्माण कार्य बडोखरी से शाला मंदिर मार्ग लं. 1.30 कि.मी.।

2025_PWDRB_ 416596_1	89.50	89500.00	10000.00	04 माह वर्षाकाल सहित।	प्रथम	ऑनलाइन

स.क्र. कार्य का नाम :– 3. निर्माण कार्य ग्राम खुर्द से भापर मार्ग लं. 3.00 कि.मी.।

2025_PWDRB_ 416597 1	212:31	212310.00	15000.00	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	ऑनलाइन

स.क्र. कार्य का नाम :– 4. निर्माण कार्य मेहगांव गोना हरदासपुरा मार्ग लं. 0.15 कि.मी.।

2025_PWDRB_ 416598_1	25.41	50000.00	5000.00	02 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	ऑनलाइन

योग: - 04 कार्य:- 485.29 (चार करोड़ पिच्चासी लाख उनतीस हजार रु. मात्र)

1.	ऑनलाइन टेण्डर पब्लिश दिनांक	14.04.2025 समय 17:30 बजे
2.	निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय प्रारंभ दिनांक	14.04.2025 समय 17:30 बजे
3.	निविदा प्रपत्र विक्रय का अंतिम दिनांक	28.04.2025 समय 17:30 बजे
4.	ऑनलाइन बिड सबमिशन का प्रारंभ दिनांक	14.04.2025 समय 17:30 बजे
5.	ऑनलाइन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक	28.04.2025 समय 17:30 बजे
6.	बिड ओपनिंग दिनांक	01.05.2025 समय 11:30 बजे

a. अनुबंध के पूर्व एवं अनुबंध अवधि में लेवर पंजीयन करना अनिवार्य होगा, निविदा की वैधता अवधि 120 दिवस होगी।
b. निविदा संबंधी संशोधन उसी टेण्डर में ऑनलाइन देखे जा सकेंगे, अतिरिक्त प्रेस नोट नहीं निकाला जावेगा।
c. सक्षम अधिकारी को निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
d. उपरोक्त कार्यों हेतु संबंधित मद में आवंटन उपलब्ध होने पर ही भुगतान हो सकेगा।
e. समस्त जरूरी दस्तावेज ऑनलाइन ही प्रस्तुत करना अनिवार्य है, अन्यथा की स्थिति में ठेकेदार स्वयं जिम्मेदार होंगे।
f. उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
जी-11694/50839/2025 **लो.नि.वि. संभाग भिण्ड, मो.नं. 9981044395**

योजना

मेक इन इंडिया की सफलता से मिला कैपिटल गुड्स इंडस्ट्री को प्रोत्साहन

भारत के औद्योगिक और आर्थिक विकास को गति देने में कैपिटल गुड्स इंडस्ट्री का महत्वपूर्ण योगदान है। कैपिटल गुड्स इंडस्ट्री में भारी इंजीनियरिंग और मशीन टूल्स क्षेत्र शामिल है। देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए विद्युत उपकरण, मशीनरी और निर्माण कार्य आवश्यक है। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में मेक इन इंडिया अभियान की शुरुआत की। इसका उद्देश्य सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाना, रोज़गार के अवसर उपलब्ध करना और तकनीकी क्षमताओं में सुधार लाना है। कैपिटल गुड्स सेक्टर्स इस उद्देश्य की पूर्ति के तहत बड़े स्तर पर विनिर्माण और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सहयोगी है। यही नहीं औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने और विश्व बाजार में बेहतर स्थिति निर्माण करने में भी इसका योगदान है। विगत दिनों जारी केंद्रीय बजट 2025-26 में छूट प्राप्त पूंजीगत वस्तुओं की सूची में ईवी बैटरी निर्माण के लिए 35 अतिरिक्त पूंजीगत वस्तुओं और मोबाइल फोन बैटरी निर्माण के लिए 28 अतिरिक्त पूंजीगत वस्तुएं शामिल करने का प्रस्ताव है। इससे मोबाइल फोन और इलेक्ट्रिक वाहनों दोनों के लिए लीथियम-आयन बैटरी के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा।

कैपिटल गुड्स इंडस्ट्री के उपक्षेत्र

भारी इंजीनियरिंग और मशीन टूल्स सेक्टर (कैपिटल गुड्स इंडस्ट्री) में डाई, मोल्ड्स और प्रेस टूल्स, प्लास्टिक मशीनरी, अर्थमूविंग और माइनिंग मशीनरी, धातुकर्म मशीनरी, कपड़ा मशीनरी, प्रोसेस प्लांट उपकरण, प्रिंटिंग मशीनरी और खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी शामिल हैं।

उत्पादन

कैपिटल गुड्स इंडस्ट्री का जीडीपी में लगभग 1.9 प्रतिशत का योगदान है। कैपिटल गुड्स सेक्टर का उत्पादन 2014-15 में 2,29,533 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 4,29,001 करोड़ रुपये हो गया है।

कैपिटल गुड्स सेक्टर की नीति

- इस क्षेत्र के लिए किसी औद्योगिक लाइसेंस की जरूरत नहीं है।
- भारत के साथ भूमिगत सीमा वाले देशों को छोड़कर, स्वचालित मार्ग पर 100 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति है।
- विदेशी सहयोगी को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, डिजाइन और ड्राइंग, रॉयल्टी आदि के लिए भुगतान की मात्रा सीमित नहीं है।
- आयात और निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

योजना का चरण-1

कैपिटल गुड्स सेक्टर के लिए कौशल अंतराल, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और प्रौद्योगिकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए, पूंजीगत वस्तु योजना का प्रथम चरण नवंबर 2014 में शुरू किया गया था, जिसका कुल आउटले 995.96 करोड़ रुपये था। योजना के पहले चरण में सरकारी सहायता से प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षाविदों और उद्योग के बीच साझेदारी को बढ़ावा दिया गया। योजना के परिणामों ने प्रौद्योगिकी और औद्योगिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अपनाई गई रणनीतियों के प्रभाव को सिद्ध कर दिया है।

योजना का चरण-2

भारी उद्योग मंत्रालय ने 25 जनवरी, 2022 को योजना का दूसरा चरण लागू किया। जिसका उद्देश्य पूंजीगत वस्तु योजना के पहले चरण द्वारा सृजित प्रभाव को विस्तारित और व्यापक बनाना है। जिससे एक सुदृढ़ और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कैपिटल गुड्स सेक्टर के निर्माण के माध्यम से अधिक प्रोत्साहन मिल सके। इस योजना का वित्तीय आउटले 1207 करोड़ रुपये है, जिसमें 975 करोड़ रुपये का बजटीय सहयोग और 232 करोड़ रुपये का उद्योग का योगदान शामिल है। दूसरे चरण के अंतर्गत, अगस्त 2024 तक 1366.94 करोड़ रुपये (उद्योग द्वारा अधिक योगदान के कारण) की परियोजना लागत और 963.19 करोड़ रुपये के सरकारी योगदान वाली कुल 33 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

राष्ट्रीय पूंजीगत वस्तु नीति (2016)

भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय की ओर से तैयार की गई राष्ट्रीय पूंजीगत वस्तु नीति, भारत में कैपिटल गुड्स सेक्टर को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से एक व्यापक रूपरेखा है। नीति में विनिर्माण गतिविधि में इस क्षेत्र के योगदान को 12 प्रतिशत (2016) से बढ़ाकर 2025 तक 20 प्रतिशत करने की परिकल्पना की गई है। यह भारत को शीर्ष पूंजीगत वस्तु उत्पादक देशों में से एक बनाने का प्रयास है। इसका लक्ष्य उत्पादन को दोगुने से अधिक करना और निर्यात को कुल उत्पादन का कम से कम 40 प्रतिशत तक बढ़ाना है। इसके अतिरिक्त, नीति का उद्देश्य इस क्षेत्र के भीतर प्रौद्योगिकी की गहराई को बढ़ाना है, जो बुनियादी और मध्यवर्ती स्तरों से उन्नत स्तरों तक ले जाने का लक्ष्य है।

कैपिटल गुड्स की उपलब्धियां

- सिटार्क, कोयंबटूर ने कैपिटल गुड्स स्कीम के अंतर्गत स्वदेशी रूप से 6-इंच का बीएलडीसी सबमर्सिबल पंप तैयार किया है, जिसकी मोटर दक्षता 88 प्रतिशत और पंप दक्षता 78 प्रतिशत है। यह पहल "आत्मनिर्भरता" को प्रोत्साहित करती है। इस नवाचार को संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) की ओर से पंप श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ उत्पाद के रूप में मान्यता दी गई थी।
- सीएमटीआई ने 450 आरपीएम तक यार्न बुनाई में सक्षम एक हाई-स्पीड रैपियर लूम मशीन तैयार की है। इस मशीन को इटली के मिलान में आईटीएमए 2023 में लॉन्च किया गया था।
- सीएमटीआई में समर्थ केंद्र के अंतर्गत, निवारक रखरखाव के लिए 64 मशीनों को नियंत्रित करने वाली टोयोटा इंजन मैन्युफैक्चरिंग लाइन में औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईआईओटी) तकनीक लागू की गई है।
- भारी उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में भारत में पहली बार एआरएआई, पुणे में बैटरी और बैटरी प्रबंधन प्रणाली (बीएमएस) के लिए एक परीक्षण सुविधा स्थापित की गई है।

- हितेश शर्मा
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

APPOINTMENTS

APPLICATIONS ARE INVITED FOR THE POST OF COMPETENT ACADEMICIANS FOR

PROFESSORS, ASSOCIATE PROFESSORS & ASSISTANT PROFESSORS

MALWA INSTITUTE OF TECHNOLOGY, INDORE — ESTABLISHED IN 2004

ALTIUS INSTITUTE OF UNIVERSAL STUDIES — ESTABLISHED IN 2010

Interview for Academicians will be held as per College Code 30 of RGPV, Bhopal (For Technical Courses) & under Code 28 of DAVV, Indore (For Higher Education/Professional Courses.

- Computer Sc. & Engg. - IT - AIML
- Electrical & Electronics - Civil Engineering
- Automobile/Mechanical Engg. - Electronics & Com.
- Applied Sc. Humanities (Physics, Chemistry, Maths, Comm. Skills)
- MBA (HR/Finance/Mkt./IT/Production & Operations)
- English - Hindi - Economics & Law
- Maths - Seed Tech. - Computer Sc.
- Chemistry - Pharma Chemistry
- Journalism & Mass Comm.
- Commerce - Management

Applications are also invited for Administrative & Supporting Staff

Soft Skills and Aptitude Trainer - Sports Officer - Accounts Manager/Officer/ Graphic Designer - Store Incharge - Supervisor (Housekeeping & Maintenance) - Librarian/Asst. Librarian - Marketing Exe. - Counsellor/Telecaller - Office Assitants - Transport Incharge - Technicians/Assistants - Book Lifter

Qualification, Experience and Pay Scale as per UGC/AICTE/Govt. Norms

Interested candidates are requested to mail their C.V. within 7 days to jobs@mitindore.co.in, mit@mitindore.co.in

Contact : 9109111991-95, Tel : + 07312810001-08, Nipania, Indore-Dewas Bypass Road, INDORE (M.P.) -452016

R-50837/2025

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
R.O. Chambal, City Center, Gwalior, Website : iidcgwalior.com

निविदा क्रमांक 28 — **ई-टेण्डर नोटिस** — दिनांक : 15.04.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत/धरोहर राशि
औद्योगिक क्षेत्र बानमौर जिला मुरैना की स्ट्रीट लाइट के उन्नयनीकरण का कार्य।	53,96,000.00/- 1,08,000.00

निविदा प्रपत्र **दिनांक 17.04.2025 से 05.05.2025 समय 5.30 सायं तक https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/119683/2025 R-50834/2025 कार्यपालन यंत्री

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
R.O. Chambal City Center, Gwalior, website : iidcgwalior.com

निविदा क्रमांक 27 — **ई-टेण्डर नोटिस** — दिनांक : 15.04.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत/ धरोहर राशि
औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर जिला भिण्ड के जीबीडी ब्लॉक में 11 केवी विद्युत लाइन बिछाने का कार्य।	41,12,000.00/ 82,500.00

निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.04.2025 से 06.05.2025** समय 5.30 सायं तक **https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/119715/2025 R-50841/2025 कार्यपालन यंत्री

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय
कोलार रोड, भोपाल-462016 (म.प्र.)

प्रवेश सूचना

बी.एड. (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा) द्विवार्षिक कार्यक्रम सत्र 2025-27 (यूजीसी एवं NCTE से मान्यता प्राप्त)

अर्हता - 1. स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। (इन्जीनियरिंग या समतुल्य अर्हता वाले पाठ्यक्रम के लिए 55% अंकों की अनिवार्यता है।) 2. NCTE से मान्यता प्राप्त शिक्षा विषय का कोई कार्यक्रम नियमित रीति से पूर्ण किया हो।
कार्यक्रम शुल्क - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 30000/- पंजीयन शुल्क रु. 800/- + पोर्टल फीस रु. 50/-
प्रवेश परीक्षा- आवंटित ऑनलाइन केन्द्रों पर आयोजित होगी जिसकी सूचना पृथक से mponline के माध्यम से दी जायेगी।

डी.एल.एड. (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा) द्विवार्षिक कार्यक्रम सत्र 2025-27 (NCTE से मान्यता प्राप्त)

अर्हता- 1. हायर सेकेण्डरी/10+2 परीक्षा 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने के पश्चात् किसी सरकारी अथवा सरकारी मान्यता प्राप्त प्राथमिक/प्रारंभिक विद्यालय में दो वर्ष का अध्ययन अनुभव तथा वर्तमान में नियमित शिक्षक के रूप में कार्यरत होना अनिवार्य है।
कार्यक्रम शुल्क- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 19200/- पंजीयन शुल्क रु. 800/- + पोर्टल फीस रु. 50/-
प्रवेश परीक्षा- आवंटित ऑनलाइन केन्द्रों पर आयोजित होगी जिसकी सूचना पृथक से mponline के माध्यम से दी जायेगी।
सभी कार्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन :- प्रवेश परीक्षा CBT With SD100 (Without Isolation) में सम्मिलित होने के लिए आवेदन mponline portal के माध्यम से दिनांक 17.04.2025 से 15.05.2025 तक एवं विलम्ब शुल्क रु. 300/- के साथ 25.05.2025 तक स्वीकार किये जायेंगे।
नोट:- 1. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्गों के लिए स्थान आरक्षण सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर म.प्र. शासन के नियमानुसार होगा। ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पूर्व कियोस्क से डाउनलोड किये जा सकेंगे। प्रवेश संबंधी विस्तृत विज्ञापन एवं जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट **http://mpbou.edu.in** पर उपलब्ध है। 2. यूजीसी मान्यता प्रावधिक है। 3. किसी शहर में अभ्यार्थियों की संख्या 50 से कम होने पर वहाँ के अभ्यार्थियों को निकटतम शहर में स्थित परीक्षा केन्द्र पर स्थानांतरित किया जायेगा।

म.प्र. माध्यम/119697/2025 R-50836/2025 कुलसचिव

मुख्यमंत्री को प्रदान किया गया बेस्ट स्टेट फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स अवॉर्ड

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एसीईएस अवॉर्ड-2025 के अंतर्गत बेस्ट स्टेट फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स का अवॉर्ड प्रदान किया गया। द हिंदू समाचार पत्र समूह की खेल पत्रिका स्पोर्ट्स स्टार की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को यह पुरस्कार पत्रिका के संपादक श्री वी.वी. राजशेखर राव तथा नेशनल हेड श्री सतीश मेंडन ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहन के लिए ग्राम से लेकर राज्य स्तर तक प्रयास किए जा रहे हैं। सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक स्टेडियम स्थापित करने के लिए कार्य जारी है।

स्पोर्ट्स स्टार के संपादक श्री वी.वी. राजशेखर राव ने बताया कि प्रदेश में खेल प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध कराई गई अधोसंरचना, प्रशिक्षण व्यवस्था और परम्परागत खेलों को प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों तथा आवश्यकता के अनुरूप खेल नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM
21, Arera Hills, Bhopal-462011 M.P. (India), Tel. : (91) 755-2571830, 2575618, 3523555, 3523505,
E-mail : helpdesk@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in, CIN : U51102MP1977SGC001392
MPIDC/CE/Tech-RFP/2025/207/ Date: 15.04.2025

NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Industrial Development Corporation Ltd. (MPIDC Ltd.) invites online percentage rate bids for the following work from registered contractors and firms for the following work :-

NIT No.	Name of Work	District	Probable Amount of Contract (in Rs. Cr.)
207	Construction of 220KV Feeder Bay -2 NOS and 220 KV DCDS line from 400 KV S/S Pithampur (MPPTCL) to proposed 220KV MPIDC S/S Sector-7, Pithampur with ZEBRA ACSR Conductor & Construction of 220/132/33 KV S/S in MPIDC S/S Sector-7, Pithampur (Second Call)	Dhar	120.14

The Tender documents can be downloaded from the e-procurement **Portal- https://mptenders.gov.in – MPIDC HO**

M.P. Madhyam/119679/2025 R-50833/2025 **CHIEF ENGINEER**

MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (U) Ltd.)
Regional Office : Ujjain, CIN : U51102MP1977SGC001392
No. MPIDC/ROUJJ/TECH/2025/135 Date- 16.04.2025

NOTICE INVITING TENDER

MP Industrial Development Corporation Ltd., Regional Office Ujjain invites online percentage rate bids from registered contractors and Firms having relevant experience for the following work:

Sr. No.	Name of Works	PAC	EMD	Cost of Tender Form
1.	Selection of Outsourcing Agency for Vehicles for MPIDC R.O. Ujjain	Rs. 89.88 Lacs	Rs. 89,880/-	Rs. 11,800/- (i/c GST)

The Corrigendum, if any shall not be published in the newspaper, it will be uploaded on the E-Procurement System.

M.P. Madhyam/119695/2025 R-50835/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

पं. खुशीलाल शर्मा, शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान
कार्यालय, प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
(साइन्स हिल्स, मैनिट के पीछे, कोलार-नेहरू नगर रोड, भोपाल-462003)
दूरभाष क्र. : 0755-2970310
Website : www.klsgaci.edu.in, E-mail : Principal@Klsgaci.edu.in
स्था/395-95 दिनांक : 17.04.2025

प्रेस विज्ञप्ति

म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, भोपाल तथा संचालनालय आयुष म.प्र., भोपाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में संस्थान के अंतर्गत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के दिव्यांगजनों के लिये आरक्षित एवं रिक्त पदों की पूर्ति, विशेष भर्ती अभियान के तहत, वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से किये जाने हेतु विज्ञापन क्रमांक/2025/स्थापना/3617, दिनांक 18.03.2025 जारी किया गया था।

शासन पत्र क्रमांक/1421/1466060/2025/1/59, दिनांक 15.04.2025 एवं संचालनालय पत्र क्रमांक/2025/4-स्थापना/1441-43, दिनांक 16.04.2025 द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में उपरोक्त विज्ञापन पर कार्यवाही आगामी आदेश तक रोकी जाती है।

शासन/संचालनालय से आवश्यक निर्देश प्राप्त होने पर तदनुसार आगामी कार्यवाही की जा सकेगी।

म.प्र. माध्यम/119713/2025 प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

R-50840/2025

स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक विश्व के भरण पोषण में सामर्थ्यवान बनेगा भारत - मंत्री श्री परमार

भोपाल, स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष@2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प पूरे देश का संकल्प है। विश्वमंच पर पुनः सिरमौर बनाने के लिए, सभी को सहभागिता करने की आवश्यकता है! हम सभी को अपना योगदान देना होगा। भारत की गौरवशाली सभ्यता, विरासत, ज्ञान परम्परा एवं भाषाओं से प्रेरणा लेकर हम सभी को राष्ट्र के पुनर्निर्माण में सहभागिता करनी होगी। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 में जब भारत विश्वगुरु बनेगा, तब हमारा विकसित भारत ऊर्जा एवं खाद्यान्न में आत्मनिर्भर होकर विश्व के अन्य देशों के भरण पोषण में भी सामर्थ्यवान बनेगा। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित 'टीआईटी टेक्नोक्रेट्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस' के सभागृह में आयोजित 'ग्रेजुएशन सेरेमनी-2025' के अवसर पर कही। श्री परमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारत की समृद्ध विरासत, ज्ञान परम्परा और संकल्पना के संदर्भ में प्रकाश डालते हुए अभिप्रेरित किया।

श्री परमार ने कहा कि भारत अपनी ज्ञान परम्परा के आधार पर विश्वमंच पर सिरमौर था। भारत के पुरातन ज्ञान को पुनः विश्वमंच पर युगानुकूल परिप्रेक्ष्य में भारतीय दृष्टिकोण के साथ, प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए हमें हमारे पूर्वजों की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर गर्व का भाव जागृत कर, उनके बनाए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

श्री परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में इंजीनियरिंग सहित समस्त विषयों में भारत का पुरातन ज्ञान विद्यमान है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने हमें हीन भावना से मुक्त होकर स्वाभिमान को जागृत करने का अवसर दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने शिक्षा में भारतीय दृष्टि के समावेश का अवसर दिया है। इसके परिप्रेक्ष्य में हर विधा हर क्षेत्र में भारत केंद्रित शिक्षा का समावेश हो रहा है।

हमारे पूर्वजों ने प्रकृति, जल स्रोतों एवं सूर्य सहित समस्त ऊर्जा स्रोतों के संरक्षण के भाव से, शोध एवं अनुसंधान के आधार पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समाज में परम्परा के रूप में स्थापित की। कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारी संस्कृति और सभ्यता है। हमारे पूर्वज सूर्य उपासक थे, प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों की उपयोगिता और महत्व को जानते थे। श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष@2047 तक भारत, सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होकर, अन्य देशों की पूर्ति करने में समर्थ देश बनेगा। साथ ही वर्ष@2047 तक खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होकर, अन्य देशों का भरण पोषण करने में भी सामर्थ्यवान देश बनेगा। हम सभी की सहभागिता से, अपने पूर्वजों के ज्ञान के आधार पर पुनः विश्वमंच पर सिरमौर राष्ट्र का पुनर्निर्माण होगा। इसके लिए हमें स्वाभिमान के साथ हर क्षेत्र में अपने परिश्रम और तप से आगे बढ़कर, विश्व मंच पर अपनी मातृभूमि का परचम लहराना होगा। हम सभी की संकल्पशक्ति और सहभागिता से भारत पुनः 'विश्वगुरु' बनेगा।

जॉब अलर्ट

ओडिशा लोक सेवा आयोग

पद का नाम - मेडिकल ऑफिसर
पदों की संख्या - 5248
योग्यता - भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता प्राप्त महाविद्यालय या संस्थान से एमबीबीएस या समकक्ष डिग्री
अंतिम तिथि - 15 मई, 2025
वेब. - https://www.opsc.gov.in

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश

पद का नाम - प्रोफेसर, एडिशनल प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 97
योग्यता - चिकित्सा शिक्षा में न्यूनतम स्नातकोत्तर डिग्री
अंतिम तिथि - 27 अप्रैल, 2025
वेब. - https://aiimsrishikesh.edu.in

इंडिया टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन

पद का नाम - डिप्टी जनरल मैनेजर, मैनेजर, शेफ, असिस्टेंट मैनेजर, असिस्टेंट कंपनी सेक्रेटरी
पदों की संख्या - 26
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 अप्रैल, 2025
वेब. - https://itdc.co.in

न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - कार्यकारी प्रशिक्षु, ग्रेजुएट अप्रेंटिस, डिप्लोमा अप्रेंटिस, ट्रेड अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 522
योग्यता - कार्यकारी प्रशिक्षु के लिए ग्रेजुएट एप्टीट्यूड इन इंजीनियरिंग (गेट) परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य तथा ग्रेजुएट अप्रेंटिस के लिए मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री, डिप्लोमा अप्रेंटिस के लिए मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा तथा ट्रेड अप्रेंटिस के लिए संबंधित ट्रेड में आईटीआई प्रमाण पत्र।
अंतिम तिथि - 30 अप्रैल, 2025
वेब. - https://www.npcil.nic.in

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - जूनियर एक्जीक्यूटिव (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन, केमिकल, फायर एंड सेफ्टी)
पदों की संख्या - 63
योग्यता - डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग
अंतिम तिथि - 30 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - https://www.hindustan-petroleum.com

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - जूनियर टेक्निकल मैनेजर, असिस्टेंट टेक्निकल मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर
पदों की संख्या - 71
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - https://www.nhsrcl.in

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड

पद का नाम - अभियंता (सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, आईटी, सीएंडएम), कार्यपालक (मानव संसाधन, वित्त)
पदों की संख्या - 182
योग्यता - अभियंता पद के लिए बीई/बीटेक की डिग्री तथा कार्यपालक पद के लिए पोस्ट ग्रेजुएट या सीए की डिग्री
अंतिम तिथि - 01 मई, 2025
वेबसाइट - https://www.ngel.in

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम लिमिटेड

पद का नाम - कनिष्ठ अभियंता (विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी, यांत्रिकी, सिविल), कार्यक्रम सहयोगी, सहायक (मानव संसाधन, कॉर्पोरेट आतिथ्य), कनिष्ठ अनुरक्षक (विद्युत, यांत्रिक)
पदों की संख्या - 72
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - https://ncrtc.in

इंजिन निर्माणी आवड़ी आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड

पद का नाम - कनिष्ठ प्रबंधक (उत्पादन, गुणता, डिजाइन, मानव संसाधन, संरक्षा, वित्त एवं लेखा, विपणन एवं निर्यात), कनिष्ठ तकनीशियन (फिटर जनरल, मशीनिस्ट, वेल्डर)
पदों की संख्या - 80
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 25 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - https://avnl.co.in

गार्डेन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड

पद का नाम - महाप्रबंधक, अपर महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, प्रबंधक, उप प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, कनिष्ठ प्रबंधक, परियोजना अधीक्षक
पदों की संख्या - 40
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 26 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - https://grse.in

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - पीएचडी (पूर्णकालिक) कार्यक्रम, पीएचडी (अंशकालिक) कार्यक्रम
योग्यता- उक्त दोनों पाठ्यक्रमों के लिए सामाजिक विज्ञान तथा उससे संबद्ध विषयों में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि (मास्टर डिग्री) हो तथा अन्य जरूरी योग्यताएं।
अंतिम तिथि - 30 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - https://www.niepa.ac.in

रेल परिवहन संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - परिवहन अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन, मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट (कंटेनराइजेशन) एवं लॉजिस्टिक प्रबंधन, रेल परिवहन एवं प्रबंधन, पोर्ट विकास और प्रबंधन
योग्यता- किसी भी विषय में स्नातक या तीन वर्षीय डिप्लोमा उत्तीर्ण हो।
अंतिम तिथि - 30 अप्रैल, 2025
वेबसाइट - www.irt.indianrailways.gov.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

मध्यप्रदेश की नदियां

मध्यप्रदेश की जीवनरेखा सदानीरा नर्मदा-1

मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार हैं। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल, जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया जा रहा है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की जीवन रेखा नर्मदा नदी का परिचय –

नर्मदा, भारत की हृदय रेखा है। यह देश के मध्यभाग में पश्चिम की ओर बहती है। यह मध्यप्रदेश और गुजरात राज्य की प्रमुख नदी है। पुण्य सप्त सरिताओं में से एक नर्मदा मात्र ऐसी नदी है जिसकी परिक्रमा की जाती है। मान्यता है कि समस्त ताप नाशिनी नर्मदा की परिक्रमा से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। इसे पुराणों में पुण्यमयी नदी कहा गया है। देश की सबसे प्राचीनतम नदी नर्मदा विंध्याचल की मेकल पहाड़ी श्रृंखला में अमरकंटक नामक स्थान से निकलती है। यह मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर करीब 1312 किलोमीटर पथ तय कर भरुच के आगे खम्भात की खाड़ी में मिलती है।

पौराणिक ग्रंथों में नर्मदा जी का अस्तित्व अति प्राचीन है। यह इतिहास और भूगोल के उथल-पुथल की साक्षी है। इसके तट पर करोड़ों वर्ष पुराने डायनासोर और वनस्पतियों के जीवाश्म मिले हैं। मान्यतानुसार प्राकृतिक उथल-पुथल से समुद्र पीछे चला गया और फिर नर्मदा की उत्पत्ति हुई। पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख है कि नर्मदा की उत्पत्ति शिव तांडव नृत्य में रत होने के बाद उनके स्वेद कण से हुई है और फिर मेकल पर्वत ने नर्मदा को धारण किया और वह अमरकंटक से प्रवाहमान हुई। इस तरह नर्मदा एक तरफ प्रकृति की उलटफेर और महाप्रलय की साक्षी है वहीं शिव तांडव के उपरांत जन-जन के लिए जीवनदायिनी स्वरूप में प्रवाहमान है। अब इसे धरती के भीतर मौजूद प्लेटों की टकराहट कहें या शिव का तांडवा यही नर्मदा जी के जन्म की गाथा है।

मध्यप्रदेश में नर्मदा का प्रवाह क्षेत्र अमरकंटक से सोंडवा तक 1079 किलोमीटर है। जो इसकी कुल लंबाई का 82.24 प्रतिशत है। नर्मदा जी के किनारे 21 जिले, 68 तहसीलें, 1138 ग्राम और 1126 घाट हैं। नर्मदा किनारे 430 प्राचीन शिव मंदिर और दो शक्तिपीठ विद्यमान हैं। नर्मदा अपनी सहायक नदियों सहित प्रदेश के बहुत बड़े क्षेत्र के लिए सिंचाई और पेयजल का स्रोत है। नर्मदा नदी का कृषि, पर्यटन और उद्योगों के विकास में विशेष योगदान है। नर्मदा के तट पर उगाई जाने वाली मुख्य फसलें धान, गन्ना, दालें, तिलहन, आलू, गेहूं, कपास आदि हैं। इसके तट पर ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से कई पर्यटन स्थल हैं। नर्मदा नदी सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और धार्मिक दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसके तट पर कोटि तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार अमरकंटक से लेकर नर्मदा संगम तक 10 करोड़ तीर्थ हैं। कहा जाता है कि नर्मदा संगम के दर्शन से सभी तीर्थों के दर्शन का लाभ प्राप्त हो जाता है।

नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक

अमरकंटक नर्मदा का उद्गम स्थल है। पुराणों में इसे कलिंग क्षेत्र कहा गया है। संभवतः उस समय इसकी भौगोलिक सीमा उड़ीसा तक रही होगी। नर्मदा नदी का उद्गम स्थल 11 कोणीय एक बड़ा कुंड है, जो पश्चिम की ओर गौमुख के आकार में है। इसे कोटि तीर्थ कहते हैं। मान्यता है कि करोड़ों देवताओं के द्वारा तप किये जाने के कारण यह कोटि तीर्थ कहलाया। नर्मदा अमरकंटक से निकलकर नर्मदा कपिलधारा जल प्रपात का निर्माण करती है। इसके बाद दूधधारा में बहती है, जहां इसकी सहस्र धाराएं, बहुत ही सुंदर झरने का निर्माण करती है।

नर्मदा पर निर्मित बांध

नदी पर बने प्रमुख बांधो में ओंकारेश्वर और महेश्वर बांध शामिल हैं।

नर्मदा का बहाव क्षेत्र

नर्मदा नदी मध्यप्रदेश के अमरकंटक से निकलकर शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, मंडला, डिंडौरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, सीहोर, हरदा, खंडवा, खरगोन, बड़वानी आदि से होते हुए अपनी यात्रा पूरी करती है। इसके बाद 32 किलोमीटर मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र तथा 40 किलोमीटर मध्यप्रदेश एवं गुजरात की सीमाओं से बहते हुए गुजरात राज्य में प्रवेश कर 161 किलोमीटर की यात्रा पूरी करते हुए खंभात की खाड़ी में मिल जाती है। नर्मदा का कुल कछार क्षेत्र 98796 वर्ग किलोमीटर है। इस कछार का 85859 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र मध्यप्रदेश में है। 1538 वर्ग किलोमीटर महाराष्ट्र तथा 11399 वर्ग किलोमीटर गुजरात में है। नर्मदा कछार क्षेत्र में मध्यप्रदेश के 25, गुजरात के 5, छत्तीसगढ़ के 2 और महाराष्ट्र का एक जिला आता है।

नर्मदा की सहायक नदियां

नर्मदा की अनेक सहायक नदियां हैं, लेकिन जिन सहायक नदियों का जलग्रहण क्षेत्र 500 वर्ग किलोमीटर से अधिक है, ऐसी प्रमुख सहायक नदियों की संख्या 41 है। इनमें से 19 सहायक नदियां दायें तट से तथा 22 नदियां बाएं तट से नर्मदा में मिलती हैं। कुल 41 प्रमुख सहायक नदियों में से 39 सहायक नदियां मध्यप्रदेश में मिलती हैं तथा केवल 2 सहायक नदियां गुजरात में मिलती हैं। इनके अतिरिक्त नर्मदा की कई उप सहायक नदियां भी हैं अर्थात एक नदी सहायक नदी से मिलती है तथा आगे जाकर वो सहायक नदी नर्मदा नदी में मिल जाती है।

दाहिनी ओर से प्रमुख सहायक नदियां हैं- हिरन, तेंदोरी, बरना, कोलार, मान, उरी, हटनी और ओरसांग।

प्रमुख बायीं सहायक नदियां हैं- बर्नर, बंजार, शेर, शक्कर, दूधी, तवा, गंजाल, छोटा तवा, कुंडी, गोई और कर्जन।

नर्मदा नदी को प्रपात बाहुल्य कहा जाता है। अपने उद्गम के बाद इस नदी का पहला प्रपात है कपिलधारा, इसमें ऐसा लगता है मानो नर्मदा यहां वेग से कूद पड़ी हो। नदी का अगला प्रपात है दूधधारा जिसमें वह दूध की तरह निर्मल-धवल बहती है। नर्मदा का पहला संगम है सिवनी संगम। यहां से जब नर्मदा आगे बढ़ती है तो डिंडौरी से होते हुए जाती है। यहां बैगा जनजातियों द्वारा नर्मदा नदी के प्रति मां और बेटे का स्नेह दिखाई देता है। डिंडौरी के आगे नर्मदा मंडला की ओर बढ़ती है। मंडला क्षेत्र रानी दुर्गावती के शौर्य और पराक्रम की गाथा कहता है। आगे नर्मदा प्रचंड वेग में बहती है और सहस्रधारा का निर्माण करती है। यहां नर्मदा का सहस्रधाराओं के साथ उफनता हुआ प्रवाह देखा जा सकता है। जबलपुर के भेड़ाघाट में नर्मदा संगमरमरी सौंदर्य का रूप धारण करती है, इसीलिये इसे सौंदर्य की सरिता भी कहा गया है। यह क्षेत्र भृगु ऋषि की तपोभूमि भी रही है।

नर्मदा एक नजर

- नर्मदा का उद्गम - मेकल पर्वत के अमरकंटक शिखर से
- नर्मदा का संगम - खम्भात की खाड़ी
- नदी की समुद्र तल से ऊंचाई - 3500 फीट
- नदी की लंबाई - 1310 किलोमीटर
- नदी का कुल प्रवाह क्षेत्र - 36 वर्ग मील
- प्रदेश में नर्मदा की लंबाई - 1079
- नर्मदा का कुल बेसिन क्षेत्र - 85,149
- घाटों की संख्या - 1107
- वन क्षेत्र एवं आच्छादन - 65,600 वर्ग मील
- कटाव क्षेत्र - 821
- आश्रमों की संख्या - 263
- मंदिरों की संख्या - 290
- पर्वत श्रेणियां - विंध्याचल और सतपुड़ा
- नदी का बहाव - विंध्याचल और सतपुड़ा के बीच पश्चिम दिशा में

चौंसठ योगिनी मंदिर

भेड़ाघाट के पास लगभग 50 फीट ऊंची गोल पहाड़ी पर लगभग दसवीं शताब्दी में बना प्राचीन मंदिर है। यहां 109 सीढ़ियों को पार करके मंदिर में पहुंचा जा सकता है। इस मंदिर में 64 कलचुरिकालीन योगिनी मूर्तियां स्थापित हैं। इसीलिए इसे चौंसठ योगिनी मंदिर कहा जाता है। मंदिर में जटामुकुट पहने मगर वाहन पर विराजमान तीसरी योगिनी रुषिणी नर्मदा की मूर्ति है। यह मंदिर पुरातन समय में लोगों की नर्मदा के प्रति श्रद्धा को स्थापित करता है।

क्रमशः .....

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

25 अप्रैल

विश्व मलेरिया दिवस : एक जंग जो हम सबकी है

सपना, एक छोटे से भारतीय गांव की मां, हर रात अपने दो बच्चों को मच्छरदानी के नीचे सुलाती है। पिछले साल उसका छोटा बेटा मलेरिया की चपेट में आया था। बुखार और ठंड से तड़पते बच्चे को देखकर सपना की रातें बेचैन थीं। सौभाग्य से, समय पर दवाएँ मिलीं और उसका बेटा बच गया। लेकिन सपना जानती है कि मच्छरों का खतरा अभी टला नहीं। यह कहानी सिर्फ सपना की नहीं, बल्कि दुनिया भर के लाखों परिवारों की है।

हर **साल 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस** हमें मलेरिया के खिलाफ एकजुट होने का मौका देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के नेतृत्व में यह दिन जागरूकता, बचाव, और मलेरिया मुक्त दुनिया के सपने को हकीकत बनाने की प्रेरणा देता है। आइए, WHO की नवीनतम जानकारी के साथ मलेरिया की इस जंग को समझें और देखें कि हम कैसे जीत सकते हैं।

मलेरिया : एक चालाक दुश्मन

मलेरिया कोई साधारण बुखार नहीं। यह प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होता है, जो एनोफिलीज मच्छरों के काटने से हमारे शरीर में प्रवेश करता है। WHO के अनुसार, पांच प्रकार के प्लास्मोडियम परजीवी मनुष्यों को प्रभावित करते हैं, जिनमें प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम और प्लास्मोडियम विवैक्स सबसे खतरनाक हैं। लक्षणों में तेज बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, और कमजोरी शामिल हैं। अगर समय पर इलाज न हो, तो यह मस्तिष्क मलेरिया, अंग विफलता या मृत्यु तक ले जा सकता है।

WHO की विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2024 बताती है कि 2023 में दुनिया भर में लगभग 26.3 करोड़ मलेरिया के मामले दर्ज हुए, जिनमें 5.97 लाख लोगों की मृत्यु हुई। अफ्रीका क्षेत्र में 94% मामले और 95% मौतें हुईं, जिनमें ज्यादातर पांच साल से कम उम्र के बच्चे थे। ये आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि उन परिवारों की कहानियाँ हैं जो मलेरिया से जूझ रहे हैं।

मलेरिया बुखार का इतिहास

मलेरिया मानवता का पुराना दुश्मन है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में "ज्वर" कहा जाता है। मिस्र की ममियों में भी इसके निशान मिलते हैं। 1880 में अल्फोंस लावेरन ने परजीवी की खोज की और 1897 में रोनाल्ड रॉस ने साबित किया कि मच्छर इसका वाहक है। इन खोजों ने मलेरिया के खिलाफ वैज्ञानिक लड़ाई शुरू की। WHO बताता है कि 20वीं सदी में डीडीटी और क्लोरोक्वीन ने मलेरिया को काफी हद तक नियंत्रित किया, लेकिन परजीवियों और मच्छरों में दवा प्रतिरोध ने चुनौती बढ़ा दी। आज, WHO के मार्गदर्शन में टीके और नई तकनीकों ने उम्मीद जगाई है।

विश्व मलेरिया दिवस उम्मीद की मशाल

WHO ने 2007 में विश्व मलेरिया दिवस मनाने का निर्णय लिया और 2008 में पहली बार विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इसका मकसद मलेरिया के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को मजबूत करना और लोगों को शिक्षित करना है। हर साल एक थीम इस दिन को दिशा देती है। 2024 की थीम थी "Accelerating the Fight against malaria for a more equitable world", WHO का कहना है कि बच्चों, गर्भवती महिलाओं और दूरदराज के इलाकों में रहने वालों तक मदद पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि मलेरिया को हराने के लिए सरकारों, संगठनों और हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

मलेरिया की जड़ें यह क्यों पनपता है?

WHO के अनुसार, मलेरिया के फैलने की कई वजहें हैं:

- **ऊष्णकटिबंधीय जलवायु :** गर्म और नम इलाके मच्छरों के लिए आदर्श हैं। भारत में मानसून के बाद स्थिर पानी मच्छरों को बढ़ने का मौका देता है।
- **स्वास्थ्य सेवाओं की कमी :** कई क्षेत्रों में निदान और उपचार की सुविधाएं सीमित हैं। अफ्रीका में अधिक मौतें इसलिए होती हैं क्योंकि लोगों को समय पर मदद नहीं मिलती।
- **जलवायु परिवर्तन :** WHO की 2023 रिपोर्ट में बताया गया कि बढ़ता तापमान और बाढ़ जैसे मौसमी बदलाव मलेरिया के प्रसार को बढ़ा रहे हैं। उदाहरण के लिए, 2022 में पाकिस्तान की बाढ़ ने मलेरिया के मामलों को पांच गुना बढ़ा दिया।
- **गरीबी :** मच्छरदानी और दवाएं हर किसी की पहुंच में नहीं। WHO का कहना है कि गरीब समुदायों में मलेरिया का बोझ सबसे ज्यादा है।

मलेरिया सिर्फ बीमारी नहीं, एक अभिशाप

मलेरिया सिर्फ शरीर को नहीं, सपनों को भी तोड़ता है :

- **बच्चों और माताओं पर:** WHO के अनुसार, पांच साल से कम उम्र के बच्चे और गर्भवती महिलाएं सबसे ज्यादा खतरे में हैं। मलेरिया गर्भपात, कम वजन वाले बच्चों का जन्म, और मातृ-मृत्यु का कारण बन सकता है।
- **आर्थिक बोझ :** WHO की रिपोर्ट्स बताती हैं कि मलेरिया के कारण परिवारों को दवाओं, अस्पताल और काम के नुकसान का खर्च उठाना पड़ता है, जो उन्हें और गरीबी में धकेलता है।
- **शिक्षा पर चोट :** बीमार बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। WHO का अनुमान है कि मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर गिर रहा है। सपना जैसी कई माताएं अपने बच्चों को बचाने के लिए हर रात जागती हैं, लेकिन मलेरिया का डर उनके सपनों को बंधक बनाए रखता है।

मलेरिया को रोकने की रणनीति

- **कीटनाशक-उपचारित मच्छरदानी (ITNs) :** WHO का कहना है कि मच्छरदानी मच्छरों से बचाव का सबसे सस्ता और प्रभावी तरीका है।
- **घर के अंदर कीटनाशक छिड़काव (IRS) :** दीवारों पर कीटनाशक छिड़कने से मच्छरों की संख्या कम होती है। WHO इसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के लिए अनुशंसा करता है।
- **टीकाकरण :** WHO ने RTS,S/AS01 (Mosquirix) और R21/Matrix-M टीकों को मंजूरी दी है। 17 से अधिक देशों ने इन्हें बच्चों के लिए नियमित टीकाकरण में शामिल किया।
- **सीजनल मलेरिया केमोप्रिवेंशन (SMC) :** WHO के अनुसार, 2024 में 19 देशों में 5.4 करोड़ बच्चों तक यह पहुँचा, जो गंभीर मलेरिया से बचाता है।
- **स्वच्छता :** स्थिर पानी को हटाना मच्छरों के प्रजनन को रोकता है। WHO सामुदायिक जागरूकता को इसका हिस्सा मानता है।
- **मलेरिया का इलाज :** समय ही जिंदगी है WHO के दिशानिर्देशों के अनुसार, मलेरिया का इलाज जल्दी शुरू करना जरूरी है:
- **आर्टिमिसिनिन-आधारित संयोजन चिकित्सा (ACT) :** यह प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के लिए सबसे प्रभावी है। WHO इसे पहली पसंद मानता है।
- **क्लोरोक्वीन और प्राइमाक्वीन :** प्लास्मोडियम विवैक्स के लिए, जहाँ दवा प्रतिरोध नहीं है, WHO इन्हें सुझाता है।
- **तुरंत निदान :** रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (RDT) और माइक्रोस्कोपी से मलेरिया का पता लगाया जाता है। WHO का कहना है कि 24 घंटे के भीतर निदान और उपचार शुरू होना चाहिए।

भारत की कहानी : प्रगति और चुनौतियां

भारत में मलेरिया एक बड़ी चुनौती रहा है, लेकिन WHO और राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NVBDCP) के सहयोग से प्रगति हुई है। WHO के अनुसार, भारत ने 2018 से 2022 तक मलेरिया के मामलों में 66% की कमी की। ओडिशा, जो कभी मलेरिया का केंद्र था, आज एक मिसाल है। फिर भी, पूर्वोत्तर और जनजातीय क्षेत्रों में खतरा बरकरार है। WHO सुझाता है कि भारत को सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और निदान सुविधाओं पर और ध्यान देना चाहिए।

WHO का नेतृत्व

WHO का ग्लोबल मलेरिया प्रोग्राम (GMP) मलेरिया उन्मूलन की धुरी है। इसकी "Global Technical Strategy for Malaria 2016–2030" के तहत, 25 देशों ने 2023 तक 10 से कम मामले दर्ज किए। WHO की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि 2000 से 2023 तक 2.2 अरब मामले और 1.27 करोड़ मौतें टलीं।

- निशांत शर्मा
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल और युवा कल्याण विभाग
मध्यप्रदेश शासन

आवेदन आमंत्रित

PARTH YOJNA
POLICE ARMY RECRUITMENT TRAINING HOUSE YOJNA

युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

पार्थ योजना के अन्तर्गत प्रदेश के युवाओं को सेना, पुलिस एवं सुरक्षाबलों में भर्ती हेतु शारीरिक और लिखित परीक्षा की तैयारी का प्रशिक्षण

आवेदन करने की अंतिम तिथि
30 अप्रैल 2025

5 मई से प्रशिक्षण प्रारंभ

महत्वपूर्ण बिंदु
- रियायती दरों पर प्रशिक्षण
- मेरिट के आधार पर सिलेक्शन
- तीन से छह माह का प्रशिक्षण
- चयनित आवेदकों को निःशुल्क टी-शर्ट

सीमित सीटें उपलब्ध
महिलाओं के लिए 50% छूट

प्रशिक्षण स्थल
- भोपाल – तात्याटोपे स्टेडियम ✆7247373248
- इंदौर – मल्हार आश्रम खेल मैदान, इंदौर ✆9826651016
- उज्जैन – खेल परिसर, नानाखेड़ा ✆9425967562
- ग्वालियर – अंतर्राष्ट्रीय खेल गांव ✆7049010656
- जबलपुर – खेल परिसर, रांझी ✆9691115793
- रीवा – स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रीवा ✆942513372
- चम्बल (मुरैना) – 5वीं बटालियन एसएफ ग्राउण्ड ✆9425792333
- शहडोल – महात्मा गांधी स्टेडियम ✆9977972224
- सागर – जिला खेल परिसर ✆9584844339

आवेदन करने के लिए संबंधित जिले के जिला खेल अधिकारी से संपर्क कर उनके कार्यालय में आवेदन जमा किया जा सकता है। फॉर्म डाउनलोड, संपर्क, मोबाइल नंबर एवं अधिक जानकारी, संबंधित जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय और विभागीय वेबसाइट www.dsywmp.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

M.P.M./119724/R-5084225

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

विज्ञान एवं पर्यावरण

1. निम्न में से कौन-सा मात्रक, मूल मात्रकों के अंतर्गत नहीं आता है -
(अ) ऐम्पियर
(ब) जूल
(स) मोल
(द) केल्विन
उत्तर- (ब) जूल

2. 4^0C पर पानी का -
(अ) घनत्व अधिकतम होता है।
(ब) घनत्व न्यूनतम होता है।
(स) आयतन अधिकतम होता है।
(द) द्रव्यमान न्यूनतम होता है।
उत्तर- (अ) घनत्व अधिकतम होता है।

3. रात्रि के समय आकाश में तारों का टिमटिमाना किस घटना का उदाहरण है -
(अ) प्रकाश का पूर्ण आंतरिक परावर्तन
(ब) व्यतिकरण
(स) प्रकाश का अपवर्तन
(द) विवर्तन
उत्तर- (स) प्रकाश का अपवर्तन

4. वह प्रयुक्ति जो धारा को एक ही दिशा में प्रवाहित होने देती है, कहलाती है -
(अ) बल्ब
(ब) ट्रांजिस्टर
(स) रजिस्टर
(द) डायोड
उत्तर- (द) डायोड

5. एक समतल दर्पण की वक्रता त्रिज्या क्या होती है -
(अ) अनन्त
(ब) अनंत व शून्य के बीच
(स) शून्य
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ) अनन्त

6. एक घोल किसका कोलाइडी विलयन होता है -
(अ) द्रव में गैस
(ब) द्रव में द्रव
(स) ठोस में द्रव
(द) ठोस में ठोस
उत्तर- (ब) द्रव में द्रव

7. निम्न में से कौन-सा एक बायोगैस का घटक नहीं है -
(अ) हाइड्रोजन
(ब) मीथेन
(स) कार्बन डाईऑक्साइड
(द) नाइट्रोजन डाईऑक्साइड
उत्तर- (द) नाइट्रोजन डाईऑक्साइड

8. भू-पर्पटी में दूसरा सबसे अधिक मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है -
(अ) कार्बन
(ब) सिलिकॉन
(स) ऑक्सीजन
(द) हाइड्रोजन
उत्तर- (ब) सिलिकॉन

9. निम्न में से सही सुमेलित है/हैं -
मिश्रधातु संघटन
1. गन-मेटल - Cu+Sn+Zn
2. बेल मेटल - Cu+Sn
3. कांसा - Zn+Sn
4. पीतल - Cu-Zn
(अ) 1, 2 एवं 3
(ब) केवल 1 एवं 2
(स) केवल 2 एवं 3
(द) 1, 2 एवं 4
उत्तर- (द) 1, 2 एवं 4

10. पोटेशियम परमैग्नेट का रासायनिक सूत्र क्या है -
(अ) KNO_3
(ब) K_4MnO_4
(स) $KMnO_4$
(द) $K_2SO_4 . Al_2(SO4)_3 . 24H_2O$
उत्तर- (स) $KMnO_4$

11. वर्गिकी का पिता कहा जाता है -
(अ) रॉबर्ट ब्राऊन
(ब) पुरकिंजे
(स) कैरोलस लीनियस
(द) कैमिलो गॉल्जी
उत्तर- (स) कैरोलस लीनियस

12. निम्न में से किस वैज्ञानिक ने 'लाइसोसोम' की खोज की थी -
(अ) रॉबर्ट ब्राऊन
(ब) अर्लेक्जेडर फ्लेमिंग
(स) राबर्ट हुक
(द) क्रिश्चियन डि-डूव
उत्तर- (द) क्रिश्चियन डि-डूव

13. मक्का के पौधों में कितने गुणसूत्र पाए जाते हैं -
(अ) 20 गुणसूत्र
(ब) 46 गुणसूत्र
(स) 24 गुणसूत्र
(द) 8 गुणसूत्र
उत्तर- (अ) 20 गुणसूत्र

14. कोशिका के किस विभाजन में दो संतति कोशिकाओं का निर्माण होता है -
(अ) असूत्री विभाजन
(ब) समसूत्री विभाजन
(स) अर्द्धसूत्री विभाजन
(द) इनमें से कोई नहीं।
उत्तर- (ब) समसूत्री विभाजन

15. क्रॉसिंग ओवर किस प्रकार के कोशिका विभाजन की विशेषता है -
(अ) अर्द्धसूत्री विभाजन
(ब) समसूत्री विभाजन
(स) असूची विभाजन
(द) इनमें से कोई नहीं।
उत्तर- (अ) अर्द्धसूत्री विभाजन

16. पादप एवं जंतु जगत के बीच की कड़ी कहा जाता है -
(अ) युग्लीना
(ब) विषाणु
(स) पेरिपेटल
(द) प्रोटोथीरिया
उत्तर- (अ) युग्लीना

17. 'एनीलिडा' एवं 'आर्थोपोडा' के बीच की कड़ी किसे कहा जाता है -
(अ) पेरिपेटल
(ब) निओपिलिना
(स) विषाणु
(द) प्रोटीथिरिया
उत्तर- (अ) पेरिपेटस

18. निम्न में से किसने 'प्राकृतिक चयन का सिद्धांत' दिया था -
(अ) लैमार्क
(ब) चार्ल्स डार्विन
(स) ह्यगो-डी-ब्रीज
(द) ग्रेगर मेण्डल
उत्तर- (ब) चार्ल्स डार्विन

19. लैडिग कोशिकाएं कहां स्थित होती हैं -
(अ) वृक्क
(ब) मस्तिष्क
(स) वृषण
(द) अण्डाशय
उत्तर- (स) वृषण

20. मैलियस नामक हड्डी मानव शरीर के किस अंग में पाई जाती है -
(अ) कान (ब) हाथ
(स) पैर (द) मस्तिष्क
उत्तर- (अ) कान

21. दूर दृष्टि दोष का निराकरण किस प्रकार के लैंस का उपयोग करके किया जाता है -
(अ) अवतल लैंस
(ब) बेलनाकार लैंस
(स) उत्तल लैंस
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स) उत्तल लैंस

22. मनुष्य के शरीर में 'कपाल तंत्रिकाओं' की कुल संख्या कितनी होती है -
(अ) 12 (ब) 31
(स) 24 (द) 29
उत्तर- (अ) 12 (जोड़ी)

23. मनुष्य के शरीर में मेरू तंत्रिकाओं की कुल कितनी संख्या होती है -
(अ) 31 (ब) 12
(स) 24 (द) 29
उत्तर- (अ) 31

24. 'टेण्डन' कहां जाता है -
(अ) मांस एवं मांस के जोड़
(ब) अस्थि एवं अस्थि के जोड़
(स) मांस एवं अस्थि के जोड़
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स) मांस एवं अस्थि के जोड़

25. एक कोशिकीय जंतुओं में उत्सर्जन प्रक्रिया किस प्रक्रिया के द्वारा होती है -
(अ) विसरण के द्वारा
(ब) मूत्र अंग द्वारा
(स) वृक्क द्वारा
(द) कोशिका द्वारा
उत्तर- (अ) विसरण के द्वारा

26. फेफड़े किस जंतु का श्वसन अंग नहीं है -
(अ) मनुष्य
(ब) पक्षी
(स) पशु
(द) केंचुआ
उत्तर- (द) केंचुआ

27. लाल रुधिर कोशिकाओं का औसत जीवनकाल कितने दिन होता है -
(अ) 6-7 दिन
(ब) 120 दिन
(स) 80 दिन
(द) 60 दिन
उत्तर- (ब) 120 दिन

28. फर्न पादप जगत के किस वर्ग के अंतर्गत आता है -
(अ) ब्रायोफाइटा
(ब) टेरिडोफाइटा
(स) थैलोफाइटा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब) टेरिडोफाइटा

29. धान का 'खैरा रोग' किसकी कमी के कारण होता है -
(अ) जिंक
(ब) मैग्निशियम
(स) मैंग्नीज
(द) कॉपर
उत्तर- (अ) जिंक

30. पौधों की अनुप्रस्थ (क्षैतिज) लंबाई हेतु कौन-सा हार्मोन जिम्मेदार होता है -
(अ) ऐबसिसक
(ब) साइटोकाइनिन
(स) एथिलीन
(द) फ्लोरोजिन्स
उत्तर- (स) एथिलीन

31. निम्न में से किस पादप हॉर्मोन को वृद्धिरोधी हॉर्मोन कहते हैं -
(अ) एथिलीन
(ब) ऐबसिसिक एसिड
(स) जिबरैलिन्स
(द) साइटोकाइनिन
उत्तर- (ब) ऐबसिसिक एसिड

32. थैलेमस मस्तिष्क के किस अंग का भाग है -
(अ) अग्रमस्तिष्क
(ब) मध्य मस्तिष्क
(स) पश्च मस्तिष्क
(द) मेड्यूला आर्लेगेटा
उत्तर- (अ) अग्रमस्तिष्क

33. रतौंधी किस विटामिन की कमी से होने वाला रोग है -
(अ) विटामिन A
(ब) विटामिन D
(स) विटामिन E
(द) विटामिन K
उत्तर- (अ) विटामिन A

34. मलेरिया किसके द्वारा जनित रोग है -
(अ) हैल्मिन्थ
(ब) प्रोटोजोआ
(स) जीवाणु
(द) विषाणु
उत्तर- (ब) प्रोटोजोआ

35. 'प्रकन्द' का उदाहरण है -
(अ) अरबी
(ब) प्याज
(स) लहसुन
(द) हल्दी
उत्तर- (द) हल्दी

36. विषाणु की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी -
(अ) एण्टोनी वॉन ल्यूवेन हॉक
(ब) जोहान्सन
(स) बेटसन
(द) इवानवस्की
उत्तर- (द) इवानवस्की

37. 'होम्योपैथी' का जनक किसे माना जाता है -
(अ) विलियम हॉर्वे
(ब) हैनीमेन
(स) हिप्पोक्रेटस
(द) लैमार्क
उत्तर- (ब) हैनीमेन

38. रेबीज रोग के द्वारा प्रभावित होने वाला अंग कौन-सा है -
(अ) नेत्र
(ब) मांसपेशीय जोड़
(स) तंत्रिका तंत्र
(द) श्वसन तंत्र
उत्तर- (स) तंत्रिका तंत्र

39. हैजा किस जीवाणु के द्वारा होने वाला रोग है -
(अ) सालमोनेला टाइफी
(ब) विब्रियो कोलेरा
(स) मोनीलिया
(द) माइक्रो-बैक्टिरीयिमलैप्री
उत्तर- (ब) विब्रियो कोलेरा

40. निम्न में कौन-सा विटामिन पानी में घुलनशील है -
(अ) विटामिन A
(ब) विटामिन D
(स) विटामिन E
(द) विटामिन B
उत्तर- (द) विटामिन B

41. भ्रूणावस्था के दौरान लाल रुधिराणुओं का निर्माण कहां होता है -
(अ) वृक्त
(ब) लाल अस्थिमज्जा
(स) अग्नाशय
(द) छोटी आंत
उत्तर- (अ) वृक्त

42. डाउन सिंड्रोम किस गुणसूत्र से जुड़ी समस्या है -
(अ) 21वें (ब) 15वें
(स) 16वें (द) 8वें
उत्तर- (अ) 21वें गुणसूत्र से

43. विटामिन E का रासायनिक नाम क्या है -
(अ) कैल्सीफेरॉल
(ब) रेटिनॉल
(स) टोकोफेरॉल
(द) थायमीन
उत्तर- (स) टोकोफेरॉल

44. निम्न में से कौन-सा एंजाइम प्रोटीन के पाचन का कार्य करता है -
(अ) पेप्सिन
(ब) लाइपेज
(स) टाइलिन
(द) एमाइलेज
उत्तर- (अ) पेप्सिन

45. घेंघा रोग किस खनिज तत्व की कमी से होता है -
(अ) तांबा
(ब) कोबॉल्ट
(स) आयोडीन
(द) लौह
उत्तर- (स) आयोडीन

46. 'लार' में उपस्थित एंजाइम है -
(अ) रेनिन
(ब) टायलिन
(स) लाइपेज
(द) एमाइलेज
उत्तर- (ब) टायलिन

47. विटामिन B2 का रासायनिक नाम क्या है -
(अ) थायमिन
(ब) बायोटिन
(स) पेंटोथोनिक एसिड
(द) राइबोफ्लेविन
उत्तर- (द) राइबोफ्लेविन

48. 'पेलाग्रा' रोग किस विटामिन की कमी से होता है -
(अ) विटामिन A
(ब) विटामिन B2
(स) विटामिन B3
(द) विटामिन D
उत्तर- (स) विटामिन B3

49. रुधिर परिसंचरण तंत्र की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी -
(अ) कार्ल लैण्ड स्टीनर
(ब) विलियम हॉर्वे
(स) डी फंक
(द) रॉबर्ट कोच
उत्तर- (ब) विलियम हॉर्वे

- आशीष कुमार श्रीवास
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

खेल चर्चा

दोहा डायमंड लीग से सत्र की शुरुआत करेंगे नीरज

नई दिल्ली, भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग से अपने

सत्र की शुरुआत करेंगे। दोहा डायमंड लीग का आयोजन 16 मई को होगा। नीरज भारत के सबसे सफल भाला फेंक एथलीट हैं उन्होंने लगातार दो ओलंपिक में पदक अपने नाम किया है। टोक्यो ओलंपिक-2020 में स्वर्ण पदक और पेरिस ओलंपिक-2024 में रजत पदक जीतने वाले नीरज ने कहा कि वह लगातार तीसरे वर्ष दोहा में डायमंड लीग प्रतियोगिता में एथलेटिक्स के सबसे उत्साही दर्शकों के सामने प्रतिस्पर्धा करने के लिए बेताब हैं।

आईसीसी अवॉर्ड

श्रेयस चुने गए प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मार्च 2025 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड से सम्मानित किया। आईसीसी ने मार्च 2025 के लिए पुरस्कार विजेता की घोषणा की और श्रेयस के चैम्पियंस ट्रॉफी में किए गए प्रदर्शन की सराहना की। मार्च माह में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए श्रेयस के अलावा न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र और जैकब डफी को नामांकित किया गया था।

चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में श्रेयस का बल्ला जमकर चला था। श्रेयस ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के लिए सर्वाधिक 243 रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। इस टूर्नामेंट में उन्होंने दो अर्धशतकीय पारियां खेली थीं। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया था। यह भारत का लगातार दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट खिताब है। इससे पहले 2024 में टीम इंडिया ने टूवेंटी-20 विश्व कप जीता था। दुबई में खेले गए फाइनल मैच में श्रेयस अय्यर ने दो चौके और इतने ही छक्के की मदद से 48 रन बनाए और भारत को जीत दिलाई।

- श्रेयस अय्यर ने दूसरी बार जीता है आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड।
- इससे पहले उन्होंने फरवरी 2022 में जीता था यह अवॉर्ड।
- पुरुष वर्ग में अब तक 12 बार भारतीय खिलाड़ियों को मिला है यह अवॉर्ड।
- शुभमन ने 3 बार तथा श्रेयस और बुमराह ने 2-2 बार जीता है यह अवॉर्ड।

आईसीसी द्वारा प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए चुने जाने के बाद श्रेयस ने कहा कि मैं आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ के रूप में नामित होने पर वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि इतने बड़े मंच पर भारत की सफलता में योगदान देने में सक्षम होना हर क्रिकेटर का सपना होता है। मैं अपने साथियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ का उनके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं।

महिला वर्ग में वोल बनीं विजेता

आईसीसी ने ऑस्ट्रेलिया की युवा महिला खिलाड़ी जॉर्जिया वोल को महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। पिछले वर्ष दिसंबर में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाली वोल ने इस पुरस्कार के लिए अपनी हमवतन खिलाड़ी एनाबेल सदरलैंड और अमेरिका की चेतना प्रसाद को पछाड़ा। मार्च में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 3-0 से हराया था।

पंकज ने विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप में जीता पदक

नई दिल्ली, भारत के दिग्गज क्यू (बिलियर्ड्स और स्नूकर) खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने डब्ल्यूबीएल विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है। पंकज ने चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में पंकज को ब्रिटेन के डेविड काजियर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। फाइनल मुकाबले में पंकज ने शुरुआत में बढ़िया खेल दिखाया और 2-0 की बढ़त हासिल की। इसके बाद काजियर ने बेहतरीन वापसी की और 8-7 से मुकाबला जीत लिया।

बीएफआई मामलों की देखरेख के लिए समिति गठित

नई दिल्ली, मुक्केबाजी की वैश्विक संस्था विश्व मुक्केबाजी ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के मामलों की देखरेख के लिए एक अंतरिम समिति का गठन किया है। यह समिति बीएफआई के कार्यों का प्रबंधन देखेगी। विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने कहा कि बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह को पत्र लिखकर छह सदस्यीय समिति की नियुक्ति की जानकारी दी है। इस समिति की अध्यक्षता अजय सिंह करेंगे। समिति में बीएफआई के उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार निरवान, कार्यकारी निदेशक अरुण मलिक और ओलंपियन एल सरिता देवी शामिल हैं।

भारत ने तीरंदाजी विश्वकप में जीता स्वर्ण पदक

ऑबर्नडेल, अमेरिका में आयोजित तीरंदाजी विश्वकप के पहले चरण में भारतीय तीरंदाजी ने शानदार प्रदर्शन किया है। विश्वकप में भारत की कंपाउंड मिश्रित टीम ने चीनी ताइपे को हराकर स्वर्ण पदक जीता। कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में ज्योति सुरेखा वेन्नाम और ऋषभ यादव की जोड़ी ने गजब के धैर्य का परिचय दिया और कांटे की टक्कर के दौरान चीनी ताइपे के हुआंग आई-जौ और चेन चिह-लुन की जोड़ी को 153-151 से हराया। मुकाबले में चीनी जोड़ी ने शुरुआती बढ़त बनाई। पहली और दूसरी सीरीज में पिछड़ने के बाद ज्योति-ऋषभ ने जोरदार वापसी की। दोनों ने मुकाबले को चौथे और निर्णायक सीरीज में बेहद कम अंतर से मुकाबला अपने नाम किया, जिसके बाद भारत की झोली में स्वर्ण पदक आया।

तीरंदाजी विश्वकप में भारत के अन्य निशानेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। विश्वकप में भारत ने एक स्वर्ण पदक के साथ एक रजत और दो कांस्य पदक भी अपने

- अमेरिका के ऑबर्नडेल में 8 से 13 अप्रैल तक आयोजित किया गया विश्वकप का पहला चरण।
- इस विश्वकप में कुल चार चरण और उसके बाद फाइनल चरण होगा आयोजित।

नाम किए हैं। विश्वकप में धीरज बोम्मदेवरा, अतनु दास और तरुणदीप राय की भारतीय तिकड़ी ने पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, वहीं पुरुष कंपाउंड टीम स्पर्धा में ओजस देवताले, अभिषेक वर्मा और ऋषभ यादव की तिकड़ी ने कांस्य पदक जीता। धीरज ने पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक भी अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली, भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से चार मई तक होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। हॉकी इंडिया ने बताया कि भारतीय टीम श्रृंखला की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेले जाने वाले दो मैचों से करेगी। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला खेलेगी।

मैग्नस कार्लसन ने जीता फ्रीस्टाइल शतरंज खिताब

पेरिस, विश्व के नंबर वन शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने फ्रांस में आयोजित फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता है। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को 1.5-0.5 से हराया। फाइनल मुकाबले में कार्लसन ने पहला मैच जीता, वहीं दूसरा मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ, जिस वजह से कार्लसन को टाईब्रेकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ी।

कार्लोस अलकराज ने जीता मोंटे कार्लो मास्टर्स खिताब

मोंटे कार्लो, स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अलकराज ने मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट जीत लिया है। वर्ष 2024 में विंबलडन जीतने के बाद अलकराज का यह पहला खिताब है। टूर्नामेंट के फाइनल में अलकराज ने इटली के लोरेंजो मुसेटी को तीन सेटों में 3-6, 6-1, 6-0 से हराया।

फाइनल मुकाबले में मुसेटी ने शानदार शुरुआत की और पहला सेट 6-3 के अंतर से अपने नाम किया, लेकिन वे दूसरे सेट में अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। दूसरे सेट में अलकराज ने बेहतरीन वापसी की और

- यह कार्लोस अलकराज के टेनिस कॅरियर का छठवां एटीपी मास्टर्स और कुल 10वां खिताब है।
- अलकराज ने पहली बार जीता है मोंटे कार्लो मास्टर्स टूर्नामेंट।
- अब तक चार ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले अलकराज अभी एटीपी रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं।

6-1 से सेट जीत लिया। मैच का तीसरा सेट भी एकतरफा रहा। अलकराज ने इस सेट को 6-0 से जीत लिया।

अलेक्ना ने चक्का फेंक में बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

ओक्लाहोमा, लिथुआनिया के मायकोलास अलेक्ना ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चक्का फेंक में अपने विश्व रिकॉर्ड को दो बार पीछे छोड़ा। मायकोलास अलेक्ना ने अमेरिका में आयोजित ओक्लाहोमा ग्रोज सीरीज वर्ल्ड इनविटेशनल प्रतियोगिता में 247 फीट, नौ इंच (75.56 मीटर) चक्का फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। अलेक्ना ने इससे पहले अपने शुरुआती प्रयास में 74.89 मीटर चक्का फेंककर अपने पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा था। उन्होंने वर्ष 2024 में इसी प्रतियोगिता में वर्ष 1986 से चला आ रहा विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था।

लॉस एंजेलिस ओलंपिक

ओलंपिक में 128 वर्ष के बाद क्रिकेट की हुई वापसी

नई दिल्ली, खेलों के महाकुंभ कहे जाने वाले प्रतिष्ठित ओलंपिक खेलों में अब क्रिकेट के चौके-छक्के भी लगते हुए नजर आयेंगे। दरअसल क्रिकेट की ओलंपिक खेलों में 128 वर्ष बाद वापसी हो रही। वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की एंट्री हो गई है। ये उन पांच नए स्पोर्ट्स में शामिल है, जिन्हें ओलंपिक में जगह मिली है।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने लॉस एंजेलिस ओलंपिक का आधिकारिक कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस कार्यक्रम के तहत क्रिकेट के लिए हर वर्ग में 90 खिलाड़ियों का एथलीट कोटा तय किया गया है। यानी महिला और पुरुष वर्ग में कुल 180 खिलाड़ी ओलंपिक

- लॉस एंजेलिस ओलंपिक-2028 में 5 नए खेल किए गए शामिल।
- ओलंपिक में क्रिकेट के मुकाबले टूवेंटी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे।
- ओलंपिक में क्रिकेट में दोनों वर्गों की 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा।
- वर्ष 1900 के पेरिस ओलंपिक में पहली बार क्रिकेट किया गया था शामिल।

क्रिकेट में हिस्सा लेंगे। हालांकि यह तय नहीं हुआ है कि टीमें कैसे क्वालिफाई करेंगी। माना जा रहा है कि आईसीसी टूवेंटी-20 रैंकिंग के आधार पर कट-ऑफ डेट तक की स्थिति से टीमें चुनी जाएंगी।

अमेरिका, जो लॉस एंजेलिस ओलंपिक की मेजबानी कर रहा, आमतौर पर टीम खेलों में सीधी एंट्री पाता है। लेकिन अमेरिका अभी तक आईसीसी का फुल मेंबर नहीं है, इसलिए इसे लेकर संशय बना हुआ है। वेस्टइंडीज को लेकर भी संशय है। ओलंपिक या अन्य मल्टीस्पोर्ट्स खेलों में कैरेबियन देश अलग-अलग तौर पर हिस्सा लेते हैं, जबकि क्रिकेट में ये संयुक्त रूप से 'वेस्टइंडीज' के रूप में खेलते हैं। इससे पहले राष्ट्रमंडल खेल-2022 में वेस्टइंडीज की जगह बारबाडोस की टीम ने हिस्सा लिया था, क्योंकि वह उस समय की घरेलू चैम्पियन टीम थी।

आईओसी के कार्यकारी बोर्ड ने लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों के लिए कार्यक्रम और खिलाड़ियों के लिए एथलीट कोटा का ऐलान किया। आईओसी ने कहा कि लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में कुल 351 पदक स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी, जो कि पेरिस ओलंपिक की तुलना में 22 अधिक है। इस बार ओलंपिक में क्रिकेट के अलावा चार अन्य खेलों स्क्वॉश, फ्लैग फुटबॉल, बेसबॉल/सॉफ्टबॉल और लैक्रोस को भी शामिल किया गया है। आईओसी ने कहा कि सभी टीम खेलों में पुरुष और महिला खिलाड़ियों की संख्या बराबर रहेगी।

आईसीसी की क्रिकेट समिति के अध्यक्ष बने गांगुली

दुबई, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष क्रिकेट समिति के अध्यक्ष चुने गए हैं। समिति में वीवीएस लक्ष्मण को सदस्य के रूप में बरकरार रखा गया है। आईसीसी ने बताया कि गांगुली वर्ष 2021 में पहली बार इस समिति के अध्यक्ष बने थे। गांगुली और लक्ष्मण के अलावा अफगानिस्तान के पूर्व खिलाड़ी हामिद हसन, वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज डेसमंड हेन्स, दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट और वनडे कप्तान तेंबा बावुमा और इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट को समिति में नियुक्त किया गया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने रेसिप्रोकल टैरिफ हटाया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट को रेसिप्रोकल टैरिफ से छूट दे दी। यह घोषणा ऐसे वक्त पर की गई, जब कुछ दिन पहले ही अमेरिका ने विदेशी वस्तुओं पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने की घोषणा की है।

अमेरिका कस्टम एंड बॉर्डर पेट्रोल ने नोटिस जारी कर कहा कि छूट में चीन से अमेरिका आने वाले स्मार्टफोन और उसके इक्विपमेंट समेत कई इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल हैं, जिन पर हाल ही में 145 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यालय से जारी नोटिस में सेमीकंडक्टर, सोलर सेल, फ्लैट पैनल टीवी डिस्प्ले, फ्लैश ड्राइव और मेमोरी कार्ड को भी छूट दी गई। इस फैसले को कई अमेरिकी टेक कंपनियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। इन कंपनियों ने हाल ही में चिंता जाहिर की थी कि टैरिफ के फैसले से अमेरिका में इलेक्ट्रॉनिक्स की कीमतें बढ़ सकती हैं, क्योंकि कई प्रोडक्ट्स चीन में बनते हैं।

अंतरिक्ष यात्रा से लौटकर खुश हैं महिला यात्री

अंतरिक्ष पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अमेरीकी कंपनी ब्लू ओरिजिन ने अपने न्यू शेपर्ड रॉकेट से पहली बार सिर्फ महिला यात्रियों के दल को अंतरिक्ष में भेजा। इस दल में प्रसिद्ध अमेरिका सिंगर कैटी पेरी के साथ 'सीबीएस मॉर्निंग्स' की को-होस्ट गेल किंग, ब्लू ओरिजिन के मालिक जेफ बेजोस की मंगेतर पूर्व पत्रकार लॉरेन सांचेज, नासा की पूर्व वैज्ञानिक आइशा बोवे, बायोएस्ट्रोनॉटिक्स वैज्ञानिक अमांडा गुयेन और फिल्म निर्माता केरियल फ्लिन शामिल रहीं। यह छोटी सी आंतरिक्ष यात्रा सुबह 9:30 बजे शुरू हुई और दस मिनट की उड़ान के बाद यान करीब 100 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचा। इसके बाद यान वापस लौट आया। कैप्सूल को टेक्सास के रेगिस्तान में उतारा गया।

प्रधानमंत्री ने हरियाणा के यमुनानगर में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया

हमारा प्रयास देश में बिजली उत्पादन को बढ़ाना है, बिजली की कमी राष्ट्र निर्माण में बाधा नहीं बननी चाहिए - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा के यमुनानगर में आयोजित उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुये

- **विकसित भारत के लिए विकसित हरियाणा, यही हमारा संकल्प है।**
- **सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में सोलर पैनल लगाकर बिजली बिल को शून्य किया जा सकता है।**
- **हमारा प्रयास हरियाणा के किसानों की क्षमता में वृद्धि करना है**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के यमुनानगर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यमुनानगर सिर्फ एक शहर नहीं है, बल्कि भारत के औद्योगिक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो प्लाइवुड से लेकर पीतल और स्टील तक के उद्योगों के साथ अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने क्षेत्र के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, ऋषि वेद व्यास की पवित्र भूमि, कपाल मोचन मेला और गुरु गोविंद सिंह जी के अस्त्र-शस्त्र स्थल का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में विकसित हरियाणा के प्रति संकल्प पर जोर दिया।

सामाजिक न्याय का मार्ग होता है

प्रधानमंत्री ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के दृष्टिकोण और विश्वास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने भारत में खेतों के छोटे रकबे से जुड़े मुद्दे की पहचान की जिसका पर्याप्त कृषि भूमि की कमी वाले दलितों को औद्योगीकरण से अधिक लाभ मिला। उन्होंने बाबा साहेब के विज़न को साझा किया कि उद्योग दलितों के लिए अधिक रोज़गार के अवसर प्रदान करेंगे, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

गांव और किसानों के कल्याण को समर्पित

प्रधानमंत्री ने कहा कि दीनबंधु चौधरी छोटू राम जी ने भी औद्योगीकरण और विनिर्माण के बीच तालमेल को ग्रामीण समृद्धि की नींव के रूप में मान्यता दी थी। उन्होंने छोटू राम जी के इस विश्वास को रेखांकित किया कि गांवों में सच्ची समृद्धि तभी आएगी, जब किसान कृषि के साथ-साथ छोटे उद्योगों के माध्यम से अपनी आय बढ़ाएंगे।

आत्मनिर्भर भारत का सार

'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' का सार विनिर्माण को बढ़ावा देने में निहित है। श्री मोदी ने विनिर्माण पर सरकार के विशेष ध्यान को रेखांकित किया, जो इस वर्ष के बजट में 'मिशन विनिर्माण' की घोषणा से परिलक्षित होता है। मिशन का उद्देश्य दलित, पिछड़े, वंचित और हाशिए के युवाओं के लिए अधिकतम रोज़गार के अवसर सृजित करना, उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना, व्यावसायिक लागत कम करना, एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करना, उद्योगों को आधुनिक तकनीक से लैस करना और यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय उत्पाद विश्वस्तरीय हों।

परमाणु क्षेत्र का विस्तार

विकसित भारत के निर्माण में बिजली की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने बिजली की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकार के बहुआयामी प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिसमें एक राष्ट्र-एक ग्रिड, नए कोयला बिजली संयंत्र, सौर ऊर्जा परियोजनाएं और परमाणु क्षेत्र का विस्तार जैसी पहलें शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'यह सुनिश्चित करने के लिए कि बिजली की कमी राष्ट्र निर्माण में बाधा न बने, बिजली उत्पादन बढ़ाना आवश्यक है।'

दिल्ली एयरपोर्ट के नाम दर्ज हुआ नया रिकॉर्ड

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (IGIA) ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बताया गया कि दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों की रैंकिंग में आईजीआईए एयरपोर्ट ने 9वां स्थान हासिल किया है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (DIAL) द्वारा संचालित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (IGIA) ने एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (ACI) की दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों की 2024 रैंकिंग में 9वां स्थान प्राप्त करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

यह उपलब्धि दिल्ली हवाई अड्डे की निरंतर यात्री वृद्धि, मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और विश्व कनेक्टिविटी के विस्तार को दिखाती है, जिससे यह प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाला एकमात्र भारतीय हवाई अड्डा बन गया है। दिल्ली एयरपोर्ट ने वर्ष 2024 में रिकॉर्ड तोड़ 7.7 करोड़ यात्रियों की आवाजाही देखी, जो इसकी लगातार साल-दर-साल वृद्धि को दर्शाता है। यह उपलब्धि 2023 में 10वीं, 2021 में 13वीं और 2019 में 17वीं रैंकिंग के बाद आई है, जो वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में इसकी निरंतर वृद्धि को दर्शाता है।

वैश्विक मान्यता के साथ तकनीक में वैश्विक मानक स्थापित कर रही है ध्वनिक प्रयोगशाला

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने चेन्नई के राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) में अंतर्जलीय ध्वनिक परीक्षण सुविधा (एटीएफ) की वैश्विक मान्यता और अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन का भ्रमण किया और संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। डॉ. जितेंद्र सिंह ने संस्थान द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों को अंतर्जलीय ध्वनिकी और महासागर प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में एक गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने संस्थान की सुविधा और क्षमताओं का प्रदर्शन देखा, जिसमें उन्होंने हाइड्रोफोन, ट्रांसड्यूसर और ध्वनिक मॉडेम जैसे पानी के नीचे के ध्वनिक उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला की कार्य प्रणाली को करीब से समझा।

राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी

केंद्रीय मंत्री ने इस सुविधा को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति बताते हुए समुद्री प्रौद्योगिकी में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि ध्वनिक परीक्षण सुविधा हमारी समुद्री अवलोकन क्षमताओं को बढ़ाती है और सुनामी का पता लगाने वाली प्रणालियों का समर्थन करती है जो अपने महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत वर्ष 2004 में स्थापित, एटीएफ भारत की ऐसी सुविधा है जिसे हाइड्रोफोन के लिए राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2005 से इसने लगातार इस मान्यता को बनाए रखा है और नौसेना प्रयोगशालाओं, आईआईटी, विश्वविद्यालयों और बीईएल, एलएंडटी और टाटा पावर जैसे प्रमुख औद्योगिक प्रतिनिधियों सहित उपयोगकर्ताओं के एक व्यापक स्पेक्ट्रम को पूरा करता है। वर्ष 2018 में इस सुविधा की वैश्विक क्षमता को तब मान्यता मिली जब इसने ब्रिटेन के नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी द्वारा आयोजित एक प्रमुख तुलना परीक्षण में भाग लिया, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन और रूस सहित सात अन्य देश शामिल हैं। एटीएफ के परिणाम अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों से मेल खाते हैं, जिससे यह शीर्ष वैश्विक प्रयोगशालाओं के साथ समानता स्थापित करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस मान्यता से न केवल भारत की वैज्ञानिक विश्वसनीयता बढ़ेगी, बल्कि अंतर्जलीय अनुसंधान और समुद्री प्रौद्योगिकी में वैश्विक सहयोग के अवसर भी खुलेंगे।

युगांडा में शुरू होगी डिजिटल पहचान प्रणाली

अफ्रीकी देश युगांडा जल्द ही भारत द्वारा विकसित ओपन-सोर्स तकनीक एमओएसआईपी पर आधारित आधार जैसी डिजिटल पहचान प्रणाली शुरू करने जा रहा है। इसके साथ ही, युगांडा की सरकार भारत के यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) को भी अपनाने पर विचार कर रहा है ताकि लेन-देन की लागत को कम किया जा सके। जानकारी देते हुए युगांडा के राष्ट्रीय पहचान और पंजीकरण प्राधिकरण (एनआईआरए) की प्रमुख रोजमेरी किसेम्बो ने कहा कि भारत के आईआईटी बॉम्बे द्वारा विकसित एमओएसआईपी सिस्टम को युगांडा के कानूनों के अनुसार पूरी तरह से ढाल लिया गया है। एनआईआरए की प्रमुख रोजमेरी ने आगे इसके शुरुआती मॉड्यूल पर जोर दिया।

न्यूयॉर्क शहर ने अम्बेडकर दिवस घोषित किया

न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने 14 अप्रैल 2025 को न्यूयॉर्क शहर में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर दिवस के रूप में घोषित किया है। न्यूयॉर्क में मेयर कार्यालय के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि शहर के 8.5 मिलियन निवासी इस दिवस को मनाएंगे। न्यूयॉर्क शहर के मेयर कार्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उपायुक्त दिलीप चौहान ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले की उपस्थिति में यह घोषणा की।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.वी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।